RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 142
नई दिल्ली, शुक्रवार, 27 मार्च, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

अभिनय और सिंगिंग दोनों करना चाहती हूं
विविध-12

www.dailypioneer.com

कोई नहीं रहेगा भूखा-मुफ्त में मिलेगा राशन और गैस

कोरोना से जंग में केंद्र ने खोला खजाना-1.70 लाख करोड़ के पैकेज का ऐलान

- किसानों के खातों में जमा होंगे 2-2 हजार और महिलाओं के जनधन खातों में जाएंगे 5-5 सौ रुपये, बुजुर्ग-विधवा-दिव्यांगों को मिलेगी अनुग्रह राशि और मनरेगा कामगारों को ज्यादा मजदूरी, डॉक्टरों-स्वास्थ्य कर्मियों का होगा 50 लाख का जीवन बीमा
- लॉकडाउन के दौरान गरीबों,किसानों, मजदूरों की अन्न और धन से मदद करेगी सरकार : वित्त मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना के खिलाफ जंग में निर्णायक कदम उठाती मोदी सरकार ने लॉकडाउन से प्रभावित हो रहे गरीबों किसानों, मजदूरों, बुजुर्गों, दिव्यांगों और महिलाओं के लिए अपना खजाना खोल दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में 1.70 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज का ऐलान करते हुए कहा कि सरकार किसी को भी भूखा नहीं रहने देगी। अन्न और धन से गरीबों की मदद की जाएगी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत तीन माह तक बीपीएल परिवारों को 5 किलो अतिरिक्त राशन और गैस सिलिंडर मुफ्त मिलेगा। मनरेगा कामगारों को ज्यादा मजदूरी मिलेगी और बुजुर्गों-दिव्यांगों और (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में पत्रकारों को संबोधित करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

सरकार के पास पर्याप्त अनाज भंडार

- गोदामों में है आवश्यक रिजर्व से अधिक (58.49 मिलियन टन) गेहूं और चावल

राजेश कुमार। नई दिल्ली

कोरोना वायरस की रोकथाम को राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान गरीबों के लिए केंद्र सरकार के पास पर्याप्त अनाज है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के भंडारों में इस वक्त 58.49 मिलियन टन अनाज उपलब्ध है। इसमें 30.97 मिलियन टन चावल और 27.52 मिलियन टन गेहूं है। यह जरूरत से बहुत ज्यादा है। तय मानकों के हिसाब से एक अप्रैल को इन गोदामों में 21 मिलियन टन अनाज होना चाहिए। अपनी पीडीएस योजना के तहत सरकार अगले तीन महीने तक दो किलो अतिरिक्त अनाज देगी। अभी सिर्फ पांच किलो अनाज मिलता है। इस तरह अब सात किलो मिलेगा। सूत्रों का कहना है कि 58.49 मिलियन टन भंडारण से देश के गरीब तबके (शेष पेज 9)

प्रधानमंत्री ने विश्व स्वास्थ्य संगठन में सुधार को कहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसी संस्थाओं में सुधार को कहा है। जी-20 वीडियो कांफ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वास्थ्य सुविधा से जुड़े मुद्दों से निपटने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) जैसे वैश्विक संगठनों को मजबूत करने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया भर में कहीं अधिक अनुकुल, प्रतिक्रियात्मक और सस्ती मानव स्वास्थ्य सुविधा प्रणाली का विकास करने की हिमायत की। उन्होंने कहाकि वैश्विक महामारी से निपटने के लिए प्रभावी टीका विकसित करने के वास्ते डब्ल्यूएचओ को मजबूत करना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने आपस में जुड़ी दुनिया के लिए नए संकट प्रबंधन प्रोटोकॉल और कार्यप्रणाली तैयार करने की हिमायत की। मोदी ने कहाकि (शेष पेज 9)

फेस मास्क की खुदरा कीमत 16 रुपए तय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने 3 प्लाई वाले मेल्टब्लोन फेस मास्क की कीमत 30 जून तक 16 रुपए प्रति मास्क पर सीमित कर दी है। साथ ही सरकार ने कहा कि उसने डिस्टिलरी और चीनी मिलों को थोक में हैंड सैनिटाइजर बनाने की अनुमति दे दी है और इसके लिए 45 डिस्टिलरी को पहले ही लाइसेंस जारी किया जा चुका है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सामान्य लोगों और अस्पतालों को उचित मूल्य पर हैंड सेनिटाइज़र उपलब्ध हों, सरकार ने 200 मिलीलीटर की बोतल के लिए हैंड सेनेटर्स की अधिकतम खुदरा कीमत 100 रुपए (शेष पेज 9)

युद्ध जीतने को मोदी ने कसी कमर मंत्रियों को सौंपा राज्यों का दायित्व

- उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी राजनाथ सिंह, संजीव बलियान, महेंद्र पांडे व कृष्णपाल गुर्जर को, रोज देंगे रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के खिलाफ छेड़े युद्ध को 21 दिनों के भीतर जीतने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमर कस ली है। इस सिलसिले में गुरूवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उन्होंने अपनी कैबिनेट के मंत्रियों को तमाम राज्यों का प्रभार सौंपकर उनसे स्थिति पर सतत नजर रखने को कहा है। मंत्रियों को रोजाना संबद्ध प्रदेशों के हर जिले के डीएम और अधिकारियों से बात कर गृह मंत्रालय एवं स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी दिशा निर्देशों के क्रियान्वयन के बाबत फीडबैक लेना होगा और अपनी रिपोर्ट देनी होगी।

प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों से कहा कि केंद्रीय मदद के बारे में जानकारी जुटाएं और सुनिश्चित करें (शेष पेज 9)

दिल्ली वालों को राहत

चौबीस घंटे खुली रहेंगी जरूरी वस्तुओं की दुकान

पत्रकार वार्ता में मनीष सिसोदिया, अरविन्द केजरीवाल और अनिल बैजल

- मुख्यमंत्री केजरीवाल ने किया ऐलान, 1031 नंबर और व्हाट्सऐप पर मिलेंगे ई-पास

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन में दिल्ली वालों को बड़ी राहत देते हुए केजरीवाल सरकार ने आवश्यक वस्तुओं की दुकानों को चौबीस घंटे खुले रखने फैसला किया है। उपराज्यपाल अनिल बैजल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को राज्य आपदा प्रबंधन समिति के सभी अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। इस मीटिंग के बाद सीएम केजरीवाल ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार आवश्यक सामान बेचने वाली दुकानों को चौबीसों घंटे खुली रहने की अनुमति देगी ताकि 21 दिन के लॉकडाउन के मद्देनजर इन दुकानों पर लोगों की (शेष पेज 9)

मेट्रो 14 अप्रैल तक बंद

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने के लॉकडाउन के मद्देजर दिल्ली मेट्रो की सेवाएं सेवाएं चौदह अप्रैल तक बंद रहेंगी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे पहले डीएमआरसी ने इस माह के अंत तक सेवाएं बंद रखने का ऐलान किया था। डीएमआरसी के अधिकारी के मुताबिक 21 दिन के लॉकडाउन के मद्देनजर सेवाएं 14 अप्रैल तक निलंबित रहेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देश के नाम संबोधन में लोगों से अपने घरों में ही रहने को कहा था।

तृतीय चन्द्रघंटा

पिण्डजप्रवरारूढ़ा चण्डकोपास्त्रकेर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यं चंद्रघण्टेति विश्रुता॥

शक्ति हैं चंद्रघंटा। नवरात्र में तीसरे दिन इनकी पूजा-आराधना की जाती है। देवी का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इसीलिए कहा जाता है कि हमें निरंतर उनके पवित्र विग्रह को ध्यान में रखकर साधना करनी चाहिए। उनका ध्यान हमारे इहलोक और परलोक दोनों के लिए कल्याणकारी और सद्गति देने वाला है। इस देवी के मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्र है।

बाजार

सेंसेक्स	29,946	↑	1410
निफ्टी	8,641	↑	323
सोना			/10g
चांदी			/kg

क्विक न्यूज

आईआईटी कानपुर बनाएगा किफायती वेंटिलेटर

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच राहत वाली खबर है कि कानपुर आईआईटी ऐसे पोर्टेबल वेंटिलेटर बना रहा है जो बाजार में उपलब्ध अन्य वेंटिलेटरों से सस्ता होगा। आईआईटी के प्रोफेसरों का दावा है कि बाजार में इन्वेसिव वेंटिलेटर की कीमत करीब चार लाख रुपए है जबकि इस वेंटिलेटर की कीमत 70 हजार रुपए आएगी क्योंकि इसके सारे कल-पुर्जे और घटक भारत में ही बने है। संस्थान के दो छात्र निखिल कुरले और हर्षित राठौर ने इस आसानी से कहीं भी ले जाए जा सकने वाले वेंटिलेटर का प्रोटोटाइप तैयार किया है।

16 मौत के साथ कोरोना मामले पहुंचे 700 के पास

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहाकि भारत में संक्रमण की दर तुलनात्मक रूप से स्थिर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार तक देश में 16 लोगों की कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हुई है वहीं इस वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 694 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि आज देश में कोरोना वायरस संक्रमण के करीब 90 नए मामले आए हैं। मंत्रालय ने रात आठ बजे ताजा बयान में बताया कि देश में अभी तक 16 लोगों की इस संक्रमण से मौत हुई है।

आंकड़ों के अनुसार, देश में फिलहाल 633 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण के लिए इलाज चल रहा है, वहीं 44 लोगों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। वहीं एक व्यक्ति दूसरी जगह चला गया है। बुधवार को संक्रमित लोगों की संख्या 606 थी। मंत्रालय ने गुरुवार को कोरोना के देश में अब तक के आंकड़ों के आधार पर कहा है कि भारत में संक्रमण की दर तुलनात्मक रूप से स्थिर है। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि भारत में अभी कोरोना का संक्रमण दूसरे चरण में ही है और इसके सामुदायिक संक्रमण से जुड़े तीसरे चरण में पहुंचने के फिलहाल कोई ठोस प्रमाण सामने नहीं आए है। कोरोना के संक्रमण को रोकने और लॉकडाउन (बंद) के कारण लोगों को हो रही परेशानियों से राहत देने के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों ने युद्धस्तर पर तैयारियां तेज कर दी है। एक तरफ केन्द्र सरकार ने निर्धन आय वर्ग के लोगों की सहायता के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 1.7 लाख करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा (शेष पेज 9)

मोहल्ला क्लीनिक के डॉक्टर को कोरोना, 800 लोग पृथक किए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक के एक चिकित्सक कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। यह डॉक्टर सऊदी अरब से आई दिलशाद गार्डन की महिला के संपर्क में आए थे। डॉक्टर की पत्नी और बेटी भी कोरोना संक्रमित हो गई हैं। इसके अलावा एक अधिकारी ने बताया कि 12 से 18 मार्च के बीच जो लोग मोहल्ला क्लीनिक में आए या डॉक्टर के संपर्क में आए, उन सभी को क्वेरेंटाइन सेंटर में रखा गया है। यह संख्या लगभग 800 बताई जा रही है। डॉक्टर को सफदरजंग और पत्नी व बेटी को जीटीबी अस्पताल में भर्ती किया गया है। दिल्ली में अब तक 36 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। ये जानकारी दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने दी है। मौजपुर के मोहनपुरी इलाके में स्थित इस मोहल्ला क्लीनिक को बंद कर दिया गया है और उसे संक्रमण मुक्त किया गया है।

बता दें कि दिलशाद गार्डन स्थित एल ब्लॉक निवासी महिला मरीज से संक्रमित (शेष पेज 9)

नोएडा में तीन नए मामले आए फाइव स्टार होटल हुआ सील

- गौतमबुद्ध जिले में कोविड 19 पॉजिटिव केस संख्या हुई 14, उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में कोरोना के तीन नए मामले सामने आए हैं। कोविड 19 पॉजिटिव और तीन मामलों के साथ गौतमबुद्ध जिले में मरीजों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है जो कि उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक है। जांच के लिए लखनऊ के जीएमयू लैब में इनके सैंपल भेजे गए थे। रिपोर्ट में इनके कोविड- 19 पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है।

तीन मरीजों में दो लोग सेक्टर-150 स्थित ऐस गोल्फिअर सोसायटी के रहने वाले हैं। तीनों ही व्यक्ति फिलहाल ग्रेटर नोएडा के जिम्स में भर्ती हैं। इनमें से एक 21 वर्षीय महिला है माता-पिता भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इसके अलावा 33 वर्षीय एक और महिला और 39 वर्षीय एक शख्स में संक्रमण की पुष्टि हुई हैं। तीनों पीड़ित फिलहाल जिम्स के क्वारेंटाइन वॉर्ड में उपचाराधीन हैं। नए मामले सामने आने के बाद एक साथ तीन कोरोना पीड़ित मिलने के बाद जिलाधिकारी बीएन सिंह ने

गोल्फिअर सोसायटी और सेक्टर 135 स्थित होटल सैंडल सूइट्स को 28 मार्च सुबह दस बजे तक के लिए सील कर दिया है। जिलाधिकारी बीएन सिंह ने तीनों मामलों की पुष्टि करते हुए कहा कि अस्थाई रूप से सील की गई सोसाइटी में इस दौरान प्रवेश और निकासी पूरी तरह बंद रहेगी। उन्होंने लोगों से अपने घरों में रहने की अपील करते हुए कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अपरिहार्य स्थिति में सोसायटी के लोग स्वास्थ्य विभाग के हेल्पलाइन नंबर 8076623612 या 6396776904 पर संपर्क कर सकते हैं। डीएम सिंह ने सेक्टर 135 स्थित होटल सैंडल सूइट्स को भी 28 मार्च की सुबह दस बजे तक के लिए सील करने की जानकारी देते हुए कहा कि यहां कोरोना संक्रमितों की विजिट को ध्यान में रखकर यह कदम उठाया गया है। होटल में ठहरे लोग अपने कमरों में ही रहें वरना उन्हें कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

कोरोना ने छीनी दिल वालों की दिल्ली की रौनक, सड़कें वीरान

कुषाण मित्रा। नई दिल्ली

जिस किसी ने भी पिछले तीन दशक से राजधानी दिल्ली को देखा और अपना घर समझा, उसके लिए यह नजारा थोड़ा असामान्य सा है। स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस जैसे मौकों पर भी जब शहर के अधिकांश हिस्से बंद कर दिए जाते हैं तब भी यह जिंदगी की रौनकों से भरा रहता है। अब मार्च के आखिरी सप्ताह के गुरुवार की दोपहर को ऐसे सुहावने मौसम में कनॉट प्लेस में काफी चहल-पहल होनी चाहिए थी।

जहां-तहां मस्ती करते युवा जोड़े, पालिका बाजार की दुकानों में सौदेबाजी करते खरीदार और अपने साथियों के साथ यहां के बार और रेस्टोरेंट में ड्रिंक के साथ गप्पे लड़ाते ऑफिसों में काम करने वाले प्रोफेशनल्स हर तरफ दिख जाते थे लेकिन, स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। सेंट्रल पार्क के बीचोंबीच विशाल पोल पर लहरा रहे तिरंगे झंडे वाली जगह बिल्कुल खाली है। गलियां सूनी हैं। पुलिसकर्मी चहलकदमी कर रहे हैं। पालिका बाजार के सभी प्रवेश द्वारों पर ताले लटके हैं। यह वह दिल्ली तो नहीं है जैसी किसी की भी स्मृतियों में बसी होती है। यहां तक कि जिन्हें 1965 और 1971 के युद्ध की याद हैं, वे बता सकते हैं कि उस समय जब कर्फ्यू और ब्लैकआउट आम होता था तब भी यहां ऐसा नजारा देखने को नहीं मिलता था।

निराश्रितों और बेघरों के सामने सबसे मुश्किल घड़ी है। भीख देने के लिए सड़कों पर आदमी नहीं हैं, होटल और दुकानें बंद हैं। उनकी हालत ऐसी भी नहीं कि कुछ समय के इस्तेमाल के लिए राशन इकट्ठा कर लें। भले विभिन्न राज्य सरकारों और केंद्र ने यह वादा किया हो कि कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहेगा, ऐसे में जब कनॉट प्लेस के रनवे पर गरीब लोगों से इसके बारे में पूछते हैं तो

नई दिल्ली में एम्स के पास गुरुवार को लॉक डाउन के चलते लगभग सुनसान पड़ी सड़क

तपाक से कहते हैं- उन्हें ऐसी किसी घोषणा की जानकारी नहीं है। अंबिका पांडे और अर्जुन जैसे कुछ लोग इन्हें खाने के पैकेट या फल बांट रहे हैं, लेकिन ऐसे कठिन समय में यह पर्याप्त नहीं है। निजी योगदान का सरकारी मशीनरी से मुकाबला नहीं किया जा सकता। कश्मीरी गेट आईएसबीटी इलाके में जहां 24 घंटों सड़कें वाहनों और यात्रियों से भरी रहती थीं, अब रोड बिल्कुल खाली पड़े हैं। कुछ बसें चल रही हैं लेकिन वे सरकार द्वारा अधिसूचित सिर्फ आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए ही हैं। चीन से आए कोरोना के कारण अपना रोजगार गंवा चुके यूपी और बिहार के लोग वापस अपने गांव-घर जाने को छटपटा रहे हैं, लेकिन कोई साधन नहीं है। वे बस अड्डे के बाहर असहाय भटक रहे हैं। हां, एक बात है, वाहनों के कारण हमेशा प्रदूषण से भरे रहने वाले इस इलाके में हवा बिल्कुल साफ है। पिछले कुछ दशकों में देश की आर्थिक तरक्की की दौड़ में पीछे छूट गए लोगों में भ्रम और लाचारी का आलम है। अब वे हालात की गंभीरता को समझने लगे हैं, लेकिन वे ऐसी जगह फंसे हैं जहां उन पर 'एक तरफ खाई और दूसरी तरफ पहाड़ वाली कहावत सटीक बैठती है।

इंडिया गेट और लालकिले जैसे स्थानीय लोगों के लोकप्रिय आउटिंग स्थल खालीपन से भरे हैं। वे भूतहा फिल्म के सेट जैसे नजर आ रहे हैं। यहां इक्का-दुक्का निजी वाहन नजर आते हैं। ये या तो सरकारी अधिकारियों के हैं या मीडिया के लोगों के हैं। हम ऐसे दुश्मन का सामना कर रहे हैं जिसका हम मुकाबला नहीं कर सकते, हम यह भी नहीं जानते कि उसे कैसे हराएं। हम क्या विश्व भर में कोई नहीं जानता कि इस दुश्मन से कैसे पार पाना है। इससे पहले दिन में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया कि शहर में कोरोना अथवा वुहान वायरस के 36 मरीज हो गए हैं। उन्होंने इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों के सामने पेश आने वाली चुनौतियों का भी जिक्र किया। सऊदी अरब से लौटी कोरोना पीड़ित महिला के इलाज के दौरान मोहल्ला क्लीनिक के एक डॉक्टर संक्रमण का शिकार हो गए। इसके बार उनके परिवार के लोगों को भी कोरोना हो गया। कुछ लोग मौसम गर्म होने के साथ इस संक्रमण के गुजर जाने जैसी अनेक बातें कर रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि कोई नहीं जानता, आगे क्या होगा। अभी 21 दिन के लॉकडाउन का तीसरा और रविवार को जोड़ लें तो घर में कैद होने का पांचवां दिन है। यह वक्त किसी के लिए भी आसान नहीं है और यही उम्मीद कर सकते हैं कि दिल्ली को फिर कभी ऐसे दिन न देखने पड़ें।

कोविड-19 पर हरियाणा सरकार का फैसला

डाक्टरों को 50 लाख नर्सों को 30 लाख एक्सग्रेशिया

सीएम मनोहर लाल ने प्रदेश वासियों के नाम जारी किया संदेश

जन सेवाओं के लिए 33 हजार वालंटियर ने करवाया पंजीकरण

पांच सौ सेवानिवृत्त डाक्टरों ने की सेवाओं की पेशकश

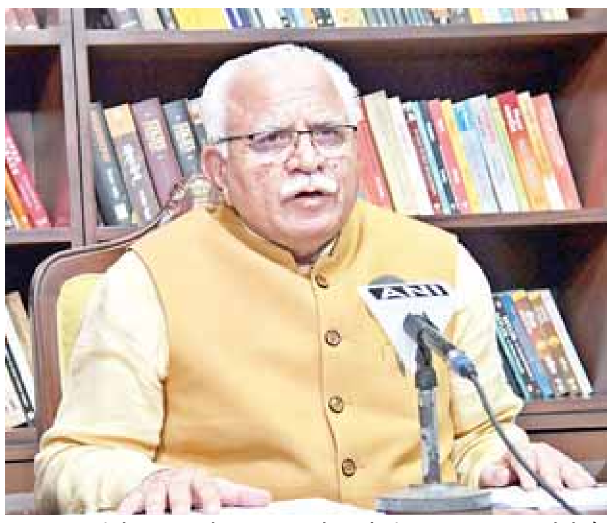

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि सरकार ने कोरोना से संक्रमित लोगों के आइसोलेटिड वार्ड में ड्यूटी या कोविड टेस्टिंग लैब में तैनात कर्मचारियों को दी जाने वाली दस लाख रुपये की एक्स-ग्रेशिया राशि को बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि अब डॉक्टरों के लिए एक्स-ग्रेशिया राशि को 50 लाख रुपये, नर्सों के लिए 30 लाख रुपये व अन्य कर्मचारी, चाहे पक्के हों या अनुबंध पर, सभी के लिए 20 लाख रुपये किया गया है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को हरियाणा वासियों के नाम जारी संदेश में कोरोना वायरस से लड़ने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वह सोशल मीडिया व अन्य अफवाहों से भ्रमित न हों। सरकार लोगों की सुविधा के लिए हर प्रकार के प्रबंध कर रही है और सरकार ने एक वेबसाइट caævidsharæ÷yana.in शुरू की है जिस पर राशन, करियाना, दूध, सब्जी व फल और दवाइयों आदि की आपूर्ति करने के इच्छुक व्यक्ति अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, स्वैच्छिक सेवा के लिए भी इस पर पंजीकरण करवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सब प्रकार की रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं लोगों के घरद्वार पर पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के माध्यम से व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

हमने प्रशासन के साथ-साथ वालंटियर्स के सहयोग के लिए पोर्टल में पंजीकरण करने की ऑनलाइन व्यवस्था की है। पिछले चार दिनों अर्थात 22 मार्च से 33,000 वालंटीयर ने अपना पंजीकरण करवाया है जिनमें 546 सेवानिवृत्त डॉक्टर, 255 नर्स, 1100 पेरामेडिकल स्टाफ, 4700 होम डिलीवरी कर्मी, 5700-5700 सोशल डिस्टेंसिंग व कम्युनिटी कम्युनिकेशन के बारे जानकारी देने वाले विशेषज्ञ तथा 6200 जिला मेजिस्ट्रेट को सहयोग देने वाले व्यक्ति शामिल हैं।

हरियाणा में जल्द शुरू होंगी दो कोरोना टैस्ट लैब :मनोहर लाल

कोरोना राहत कोष में अब तक आए पांच करोड़ 84 लाख

बिजली बिल के कैश कांउटर 14 तक बंद,ऑनलाइन भरने पर मिलेगी छूट

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि कोरोना वायरस की जांच के लिए प्रदेश में पांच लैब की सुविधा उपलब्ध है, दो और टेस्टिंग लैब के प्रबंध किए जा रहे हैं। इसी प्रकार, व्यापक मात्रा में 2500 आइसोलेटिड बैड और लगभग 6500 क्वारंटाइन बैड उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को प्रदेश वासियों के नाम जारी संदेश में कहा कि कोरोना के संक्रमित लोगों का इलाज कर रहे मेडिकल सेवा के अधिकारी व कर्मचारी जोखिम उठाकर लोगों के लिए कार्य कर रहे हैं। इनकी व इनके परिवार की चिंता करना भी सरकार का कर्तव्य बनता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा गठित हरियाणा कोरोना राहत कोष में अब तक 2000 से ज्यादा लोगों ने 5.84 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिहाड़ीदार, मजदूर व भवन निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिक व बीपीएल परिवारों को आर्थिक सहायता पहुंचाने के लिए प्रबंध किए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना के तहत 12.56 लाख परिवारों ने पंजीकरण कराया। इनमें से 2.76 लाख परिवारों को 4,000 रुपये की एक मुश्त सहायता के तौर पर 84.46 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। इसी प्रकार, भवन निर्माण बोर्ड से पंजीकृत 3.85 लाख श्रमिकों को 1,000 रुपये प्रति सप्ताह देने का निर्णय है। बीपीएल परिवारों को भी 1,000 रुपये प्रति सप्ताह दिए जाएंगे और जो परिवार बीपीएल सूची में नहीं हैं, उनके पंजीकरण की अलग से व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान बिजली के बिल भरने पर कैश काउंटर पर लगने वाली भीड़ से बचने के लिए बिजली निगमों ने 14 अप्रैल तक कैश काउंटर बंद करने का निर्णय लिया है। लोगों की सुविधा के लिए डिजिटल बिल की व्यवस्था की गई है। लोग चाहे आरटीजीएस या वीवीपीएटी या एनईएफटी के माध्यम से भी बिजली बिलों का भुगतान कर सकते हैं। इसके लिए निगमों द्वारा उनके अगले बिल में दो प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया है। 1,000 रुपये के बिल पर 20 रुपये और 5,000 रुपये तक के बिल पर 100 रुपये की छूट दी जाएगी।

राहत की बात सोनीपत में नहीं बढ़ा पोजिटिव मामला : डीसी

सोनीपत। उपायुक्त डा. अंशज सिंह ने कहा कि सोनीपत जिले के लिए अच्छी व राहत की खबर है कि यहां नोवल कोरोना वायरस-19 पोजिटिव मामलों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। यह संतोषजनक है, क्योंकि सोनीपत में विदेश से आने वाले लोगों का आंकड़ा लगातार बढ़ता गया है। उपायुक्त डा. अंशज सिंह ने कि 26 मार्च की सायंकाल तक सोनीपत जिला में विदेश से आने वाले लोगों की संख्या में थोड़ी-सी वृद्धि हुई है, जिसके बाद यह आंकड़ा 244 पर पहुंच गया है। इनमें से 221 लोगों को क्वारंटाइन में रखा गया है। इनमें से 57 लोगों की क्वारंटाइन की 14 दिन की अवधि तथा 12 लोगों की 28 दिन की क्वारंटाइन की अवधि पूर्ण हो चुकी है। अभी 111 लोगों का 14 दिनों के लिए क्वारंटाइन चल रहा है। उन्होंने कहा कि 175 लोगों को होम क्वारंटाइन पर रखा गया। उपायुक्त ने बताया कि राई के पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में बनाये गये विशेष क्वारंटाइन सेंटर में 16 लोग हैं, जिनमें से एक व्यक्ति को डिस्चार्ज कर दिया है। सोनीपत के सिविल अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में तीन लोगों को उपचार के लिए दाखिल किया गया है। उन्होंने कहा कि 150 लोगों के हाथों पर कोरोना वायरस की चिह्नित स्टैंप लगाई है।

संक्षिप्त समाचार

आदेशों की अवहेलना करने पर 21 मामला दर्ज, 24 गिरफ्तार

सोनीपत। पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा ने कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए हरियाणा सरकार व स्वास्थ्य मंत्रालय के आदेशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हुए हैं। इन्हीं निर्देशों की पालना करते हुये सोनीपत पुलिस ने लॉकडाउन के चलते सरकारी आदेशों की अवहेलना करने पर 21 मामले दर्ज कर 24 लोगों को गिरफ्तार किया है तथा 114 वाहन जब्त कर 834 वाहनों के चालान किये गये है। एसपी जशनदीप सिंह रंधावा ने बताया कि गत 23 मार्च से लॉकडाउन के चलते सोनीपत पुलिस ने सरकारी आदेशों की अवहेलना करने से संबंधित अलग-अलग 21 मामले थाना गन्नौर, मुरथल, राई, कुंडली, शहर सोनीपत, गोहाना में दर्ज कर 24 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इसी के साथ 114 वाहनों को जब्त कर 834 वाहनों के चालान किये गये है। आगे भी इस प्रकार सरकारी आदेशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कोरोना वायरस को लेकर भारत सरकार व हरियाणा सरकार ने लॉकडाउन घोषित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा कोरोना वायरस से संक्रमित चिन्हित व्यक्ति अगर बाहर घुमता हुआ दिखाई दे तो तुरन्त इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम सोनीपत 0130-2222903 या संबंधित थाना क्षेत्र व स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें। इन आदेशों की पालना करते हुए सुरक्षित रहे।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

सोनीपत। सीआईए-2 स्टाफ ने अवैध हथियार सहित प्रिंस निवासी खायरा जिला मथुरा यूपी हाल जैन बाग कालोनी हाल रेवली जिला सोनीपत का रहने वाला है। पुलिस पूछताछ में युवक ने एक व्यक्ति के सिर में राड मारकर हत्या करने की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा ने बताया कि सीआईए-2 स्टाफ टीम देवीलाल पार्क जीटी रोड़ मुरथल की सीमा में मौजूद थी कि इन्हें एक युवक संदिग्ध अवस्था में घुमते काबू किया। तलाशी लेने पर इसके कब्जा से एक अवैध देशी पिस्तौल 315 बोर मिला। पूछताछ में युवक ने अपना नाम पहचान निवासी खायरा जिला मथुरा यूपी हाल जैन बाग कालोनी हाल रेवली के रूप में दी। आरोपी को न्यायालय में पेशकर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। शीघ्र ही घटना में शामिल अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

काबुल गुरुद्वारा साहिब पर आतंकी हमला निंदनीय : रविंदर कौर

कुरुक्षेत्र। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सुशोभित गुरुद्वारा श्री हरिराय साहिब पर आतंकवादी हमले के विरोध में सिख समाज में रोष पनपने लगा है। गुरु घर में आतंकी हमला निंदनीय होने के साथ-साथ असहनीय भी है। इस संदर्भ में शिरोमणि अकाली दल हरियाणा महिला विंग की प्रदेशाध्यक्षा बीबी रविंदर कौर ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने भारत सरकार से भी अपील की कि राजनीतिक व राजनयिक दबाव बना कर वहां सिखों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। सम्पूर्ण विश्व में एकमात्र सिखधर्म ही ऐसा धर्म है, जिसके अनुयायी सम्पूर्ण मानवजाति की सुख-समृद्धि व भले की कामना हर बार की अरदास में करते हैं। विश्व के किसी भी कोने में रहने वाले सिख एकजुट है। उनके जीवन और धार्मिक स्वतंत्रता को सुरक्षित रखना स्थानीय सरकारों की जिम्मेवारी है। शिरोमणि अकाली दल के प्रदेश प्रवक्ता कवलजीत सिंह अजराना ने बताया कि इस हमले में 11 सिख शहीद हुए हैं। इस घटना की जितनी कड़ी निंदा की जाए, उतनी कम है। धार्मिक अल्पसंख्यकों पर होने वाले ऐसे हमले सम्पूर्ण मानवजाति पर कलंक हैं। सिखों पर अफगानिस्तान में यह पहला हमला नहीं है। इससे पहले भी अल्प संख्यकों पर हमले होते आए हैं। वर्ष 2018 में भी जलालाबाद में आत्मघाती हमला हुआ था, जिसमें 13 सिख मारे गए थे, जिसकी जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी। अफगानिस्तान में लगभग 300 सिख परिवार रहते है, जिनके लिए 2 गुरुद्वारा साहिब है, एक जलालाबाद और दूसरा काबुल में। हालांकि सुरक्षा बलों ने कुछ आतंकवादियों को मार गिराया है, फिर भी वहां की सरकार व विशेषतौर पर राष्ट्रपति अशरफगनी खान को सख्त से सख्त कार्यवाही कर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

किसानों का कर्ज माफ करे सरकार : शैलजा

कांग्रेस अध्यक्ष ने सीएम को पत्र लिखकर मांगा राहत पैकेज

लॉकडाउन में किसानों के लिए बने अलग से वार रूम

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी शैलजा ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर लॉकडाउन के दौरान किसानों को आ रही समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। कुमारी शैलजा ने गुरवार को जारी जानकारी में कहा कि लॉकडाउन के कारण हरियाणा में किसानों को भारी दिक्कतें आ रही हैं। इसलिए सरकार राष्ट्रीय व सहकारी बैंकों से संबंधित कर्ज को माफ करे। कुमारी शैलजा ने कहा कि सरकार इस बारे में स्पष्ट निर्देश जारी करे कि किसान लॉकडाउन के दौरान क्या कर सकते हैं या क्या नहीं कर सकते हैं। पुलिस को तब तक खेती की गतिविधियों पर रोक नहीं लगानी चाहिए, जब तक किसान जारी दिशा-निर्देशों के अंदर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों की मदद करने के लिए तुरंत 24 घंटे का वॉर रूम और टोल फ्री नंबर स्थापित करना चाहिए, जिससे किसानों को उनके अधिकारों, नवीनतम नियमों, अनाज के परिवहन और फसल खरीद की सही जानकारी के बारे में मदद और जानकारी मिल सके।

लॉकडाउन की अवहेलना नहीं होगी सहन : उपायुक्त

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

जिलाधीश एवं उपायुक्त धीरेन्द्र खडगटा ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी से बचने के प्रत्येक नागरिक को लॉकडाउन के नियमों की पालना हर हाल में करनी होगी। जो भी व्यक्ति आदेशों की अवहेलना करेगा, उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 188 के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इतना ही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग ज्यादा संख्या में एक जगह पर एकत्रित ना हो, इन आदेशों को सुनिश्चित करने के लिए ठीकरी पहरा लगाने के भी आदेश दिए गए है।

जिलाधीश धीरेन्द्र खडगटा ने वीरवार को बातचीत करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र जिला में लॉकडाउन के दौरान स्थिति नियंत्रण में है और आमजन का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इस जिले में लोगों के सहयोग से ही 14 अप्रैल तक लॉकडाउन को सफल बनाया जाएगा। इस जिले में लोगों को राशन, सब्जी, दूध व अन्य खाद्य सामग्री का सामान लेने के लिए दुकानों तक ना आना पड़े, इसके लिए उचित व्यवस्था कर दी गई है,

जानकारी देते उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा।

प्रशासन की तरफ से मेडिकल स्टोर, करियाना स्टोर, दूध-डायरी की एक सूचि भी तैयार की है जो दूरभाष पर आर्डर मिलने के बाद सामान को घरों तक सप्लाई करेंगे। इतना ही नहीं, मोबाईल चिकित्सा टीम का भी गठन कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में लोगों को कोरोना वायरस से बचाव व नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी गांवों, कस्बों, शहरों आदि में तुरंत प्रभाव से ठीकरी पहरा लगाकर गश्त करने के आदेश जारी कर दिए गए है। द पंजाब विलेज एंड स्माल टाउन एंड पेट्रोल एक्ट 1918 की धारा 3(1) के अधीन निहित शक्तियों तहत जिला के सभी स्वस्थ नौजवानों को अपने क्षेत्र में नागरिकों के जान-माल की सुरक्षा व बचाव हेतु ठीकरी पहरा लगाने के लिए कहा गया है ,ताकि कोई भी वारदान ना होने पाए। इस कार्य को करवाने की जिम्मेवारी सम्बन्धित जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, ग्राम पंचायत, बीडीपीओ व लोकल बॉडीज की होगी।

आलू उत्पादक कोल्ड स्टोरज तक ले जा सकेंगे ट्रैक्टर-ट्राली

उपायुक्त धीरेन्द्र खडगटा ने जारी आदेशों में कहा है कि जिला कुरुक्षेत्र को 14 अप्रैल तक लॉकडाउन किया गया है। इस लॉकडाउन की अवधि में कुरुक्षेत्र के आलू उत्पादक किसान आलू से लदी ट्राली, जो निजी क्षेत्र के कोल्ड स्टोर में भंडारण के लिए जा रही है, को आने-जाने की अनुमति दे दी गई है और इसको लॉकडाउन से मुक्त कर दिया जाता है।

गांवों को स्वच्छ रखने को सेनीटाइज करने के दिए निर्देश

जिलाधीश एवं उपायुक्त धीरेन्द्र खडगटा ने सभी खंडों के बीडीपीओ व सरपंचों को निर्देश दिए है कि कोरोना वायरस महामारी से बचने के लिए कुरुक्षेत्र जिले के सभी गांवों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना है और सार्वजनिक स्थलों पर ब्लीचिंग घोल या सोडियम हाईपोक्लोराईट घोल से छिड़काव करना है। यह घोल और पाउडर का इस्तेमाल करते समय रबड़ के दस्ताने, मास्क और एप्रैन पहनकर अपने-आपको को सुरक्षित रखना होगा। इस खर्च को सम्बन्धित पंचायत समिति द्वारा वहन किया जाएगा। इतना ही नहीं गांव में किसी प्रकार के सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक कार्यक्रमों का आयोजन नहीं होगा और गांवों में यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि एक स्थान पर 5 से अधिक व्यक्ति एकत्रित ना हो।

भारतीय योग संस्थान कैथल की कक्षाएं स्थगित

कैथल। भारतीय योग संस्थान जिला कैथल के प्रधान प्रदीप शर्मा एडवोकेट ने अपने जिले के पदाधिकारियों के साथ टेलीफोन पर विचार-विमर्श करके अपने जिले में सुबह के समय लगने वाली योग की कक्षाओं को 15 अप्रैल तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। प्रधान के इस फैसले पर सभी पदाधिकारियों ने अपनी सहमति दी। यह भी निर्णय लिया कि सभी साधक अपने घर पर ही योग साधना निरंतर करते रहेंगे। प्रधान ने यह भी निर्देश दिए कि सभी पदाधिकारी व शिक्षक अपने साधकों से संपर्क बनाए रखें व घर पर ही हर रोज शिक्षक संहिता का अध्ययन करें। शर्मा ने कहा कि हमें एकजुट होना पड़ेगा।

योगी सरकार ने मदद को बढ़ाए हाथ

उत्तर प्रदेश सरकार पोल्ट्री फार्म संचालकों को देगी बाजरा

पायनियर समाचार। चंडीगढ़

कोरोना वायरस के दुष्परिणाम अब सामने आने लगे हैं। फीड के अभाव में हरियाणा के पोल्ट्री फार्मों में हजारों की संख्या में मुर्गियां दम तोड़ चुकी हैं। गुरुवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल को इस बारे में जब पता चला तो उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात करके हरियाणा को फीड सप्लाई करने की मांग की। जिसे यूपी सरकार ने स्वीकार कर लिया है।

हरियाणा के पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, जींद, सिरसा व

फतेहाबाद करीब एक दर्जन जिलों में पोल्ट्री फार्म का कारोबार होता है। पंचकूला में सर्वाधिक पोल्ट्री फार्म हैं। कोरोना वायरस के चलते हरियाणा के पोल्ट्री फार्मों से जहां पड़ोसी राज्यों व पड़ोसी देशों में अंडों की सप्लाई कई दिनों से बंद है वहीं अब पोल्ट्री फार्मों में मुर्गी दाना (फीड) भी खत्म हो चुका है। जिसके चलते हजारों की संख्या में मुर्गियों की मौत हो चुकी है। जिसका मुख्य कारण उत्तर प्रदेश और बिहार से होने वाली मक्का व मुर्गी फीड की सप्लाई बंद होना बताया जाता है।

गुरुवार को कुछ पोल्ट्री फार्म संचालकों ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को इस समस्या से अवगत कराया तो उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से फोन पर बात की। लाकडाउन की वजह से सैकड़ों ट्रक उत्तर प्रदेश में ही फंसे हुए हैं, जिनकी वजह से हरियाणा में मुर्गियों के फीड की सप्लाई नहीं हो रही है। हरियाणा के आग्रह को मानते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने राज्य में फंसे हुए तमाम ट्रक रिलीज कर दिए हैं, जो हरियाणा की तरफ रवाना हो चुके हैं।

हरियाणा सरकार ने पोल्ट्री फार्म संचालकों को वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर बाजरा भी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने पिछले दिनों करीब दो हजार रुपये क्विंटल की दर पर राज्य के लोगों से बाजरे की खरीद की थी।

दूसरे दिन भी शहर-गांवों की सड़कों पर सन्नाटा

रादौर। कोरोना वायरस को लेकर लॉकडाउन के दौरान वीरवार को लगातार दूसरे दिन भी रादौर शहर व ब्लॉक के सभी गांवों की गलियां व सड़कें सुनसान रहीं। लोगों ने दोपहर से पहले जरूरी सामान की दुकानों से खरीदारी की। दोपहर 12 बजे प्रशासन ने किराना व दवाओं की दुकानों को बंद करा दिया।

वीरवार को शहर के पार्षदों ने नगरपालिका में बैठक कर शहर में लोक डाऊन के दौरान के हालातों की समीक्षा की। पार्षदों ने स्थानीय लोगों को बीमारी से बचाने के लिए सभी वार्डों में संबंधित पार्षदों की ड्यूटियां लगाई। पार्षद अपने अपने वार्ड में घर-घर जाकर लोगों को बीमारी से बचाने के लिए घरों से बाहर न निकलने की अपील करेंगे। वहीं बैठक के बाद पार्षदों की टीमों ने शहर व छोटाबांस का दौरा किया। इस दौरान पार्षदों ने सड़कों पर बिना वजह घूम रहे लोगों को अपने घरों में रहने की अपील की।

वीरवार को छोटाबांस में गांव के लोगों की टीमों ने डेहा बस्ती और बकाना रोड पर नाकेबंदी कर छोटाबांस में आने वाले लोगों को खदेड़ा। जबकि छोटाबांस में चिटा नशा खरीदने पहुंचे कई लोगों की जनता ने जमकर पिटाई की। दो दिन से छोटाबांस में नशा खरीदने पहुंच रहे नशेड़ियों की लोग जमकर धुनाई कर रहे है।

किरयाना संचालक अब घर-घर पहुंचाएंगे सामान

निगदू। लॉकडाउन के दूसरे दिन आमजन की समस्या को देखते हुए गुरुवार को मार्केट कमेटी कार्यालय निगदू में ड्यूटी मजिस्टेट नायब तहसीलदार अनिल कुमार की अध्यक्षता में मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें मार्केट कमेटी के सचिव दिनेश कुमार, थाना निगदू के प्रबंधक सज्जन सिंह, मेन मार्केट के प्रधान रामदर्शन शर्मा, किरयाना एसोसिएशन के प्रधान रोशन लाल गुप्ता मौजूद थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि किरयाना स्टोर संचालक लॉकडाउन तक सुबह 9 से 12 बजे तक दुकान का शट्टर बंद कर ग्राहकों का फोन पर आर्डर लेकर घरों तक सामान देकर आएंगे। नायब तहसीलदार अनिल कुमार ने कहा कि अनुमति लिए हुए स्टोर संचालक ही घर तक सामान देकर आएंगे। कोरोना वायरस से बचने के लिए दिए गए आदेशों का पालन किरयाना स्टोर के संचालकों ने मीटिंग के दौरान बखूबी किया। जिस समय मीटिंग चल रही थी उस समय बाकि संचालक मार्केट कमेटी कार्यालय के प्रांगण में एक-दूसरे से एक-एक मीटर की दूरी पर बैठे दिखाई दिए।

सावित्री जिंदल ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए दिए 15 लाख

संकट की इस घड़ी में जिन्दल परिवार जनता के साथ

पायनियर समाचार सेवा। हिसार

हरियाणा की पूर्व कैबिनेट मंत्री, ओपी जिन्दल ग्रुप की एमिरेटस चेयरपर्सन और अग्रोहा मेडिकल कॉलेज की चेयरपर्सन सावित्री जिन्दल ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 15 लाख रुपये देने की घोषणा की है।

उन्होंने लोगों से लॉकडाउन अवधि में अपने घर में ही रहने की अपील करते हुए कहा कि हिसार के जरूरतमंद परिवारों तक राशन पहुंचाई जाएगी। कोविड19 के अंतरराष्ट्रीय प्रकोप को देखते हुए

जिन्दल परिवार जनता के साथ है। जिन्दल हाउस, हिसार से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में सावित्री जिन्दल ने कहा कि बाऊजी ओपी जिन्दल ने हिसार वासियों को सदैव अपने परिवार का हिस्सा माना। इसी नाते हिसार परिवार से मेरा भी सुख-दुख का नाता है। आज जब पूरा विश्व कोरोना वायरस की महामारी से जूझ रहा है, ऐसे में जिन्दल परिवार पर भी एक बड़ा दायित्व आ गया है और इसीलिए हिसार की डीसी डॉ. प्रियंका सोनी के माध्यम से 15 लाख रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष में देने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि हिसार का कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहना चाहिए। जिन्दल संस्थान प्रत्येक जरूरतमंद परिवार और बस्तियों तक राशन पहुंचाने की तैयारी कर रहा है। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते यह हमारा दायित्व है। हम कोई विशिष्ट व्यक्ति नहीं बल्कि हिसार परिवार का एक हिस्सा हैं और जब-जब ऐसी कोई चुनौती सामने आई, जिन्दल संस्थान ने आगे बढ़कर अपना योगदान किया है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि विश्व का प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षित रहे और संकट की यह घड़ी बगैर कोई नुकसान पहुंचाए कट जाए।

उन्होंने कहा कि ये जीवन बेशकीमती है और हम सभी का स्वस्थ रहना आवश्यक है।

घरेलू विवाद में महिला ने घर में फांसी का फंदा लगाकर जान दी

रादौर। वीरवार की दोपहर को गांव घेसपुर में एक 32 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर घरेलु विवाद के चलते अपने घर में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक महिला सपना शहर की एक फैक्ट्री में काम करती थी और 2 लड़कों की मां थी। थाना रादौर प्रभारी सब इंस्पेक्टर गुरदेव सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि गांव घेसपुर में दोपहर के समय सपना नाम की महिला ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेते हुए मामले की जांच की। महिला का पति ऋषिपाल गांव सांगीपुर में अपने बेटे के साथ गया हुआ था।

लॉकडाउन को लेकर पुलिस हुई सख्त

निषेधाज्ञा की अवहेलना करने पर सात लोगों को किया गिरफ्तार

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप पर अंकुश लगाने हेतु लगाए गए लॉकडाउन को लेकर अब पुलिस ने सख्ती बरतने लगी है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस टीम मुस्तैदी से काम करने में जुटी हैं। यही नहीं, कुछ पुलिस कर्मचारी अलग-अलग टीम बना कर अपने-अपने एरिया में गश्त भी करते नजर आ रहे हैं।

इस दौरान घरों से बाहर निकलने वाले लोगों पर पुलिस ने नियमानुसार कदम उठाते हुए कार्रवाई भी शुरू कर दी है। इसके तहत पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से 7 लोगों को निषेधाज्ञा

लॉकडाउन में घरों से बाहर निकले लोगों से पूछताछ करते पुलिस कर्मचारी।

की उल्लंघना करने पर गिरफ्तार किया है, जबकि करीब 550 वाहन चालकों के विरुध मोटर व्हीकल अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 25 वाहनों को भी इम्पाउंड भी किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 21 दिवसीय लॉकडाउन के पहले दिन सड़कों पर कुछ वाहन जरुर नजर आए और पुलिस कर्मचारियों ने भी सख्ती से परहेज किया। मगर जब शुक्रवार को पुलिस सख्ती के मूड में दिखी और सड़कों पर आने वाले लोगों को घरों के लिए लौटाने के साथ-साथ उनके खिलाफ कार्रवाई भी की। लॉकडाउन के चलते हालात यह है कि आए दिन पर्यटकों से सराबोर रहने वाली विश्व विख्यात धर्मनगरी की सड़कें सुनसान है। यहां दिनचर्या की शुरुआत मंदिरों में पूजा अर्चना से होती है, लेकिन अब न तो मंदिरों में घंटियों की आवाज गूंज रही है और न ही एशिया के सबसे बड़े ब्रह्मसरोवर की परिक्रमा में सैर करने वाले लोग नजर आ रहे हैं।

बीमार, एमरजेंसी और सरकारी कर्मचारियों को मिल रहा सहयोग

लॉकडाउन के दौरान सख्ती बरत रही पुलिस जायज वजह से घरों से बाहर निकले लोगों को पूरा सहयोग भी दे रही है। बीमार व्यक्ति, अस्पताल, निजी क्लीनिक या फिर बैंक जॉब पर जा रहे कर्मचारियों की बात करें, इन सभी को पुलिस के जवानों ने पूरा सहयोग दिया। हालांकि बैंक में जॉब करने वाले कर्मचारियों के आईकार्ड जरुर चैक किए गए, लेकिन मरीजों द्वारा चिकित्सकों द्वारा दी गई पर्चों दिखाने के बाद उन्हें रोका नहीं गया।

अहम फैसला : खरीदारी के लिए पास जरूरी नहीं

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने किए राहत के उपाय, चौबीसों घंटे ऑन रहेंगी आवश्यक सेवाएं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

खरीदारी के लिए आम जनता को पास की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को ऐलान किया कि आम लोगों को खरीदारी के लिए पास की जरुरत नहीं होगी है। उन्होंने बताया कि समीप की दुकान पर जाकर आवश्यक सामानों को खरीद सकते हैं लोग। जरूरी सेवाओं से जुड़े लोग 1031 पर फोन कर ई-पास बना सकते हैं। पास जल्द वाट्सएप पर मिल जाएगा। सरकार के आश्वासन के बाद भी लोगों में भारी बेचैनी है। ई-पास लेने के लिए संबंधित संबधित पुलिस उपायुक्त कार्यालयों में पास पाने के लिए लंबी कतारें दिखाई दी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोरोना के बढ़ेते प्रकोप के मद्देनजर प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी के 21 दिन के लॉकडाउन के दौरान दिल्ली वालों को किसी तरह की परेशानी नहीं आने देने का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि जरूरी सामान खरीदने वाली आम जनता को पास की जरूरत नहीं है।

उन्हें रोजमर्रा की जरूरतों के सामान अपने पास की दुकान से खरीद की अनुमति है। उन्होंने जरूरी सेवाओं से जुड़े लोगों की सुविधा के लिए ई-पास जारी करने का ऐलान किया है। इसके लिए दिल्ली सरकार ने हेल्प लाइन नंबर 1031 जारी किया है। मुख्यमंत्री ने सिर्फ जरूरी सेवाओं से जुड़े लोगों को ही इस नंबर पर फोन करने का अनुरोध किया है। उन्हें वाट्सऐप पर ई-पास भेजा जाएगा। सीएम ने संक्रमण से पीड़ित मरीजों का इलाज करने वाले डॉक्टर और नर्सों को घर से बाहर निकालने की धमकी देने वाले मकान मालिकों पर कड़ी कार्रवाई करने का आदेश जारी किया है। साथ ही इस विपदा की घड़ी में लोगों से एक-दूसरे की मदद करते रहने की अपील की है।

उपराज्यपाल अनिल बैजल और अरविंद केजरीवाल ने राज्य आपदा प्रबंधन समिति के सभी अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक के बाद एलजी और सीएम ने संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली सरकार की तरफ से उठाए गए जरूरी कदमों की जानकारी दी। एलजी बैजल ने कहा कि वे प्रधानमंत्री को बधाई देना चाहते हैं कि उन्होंने कोरोना के प्रकोप की रोकथाम के लिए बड़ा फैसला लेते हुए देश में इक्कीस दिन का लॉक डाउन करने का फैसला लिया है।

वतर्मान में जो हालात हैं, लॉक डाउन ही उसका एममात्र सही उपाय है। वे केंद्र सरकार से जारी लॉक डाउन की अधिसूचना को शत प्रतिशत प्रभावी तरीके से लागू कराएंगे।

वहीं, केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार के साथ मिलकर हम सब लोग एकजुट होकर दिल्ली वालों के लिए काम कर रहे हैं। उनके स्वास्थ्य और आवश्यक वस्तुओं मुहेया कराने के लिए काम कर रहे हैं। इसके लिए आप सब लोगों के मदद की जरूरत है। ज्ञात हो प्रधानमंत्री के भाषण के बाद देखा कि दुकानों पर सामान खरीदने को लेकर लाइनें लगने लगी।

पुलिस मदद के लिए 011-23469536 पर कॉल करें

केजरीवाल ने कहा कि पुलिस आयुक्त एसएन श्रीवास्तव ने अपने ऑफिस का एक हेल्प लाइन नंबर जारी किया है। अगर किसी को कहीं पर पुलिस से किसी तरह की दिक्कत आती है, तो वे उस नंबर पर कॉल कर मदद ने सकते हैं। पुलिस कमिश्नर ने भरोसा दिया है कि तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

लॉकडाउन का पूरी तरह से करें पालन

लॉक डाउन में सभी लोगों को अपने घरों के अंदर ही रहना है। सरकार की जिम्मेदारी है कि जिंदा रहने के लिए जो जरूरी चीजें हैं, वह आप सभी को आसनी से मुहैया होती रहे। लोगों को इसके लिए किसी तरह की तकलीफ नहीं हो। वह लोगों से हाथ जोड़ कर विनती करते है कि प्रधानमंत्री के लॉकडाउन के ऐलान का सभी लोग सख्ती से पालन करें। केवल सब्जी व दूध आदि खरीदने के लिए अपने पड़ोस की दुकान तक ही जाएं। अन्यथा घर से बाहर कोई भी न निकले। आवश्यक सेवाओं को जारी रखने के लिए लोगों को पास देने की व्यवस्था की है। बिजली, पानी समेत सरकारी सेवाओं के कर्मचारी के पास अपने-अपने पहचान पत्र होंगे। इन लोगों से रास्ते में पुलिस पहचान पत्र मांगती है तो वे लोग उसे दिखा सकते हैं। उन्हें जाने की अनुमति दे दी जाएगी। निजी अस्पताल के कर्मचारियों के भी अपने पहचान पत्र होंगे।

बीमारी को बढ़ने से रोकना होगा : सीएम

अरविंद केजरीवाल ने डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि बुधवार से पूरे देश में लॉक डाउन का ऐलान हुआ है और जिस तरह से पूरी दुनिया के अंदर करोना फैल रहा है। उसको देखते हुए लॉक डाउन का यह फैसला बहुत जरूरी था। अगर हम लॉक डाउन नहीं करते और महामारी बुरी तरह से देश भर में फैल जाती है तो ज्यादा तकलीफ होगी। अभी भी देखा जा रहा है कि किस तरह से कोरोना के केस बढ़ते जा रहे हैं। उनको रोकने की जरूरत है। पिछले चौबीस घंटे में दिल्ली में पांच नए मामले सामने आए हैं। जिसमें एक केस विदेश से आए व्यक्ति का है और चार मामले उनके आसपास के परिवार के लोगों में संक्रमित के हैं। अब दिल्ली में कुल पैंतीस केस हो गए हैं। इसे किसी भी कीमत पर बढ़ने नहीं देना है। यह बेहद जरूरी हो गया है।

जरूरी सामान वाले वाहनों की आवाजाही को छूट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आपूर्ति वाहनों को दिल्ली में आवाजाही की छूट है। दिल्ली पुलिस ने लॉकडाउन के दौरान जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति करने वाले वाहनों को आने-जाने की छूट देते हुए इन वस्तुओं की घर-घर जाकर आपूर्ति करने वाले खुदरा विक्रेताओं और ई कॉमर्स सेवा मुहैया कराने की पहचान करना शुरु कर दिया है।

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि रोजमर्रा के काम आने वाली जरूरी वस्तुओं की घर पर ही आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिये यह पहल की गयी है। इसके तहत पुलिसकर्मियों को जरूरी चीजों को लाने-ले जाने वाले वाहनों को सड़कों पर नहीं रोकने को कहा गया है। यातायात पुलिस को भी इस बाबत सूचित कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि पुलिस ने ई कॉमर्स कंपनियों और खुदरा व्यापारियों के प्रतिनिधियों के साथ बुधवार को हुई बैठक के बाद यह फैसला किया है।

पुलिस ने आवश्यक वस्तुओं के आपूर्ति करने वालों की आवाजाही सुगम बनाने के लिये भरोसा दिलाते हुए कहा कि लॉकडाउन के दौरान इससे अनिवार्य सेवाओं की आपूर्ति बहाल रखने में मदद मिलेगी। ऑनलाइन शॉपिंग से जुड़ी कंपनी फि्लपकार्ट और अमेजन के अलावा दवाओं की आपूर्ति करने वाली कंपनी मेडलाइफ, खाद्य सामग्री के आपूर्तिकर्ता स्विगी और बिग बास्केट तथा कोरियर सेवा प्रदाता कंपनी ब्लूडार्ट एवं डीटीडीसी सहित अन्य कंपनियों के वेंडर आवश्यक वस्तुओं की घर-घर जाकर दे सकेंगे।

दिल्ली पुलिस ने ई कॉमर्स वेबसाइट का एक प्लेटफार्म भी बनाया है, जिस पर ये कंपनियां आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में आ रही दिक्कतों को साझा कर सकेंगी।

मजदूरों को तत्काल मिलेगी आर्थिक मदद

दिल्ली लेबर वेलफेयर बोर्ड के जरिये 37,127 पंजीकृत श्रमिकों को दिए जाएंगे 5 हजार रु

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्माण कार्य में लगे मजदूरों की मुश्किलों को खत्म करने के लिए उन्हें तत्काल आर्थिक सहायता मुहैया कराने का फैसला किया है। दिल्ली में 37127 पंजीकृत मजदूर हैं।

उन्हें जल्द पांच हजार रुपये मिल जाएंगे जबकि 9149 को पंजीकरण के बाद रुपये मिलेंगे। आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली लेबर वेलफेयर बोर्ड के जरिए पंजीकृत मजदूरों को सहायता राशि देने के लिए उपराज्यपाल अनिल बैजल के पास फाइल भेज दी है। एलजी की अनुमति मिलते ही सभी दिहाड़ी मजदूरों के खाते में निर्धारित सहायता राशि भेज देगी।

केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली सरकार लॉक डाउन की वजह से लोगों को हो रही परेशानियों को कम करने का लगातार प्रयास कर रही है। रोजाना काम करके घर का खर्च चलाने वाले दिहाड़ी मजदूरों की मदद के लिए सरकार काफी गंभीर है। इन लोगों को राहत देते हुए उन्हें पांच-पांच हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। यह सहायता राशि दिल्ली लेबर वेलफेयर बोर्ड के तहत पंजीकृत मजदूरों को दी जानी है। बोर्ड के तहत कुल 37127 मजदूर पंजीकृत हैं, जबकि 9149 मजदूरों का अभी पंजीकरण नहीं हो पाया है।

वहीं, जिन मजदूरों का अभी तक पंजीकरण नहीं हुआ है, उनका पंजीकरण कराया जा रहा है। पंजीकरण के बाद इनके खाते में भी राशि भेज दी जाएगी। इसी कड़ी में पेंशन लेने साढ़े आठ लाख विकलांगों, विधवाओं व बुजुर्गों की अप्रैल माह की पेंशन राशि दोगुना करके देने की घोषणा की है। यह राशि सात अप्रैल तक लाभार्थियों के खाते में भेज दी जाएगी। दिल्ली में रह रहे करीब 72 लाख राशन कार्ड धारकों को इस माह पांच किलो की बजाय साढ़े सात किलो गेहूं और चावल दिया जाएगा। नाइट सेल्टरों में दोपहर और रात में मुफ्त भोजन की व्यवस्था की गई है। यहां कोई भी व्यक्ति आकर खाना खा सकता है।

दिल्ली सरकार के राहत शिविर में भोजन करते जरूरतमंद। फोटोः रंजन डिमरी।

हालात पर काबू पाने को एम्स में टास्कफोर्स गठित

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने कोरोना वायरस से उत्पन्न हालात की संभावित चुनौतियों से निपटने की कार्ययोजना बनाने के लिए कार्यबल (टास्क फोर्स) का गठन किया है। एम्स द्वारा गुरुवार को जारी निर्देश में कहा गया है कि स्थिति के कुशल प्रबंधन हेतु कार्ययोजना बनाने के लिये तैयार किए गए कार्यबल के तहत विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है। आने वाले दिनों में संक्रमण के मामले बढ़ने की आशंका को देखते हुये एहतियाती इंतजामों के तहत यह पहल की है। इसके तहत मानव संसाधन, मरीजों और प्रबंधन के अलावा परीक्षण तथा चिकित्सा सहायता आदि के लिये अलग समितियां गठित की गयी हैं। वायरस के जांच के लिए जरूरी उपकरणों,और अन्य जरूरी संसाधनों का आंकलन करने के लिये एक उपसमिति भी बनाई गई है।

जिम्स अस्पताल में भर्ती दो मरीजों के नमूने निगेटिव

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतम बुद्ध नगर जिले के जिम्स अस्पताल में भर्ती कोरोना वायरस संक्रमित दो अन्य मरीजों को 14 दिन तक अलग रखने के बाद की गयी जांच में नमूने निगेटिव आए हैं।

अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित दो अन्य मरीजों को केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन के तहत इलाज किया जा रहा था। जिसके बाद दो अन्य मरीजों की जांच के नमूने भेजे गए। इन दोनों की जांच रिपोर्ट अब आ चुकी है। इन दोनों मरीजों की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। रिपोर्ट के आधार पर यह दोनों मरीज अब ठीक हो चुके हैं।

जिसके चलते अब दोनों मरीजों की जल्द ही अस्पताल से छुट्टी कर दी जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अनुराग भार्गव ने बताया कि 24 घण्टों के भीतर दो अन्य मरीजों के नमूने लिए गए थे। दोनों मरीजों की जांच रिपोर्ट नकारात्मक आ चुकी हैं। दोनों रोगी स्पर्शोन्मुख हैं।

यह रोगी के ठीक होने की पुष्टि करता है। जिससे अब जल्द ही मरीजों को छुट्टी दे दी जाएगी। दोनों मरीजों को छुट्टी देने के बाद 14 दिनों तक घर में आइसोलेशन पर रखा जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अनुराग भार्गव ने बताया कि राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में कोरोना वायरस से संक्रमित 13 मरीजों को अब तक भर्ती करवाया जा चुका है।

नोएडा में सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक खुलेंगी दुकानें

नोएडा। कोरोना वायरस के मद्देनजर देशभर में लगाए गए लॉकडाउन के बीच लोगों के लिए राहत भरी खबर है। कारण, फल, सब्जी, दूध, किराना की दुकानें सुबह 6 बजे से लेकर रात 11 बजे तक खुल सकेंगी।

वहीं पेट्रोल पंप समेत 24 गुणा 7 सुविधा देने वाले प्रतिष्ठान भी अपनी सुविधा लोगों को देते रहेंगे। इस बाबत जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर ने आदेश जारी किए हैं। हालांकि दुकानदारों को सामान बेचते समय भीड़ न जुटने की भी हिदायत दी गई है।उधर, जिलाधिकारी के इस आदेश के बाद निवासियों सहित दुकानदारों ने भी राहत की सांस ली है।

सैनिटाइज करने के लिए निगम ने खरीदी पांच हजार लीटर दवा

गाजियाबाद। एंटी वायरस दवा की कमी से अब नगर निगम का सैनिटाइज अभियान नहीं रुकेगा। नगर निगम ने पांच हजार लीटर और दवा की खरीदी है। निगम का दावा है कि अगले 21 दिनों के लॉकडाउन के दौरान तक यह दवा काफी होगी। अगर दवा कम पड़ेगी तो निगम और भी खरीद करेगा।

नगर निगम पूरे शहर की सड़कों को सैनिटाइज कराने का काम कर रहा है। इसके अलावा निगम ने अब वॉर्डों को भी सैनिटाइज करने का कार्य शुरू कर दिया है, लेकिन इस बीच निगम के पास छिड़काव करने वाली दवा की कमी पड़ गई थी। इसके चलते यह कार्य काफी धीमा हो गया था।

नगर आयुक्त दिनेश चंद्र सिंह ने हाल ही में निगम के अफसरों का और दवा मंगाने को कहा था।निगम प्रशासन ने बुधवार को ही दिल्ली की एक कंपनी से करीब 5000 लीटर सोडियम हाइपोक्लोराइड दवा खरीदी है। इसी के चलते नगर निगम इस दवा का प्रयोग सरकारी ऑफिस और शहर के सभी स्थानों को सैनिटाइज करने में कर रहा है।

पेश की मिसाल, नोएडा पुलिस ने गर्भवती को पहुंचाया अस्पताल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश पुलिस आपकी सेवा में सदैव तत्पर यूपी पुलिस का यह नारा लॉकडाउन के दौरान पूरी तरह चरितार्थ होता नजर आ रहा है। लॉकडाउन के कारण मुश्किलों में घिरे लोगों के लिए नोएडा पुलिस मसीहा साबित हो रही है।

नोएडा पुलिस न केवल सजगता के साथ अपनी ड्यूटी कर रही है, बल्कि जरुरतमंदों की हर संभव मदद भी कर रही है। ताजा मामला नोएडा के झुंडपुरा का है। जहां पुलिस ने मानवता का परिचय देते हुए प्रसव पीड़ा से कराह रही एक गर्भवती महिला को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया है।

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर आलोक सिंह ने बताया कि कोरोना वायरस को लेकर लॉकडाउन में पुलिसकर्मी पूरी मुस्तैदी के साथ लोगों की सेवा में जुटे हुए हैं। जहां ग्रेटर नोएडा पुलिस ने एक छात्रा की मदद करते हुए उसे हरियाणा के गुरुग्राम में रहने वाले परिवार से मिलाया है। वहीं नोएडा पुलिस ने लॉकडाउन के दौरान प्रसव पीड़ा से कराह रही एक गर्भवती महिला की मदद की है। नोएडा के झुंडपुरा में एक गर्भवती महिला प्रसव पीड़ा के कारण कराह रही थी।

जैसे ही इसकी जानकारी सेक्टर-24 कोतवाली अंतर्गत पुलिस चौकी इंचार्ज हरिदर्शन को मिली तो वे तुरंत पुलिस वाहन से मौके पर पहुंचे और गर्भवती महिला को ईएसआई अस्पताल पहुंचाया।

प्राधिकरण ने 265 वेंडरों की सूची जारी की

● सभी सेक्टरों में सप्लाई करेंगे सब्जी-फल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

लॉकडाउन के दौरान प्राधिकरण हर संभव प्रयास करने में जुटा है जिससे लोगों को जीवन-यापन के लिए आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता होती रही। प्राधिकरण ने 265 वेंडरों की अधिकारिक सूची जारी कर दी है।

खासबात है कि इसमें सेक्टर-14ए में भी दो वेंडरों को जगह दी गई है। सेक्टर-14ए में सिर्फ आईएएस और वरिष्ठ अधिकारियों के भवन है। इसे शहर का सबसे पॉश सेक्टर कहा जाता है। इसके बाद सेक्टर-15ए का नंबर आता है यहां भी वेंडरों को स्थान दिया गया है। वहीं, दूसरी तरफ प्राधिकरण गांवों पर विशेष जोर दिया है। हर गांव को कम से कम दो वेंडर दिए गए हैं जो फल और सब्जी की उपलब्धता सुनिश्चित करवाएंगे।

नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी ने बताया कि संबंधित रेहड़ी वालों पास जारी करने शुरू कर दिए गए हैं। सभी 265 वेंटरों की सूची को अंतिम रूप दे दिया गया है और इन्हें पास जारी किया जा रहा है। आने वाले समय में वेंडरों की संख्या बढ़ाई जाएगी। हर सेक्टर में सब्जी-फल वाले को पास जारी किए जाएंगे। वेंडर को सेक्टरों के साथ गांवों का भी जिम्मा दिया गया है। ओएसडी इंदु प्रकाश ने बताया कि अभी सब्जी व फल बेचने के लिए पूरे नोएडा शहर में 13 सेंटर बनाए गए हैं।

इन सेंटर से ये रेहड़ी वाले सामान लेकर संबंधित सेक्टरों में सामान बेचेंगे। एक सेंटर के जरिए आसापास के करीब 10 सेक्टरों में रेहड़ी वालों के जरिए सब्जी भिजवाई जाएगी। इस काम पर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ रितु भी नजर रखेंगी। इनके पास सेक्टरवार वेंडर्स के मोबाइल नंबर की पूरी सूची होगी।

संक्षिप्त समाचार

टायर फैक्ट्री में लगी भीषण आग

गाजियाबाद। मोदीनगर इलाके में गुरुवार की सुबह अचानक उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल हो गया जब वहां स्थित एक टायर की फैक्ट्री में अचानक ही भीषण आग लग गई, जैसे ही लोगों ने इस आग को लगते देखा तो आनन-फानन में स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग को सूचित किया गया। सूचना के आधार पर आनन-फानन में दमकल विभाग की आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंची और कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि यह आग आसपास के इलाके में नहीं फैली वरना बड़ा हादसा हो सकता था। दमकल विभाग की टीम के द्वारा इस आग पर काबू तो पा लिया गया। लेकिन वहां रखा लाखों का माल जलकर राख हो गया।

जरूरतमंदों को बांटी राशन सामग्री

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में भाजपा से जुड़े राजू पंडित जलपुरा ने दर्जनों गरीब परिवारों को राशन सामग्री बांटी। इस महामारी में जनसेवा करना सबसे बड़ी सेवा है। राजू पंडित का कहना है कि सरकार द्वारा लॉक डाउन के चलते हम पहले झिझक रहे थे। लेकिन सरकार द्वारा किये गए आह्वान के बाद जरूरतमंदों को उनकी जरूरत का सामान वितरित करने की पूरी कोशिश की जाएगी। इस तरह से ओर लोगों को भी जनसेवा करने की प्रेरणा मिलेगी। देश में फैली महामारी कोरोना वायरस से हर कोई जूझ रहा है, केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि आम आदमी को कोई परेशानी ना हो।

45 लीटर लीटर कच्ची शराब बरामद

गाजियाबाद। थाना टीला मोड़ पुलिस ने एक व्यक्ति को 45 लीटर कच्ची शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार गांव महमूदपुर मुंबई की पुलिया के पास से एक व्यक्ति को संदिग्ध हालत में पकड़ा गया उसकी निशानदेही से 45 लीटर कच्ची शराब 450 ग्राम यूरिया बरामद किया। आरोपी सुनील पुत्र मंसाराम महमूदपुर गांव थाना किला बोर्ड क्षेत्र का रहने वाला है पुलिस ने सुनील को आबकारी अधिनियम की धारा 60 के अंतर्गत विस्तार कर जेल भेज दिया है।

इमरजेंसी में ही अस्पताल आने की अपील

गाजियाबाद। यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के आपातकालीन विभाग के चिकित्सकों ने जनता से अपील की है कि यदि बहुत जरूरी हो तभी अस्पताल आए और अपने घरों से बाहर बिल्कुल ना निकले। उन्होंने कहा हम आपके लिए अपनी जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं, जिसका मतलब यह नहीं है कि आप इस गंभीर स्थिति में किसी भी चीज को ढ़िलाई से लें। आपातकालीन विभाग की प्रभारी डॉ रुचि गर्ग ने कहा कि हमारा साथ देना सिर्फ इसी बात से संभव है कि आप अपने घरों में रहे और बाहर ना निकले और सोशल डिस्टेंसिंग को जरूर अपनाएं। आपातकालीन विभाग के डॉक्टर शफी, डॉक्टर विक्रम , डॉक्टर पदम, डॉक्टर शाहनवाज ने भी लोगों से यही अपील की है उन्होंने कहा कि अभी कोरोना का हमारे देश में कम्युनिटी आउटब्रेक नहीं हुआ है और ऐसे समय में हमें समस्त देशवासियों के लिए अपने घरों में रहना ही उचित है।

दिल्ली पुलिस आपके साथ ही नहीं-आपकी मददगार भी

पैदल ही अपने घर लौट रहे मजदूरों को करा रही भोजन, झुग्गियों में भी पहुंचा रही सामान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के संकट से निपटने के लिए चल रहे लॉकडाउन के बीच दिल्ली पुलिस आपके साथ ही नहीं, आपकी मददगार भी है। बृहस्पतिवार को पश्चिमी दिल्ली की झुग्गी बस्तियों में खाने के पैकेट बांटे और लोगों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए जागरूक किया कि इन दिनों क्या-क्या सावधानियां बरतनी हैं।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक गैर सरकारी संगठन के जरिए रघुवीर नगर और गोंडेवाला मंदिर इलाकों की झुग्गी बस्तियों में खाने के करीब एक हजार पैकेट जरूरतमंदों को किए गए। 'एक नूर' नामक गैर सरकारी संगठन और अमन कमेटी की मदद से पुलिस अधिकारियों ने खाने के पैकेट बांटने और साफ-सफाई का अभियान शुरू किया है। इस मुहिम के तहत झुग्गी बस्तियों में रहने वालों को जागरूक किया गया कि कोरोना वायरस से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी हैं।

ठेले पलटने वाला सिपाही निलंबित

नई दिल्ली। मध्य जिले में तैनात दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल को कोरोना लॉकडाउन (बंद) के दौरान सब्जियों के ठेले कथित तौर पर नष्ट करने पर बृहस्पतिवार को निलंबित कर दिया गया। डीसीपी मध्य किया संजय भाटिया ने आरोपी कांस्टेबल राजबीर को सस्पेंड करते हुए कहा कि इस तरह की हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वीडियो में कांस्टेबल को एक के बाद एक सब्जियों के तीन ठेलों को पलटते हुए देखा जा सकता है। राजवीर आनंद पर्वत थाने में तैनात था। सिपाही का कहना है कि आनंद पर्वत में ठेले के पास लोगों की काफी भीड़ थी। लोग बिना मास्क लगाए एक दूसरे से सटकर खड़े थे। किसी ने बात नहीं मानी थी।

नेफोमा ने बनाया 25 सदस्यीय वालंटियर ग्रुप

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट फ्लैट बॉयर्स एसोसिएशन नेफ ोमा के तत्वाधान कोरोना कोविड 19 से जागरूक करने और जरूरत मंद लोगो की मदद करने के लिए अलग.अलग 25 सोसाइटी के प्रतिनिधि को मिला कर वॉलंटियर्स ग्रुप तैयार किया गया है। जिस का काम यह होगा कि सोसाइटी के अंदर जिन निवासियों को कोई भी चीज की जरुरत पड़ती है तो वह वॉलंटियर्स उनको उपलब्ध कराने में सहायता देगा, जैसे कि दूध, दही, राशन मेडिकल सुविधाएं या अस्पताल जैसी सुविधाएं। नेफोमा के अध्यक्ष अन्नू खान ने बताया कि नोएडा एक्सटेंशन में करीब 70 सोसायटी हैं जिसमें लाखों लोग निवास करते हैं और अलग.अलग सोसायटीओं में कुछ कोरोना मरीज भी पाए गए थे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

द्रोण नगरी से वापस कृष्ण नगरी को रवाना हुए कर्ण-अर्जुन, साथ में हैदर भी

गुरुग्राम में करियर बनाने आए थे तीनों पर कोरोना वायरस बन गया बाधा

मालिक ने तीनों को हजार रुपये दिए और कह दिया घर जाओ

अभी काम में निपुण ही हुए थे और आन पड़ी विपदा

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

वे कृष्ण नगरी यानी मथुरा से द्रोण नगरी गुरुग्राम में करियर बनाने को आए थे। काम तो अभी उनका खाना बनाने का था, लेकिन काम को गति मिलने से पहले ही कोरोना वायरस ने ब्रेक लगा दिए। जिसके मालिक के पास वे काम कर रहे थे, उसने भी पनाह देने से इंकार कर दिया और एक हजार रुपये थमाकर कह दिया कि घर लौट जाओ।

यह कहानी नहीं, बल्कि हकीकत है उन तीन युवाओं की, जो करीब एक महीने पहले ही कई तरह के सपने बुनकर मथुरा से गुरुग्राम में आकर रहने लगे थे। यहां गगनचुम्बी इमारतें, दिन-रात दौड़ते-भागते लोग और यहां की चकाचौंध को उन्होंने अभी ठीक से देखा भी नहीं था कि कोरोना वायरस उनके लिए अभिशाप बनकर आ गया। यहां एमजी (महरौली-गुरुग्राम) रोड से सिकन्दरपुर मेट्रो स्टेशन के पास जब हमें ये तीनों युवा मुंह पर रुमाल बांधे और पीठ पर बैग लटकाए जा रहे थे। जब उनसे ऐसे लॉकडाउन में सड़क पर पैदल ही जाने कारण पूछा तो उनकी दर्द भरी बातों ने हमें भी विचलित कर दिया। क्योंकि अपनी कई परेशानियां उन्होंने साझा की। उनके नाम पूछने पर पता चला कि इनमें दो कर्ण, अर्जुन और हैदर थे। यानी दो हिन्दू और एक मुस्लिम।

गुरुग्राम के एमजी रोड पर सिकन्दरपुर मेट्रो स्टेशन के पास से पैदल मथुरा जाते कर्ण, अर्जुन व हैदर।

चलते-चलते अपना दर्द किया बयां

खास बात यह है कि जब उनसे हमने बात करने की शुरुआत की तो वे सिर्फ आधी मिनट ही ठहरे। उसके बाद चल दिए। क्योंकि वे ठहर कर अपना समय बर्बाद न करके जाने की जल्दी में थे। उनके साथ करीब एक किलोमीटर तक पैदल चलते-चलते जब हमने उन्हें कुरेदा तो वे एकाएक भावुक हो गए। वे बोले बहुत कुछ करने के लिए आए थे, पर कुछ भी नहीं कर पाए। अब वे घर पहुंचना चाहते हैं। जब चल पड़े हैं तो दो दिन में मथुरा पहुंच ही जाएंगे। गुरुग्राम से मथुरा की सड़क मार्ग से दूरी करीब 160 किलोमीटर है।

यहां बहुत हैं ऐसे कर्ण, अर्जुन और हैदर

बेशक हम लाख बार कहें कि लॉकडाउन से किसी को कोई परेशानी नहीं होगी। हकीकत तो यही है कि परेशानी हो रही है। सुबह से लेकर शाम तक आपको गुरुग्राम से बाहर की ओर निकलने वाली सड़कों पर अनेक युवा अपनी पीठ पर बैग लटकाए नजर आ जाएंगे। उनमें बहुत से कर्ण, अर्जुन और हैदर होंगे जो कि मजबूरी में अपने घर की ओर रवानगी करते हैं। अब चाहे कितनी भी तकलीफें आएं, यह हमारे देश की सेहत का सवाल है। हमें इस तरह की कड़वी दवा लेनी होगी।

हिन्दू-मुस्लिम के भेद को नहीं मानते तीनों

जिस देश में जाति-धर्म के लिए कत्लेआम हो जाते हैं, उस देश में इन तीनों युवाओं की जोड़ी एक मिसाल भी कही जा सकती है। तीनों ने हिन्दू-मुस्लिम के भेद को मिटा रखा था। वे सिर्फ दोस्ती का हाथ थामे किसी तरह से अब इस सपनों के शहर से निकलकर अपनी नगरी में पहुंचना चाहते थे। इसे विडम्बना ही कहा जाएगा कि जिस नगरी में गुरू द्रोणाचार्य ने अर्जुन जैसे योद्धाओं को महाभारत काल में धनुष बाण थमाकर उन्हें धर्नुधारी बनाया, आज उन्हीं गुरु द्रोणाचार्य की नगरी से ये कर्ण, अर्जुन खाली हाथ जा रहे थे। उनके साथ हैदर भी।

संक्षिप्त समाचार

मात्र दो घंटे खुली किराना की दुकानें, मंडी बंद

सोहना। सोहना में गुरुवार को किराना की दुकानें मात्र दो घंटें ही खुली। इस दो घंटा में ग्राहकों की लंबी कतारे लगी। जबकि सब्जी मंडी पूर्णत: बंद रखा गया। प्रधानमंत्री की 21 दिन तक लॉकडाउन अपील का असर लगभग पूरा होता दिख रहा है। पिछले दो दिन की अपेक्षा गुरुवार को बाजार में मात्र दो घंटा की किराना की दुकानें खुली। जैसे ही बाजार में सुबह सात बजे किराना की दुकानें का शटर उठा। वैसे ही ग्राहकों की लंबी लाइनें लग गई। बाइक, स्कूटी और कार लेकर किराना का सामान खरीदने वाला का ताता लगना शुरू हो गया। देखते-देखते किराना दुकानों के सामने सड़क व आम रास्तों पर जाम लगने के हालात बन गए। जैसे ही बाजार में पुलिस को लोगों की भीड़ होने की सूचना मिली। वैसे ही पुलिस ने तुरन्त प्रभाव से एक्स लेते हुए सभी किराना दुकानों को बंद करा दिया। गुरुवार को सोहना की सब्जी मंडी पूरी तरह से बंद रही। आढ़तियों द्वारा बुधवार की शाम को फोन करके किसानों को सब्जी लाने से इंकार कर दिया था। जिसके चलते गुरुवार को आढ़त और सब्जी की छोटी दुकानें नहीं खुली। सब्जी के खरीद्दार बैरंग अपने-अपने घरों को लौट गए।

डेरा सेवादारों ने महिला को पहुंचाया घरेलू सामान

गुरुग्राम। यहां कोरोना वायरस के चलते घर में ही रह रही एक महिला के घर पर सारा सामान खत्म हो गया था। यहां तक कि गैस भी। डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों द्वारा उसकी संभाल की गई और उसे घरेलू सामान देने पहुंच गए। संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा की पावन प्रेरणा पर चलते हुए डेरा सच्चा के सेवादारों ने कोरोना वायरस के इस दौर में सेवा के लिए हाथ बढ़ाए। सेवा को अपना कर्म-धर्म मानकर वे आगे बढ़े। जब लोग एक-दूसरे से दूरी बना रहे हैं, वहीं डेरा के इन सेवादारों ने राजीव नगर में सुविधाओं से वंचित बुजुर्ग महिला को घरेलू सामान सौंपा। क्योंकि उस महिला के पास ना तो कोई सामान था और ना ही सिलेंडर। इन सभी की व्यवस्था डेरा के सेवादारों ने की। इसके साथ ही मास्क आदि भी दिए।

यहां दुकानदारों ने खुद खींची सोशल डिस्टेंस की लकीर

गुरुग्राम में मेडिकल स्टोर के बाहर सोशल डिस्टेंस की बानगी।

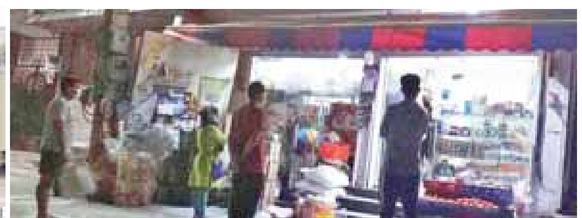

शिवपुरी कॉलोनी में रात के समय सोशल डिस्टेंस बनाकर अपनी बारी का इंतजार करते ग्राहक।

कहीं गोल व कहीं चकोर बॉक्स बनाकर दी लोगों को नसीहत

अब लोग खुद ही जाकर बॉक्स में हो जाते हैं खड़े

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

एक तरफ तो घरों की दहलीज को पार ना करने की लक्ष्मण रेखा का जिक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करते हुए लोगों को घरों में ही रहने की सलाह दी, दूसरी तरफ एक रेखा यहां दुकानदारों द्वारा सोशल डिस्टेंस बनाने के लिए खींची जा रही है। ये दोनों ही रेखाएं जरूरी हैं।

यह तो हमारे इतिहास में दर्ज है कि लक्ष्मण रेखा पार करने से कितनी परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। कोरोना वायरस के चलते सोशल डिस्टेंस का मतलब खुद से समझने की बजाय प्रेक्टिकल करके बताने से लोगों को समझ आ रहा है। कितने दिनों से सोशल डिस्टेंस को लेकर कहा जा रहा है, लेकिन शायद किसी को समझ नहीं आ रहा या फिर लोग समझना नहीं चाहा।

दुकानों में एक-दूसरे से सटकर सामान लेने को लोग आतुर रहते, लेकिन यहां दुकानदारों के प्रयासों से ऐसे लोगों में सुधार आया है। अब सोशल डिस्टेंस बनाने को गुरुग्राम के कई क्षेत्रों में किरयाणा व दवाई विक्रेताओं ने अपनी दुकानों के आगे जमीन पर पेंट से एक-एक मीटर की दूरी पर जगह चिन्हित कर दी हैं। यहां सेक्टर-7 एक्सटेंशन शिवपुरी में एक जनरल स्टोर संचालक और एक मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा यह प्रयोग किया गया, जो कि सफल रहा।

हालांकि यहां खांडसा मंडी में भी इस तरह का प्रयोग किया गया है, जिससे मंडी में सब्जी लेने के लिए अब उस तरह की भीड़ नहीं लग रही, जो एक-दो दिन पूर्व थी।

न किरयाना स्टोर पर भीड़ लगी न मेडिकल स्टोर पर

एक दिन पहले तक लोग ग्रुप बनाकर दुकान में घुस रहे थे। मान ही नहीं रहे थे। अब दुकानदारों ने सोशल डिस्टेंस को लागू करने के लिए दुकान के बाहर जगह बनाकर निशान लगा दिए। अब लोग उनमें खड़े हो रहे हैं और अपनी बारी आने पर खुद ही अकेले दुकान के अंदर आ रहे हैं। दवा ऐसी कोई चीज नहीं, जिसके लिए मारामारी की जाए। फिर भी लोग उतावले रहे। अब दवा विक्रेताओं ने सड़क पर लोगों के सोशल डिस्टेंस से खड़े होने के लिए गोल दायरे बना दिए। अब लोग अंदर घुसने की बजाय, अपने आप ही इस दायरे में आकर खड़े हो रहे हैं। ऐसे ही सोशल डिस्टेंस से हम कोरोना को हरा देंगे।

चाइना से सबक लेकर कोरोना को भगाएं

यह हकीकत तो पूरी दुनिया के सामने ही है कि चाइना से शुरू हुई कोरोना वायरस नामक बीमारी ने दुनिया में हाहाकार मचा दिया है। इस बीमारी का जनक कहे जा रहे चाइना ने अपने देश से बीमारी को खत्म करने के लिए सोशल डिस्टेंस को ही महत्व दिया। क्योंकि बीमारी की अभी तक कोई वैक्सीन नहीं बनी।

इस लिहाज से चाइना को लॉकडाउन किया गया। सोशल डिस्टेंस के जरिए ही इतनी बड़ी बीमारी से मात्र दो माह में निकलने का सबक हम चाइना से सीख सकते हैं। हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लॉकडाउन को कामयाब बनाकर सोशल डिस्टेंस बनाते हुए अपने घरों में ही शरण लेनी चाहिए।

सामाजिक संगठन व कार्यकर्ता जरूरतमंदों की मदद में जुटे

जरूरतमंद झोपड़ी में रह रहे प्रवासी मजदूरों को आटे के बैग वितरण करते सोहना में दिल टाउन सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता।

सोहना। शहर और ग्रामीण क्षेत्र में आम लोगों को कोरोना से बचाव के लिए सामाजिक संगठन व सामाजिक कार्यकर्ता जागरुकता का पाठ पढ़ा रहे है। सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता लोगों को मास्क बांटने के साथ-साथ जरूरतमंदों को प्रवासी परिवारों को फ्री में राशन वितरण कर रहे है।

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अपील के बाद अब सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता आम लोगों को कोरोना से बचाने के लिए आगे आ रहे है। सामाजिक संगठन, लोगों की मदद में मास्क वितरण से लेकर गांवों के सेनेटाइज करने के लिए दवा का छिड़काव कर रहे हैं। खंड के गांव खरौदा में उड़ान स्वयं सहायता समूह सामाजिक संगठन के संस्थापक संजय कुमार ने बताया कि उन्होंने गांव में प्रत्येक परिवार के सदस्यों को मास्क बांटें। गांव को सेनेटाइज कराने के लिए दवा का छिड़काव किया।

100 बैग आटे के बांटे

सोहना शहर की दिल टाउन सामाजिक संगठन की तरफ से झुग्गी-झोपड़ियों में रह रहे प्रवासी मजदूर परिवार को आटे की दस-दस किलोग्राम के सौ बैग बांटे गए। संगठन के कार्यकर्ता अंकूर सिंगला ने बताया कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, बंगाल, असम आदि प्रदेशों से आकर अपनी मजदूरी करके आजीविका कमाने वाले परिवारों के सामने लॉकडाउन से राशन की कमी आ गई है। उनकी टीम के सदस्यों से लेकर पूर्व पार्षद हरिश नन्दा, पार्षद अनिल कुमार सहित अन्य की मदद से जरूरतमंदों को आटे के बैंग वितरण किए।

लोगों को घरों से बाहर न निकलने की अपील : शहर में जागरूक व सामाजिक कार्यकर्ता मलिन व झुग्गी-झौपड़ियों में रहने वाले परिवारों के मुखियाओं को कोरोना से बचने के लिए खुले में न निकलने को लेकर समझा रहे है।

सरकारी आदेशों की अवहेलना करने पर चार के खिलाफ मामले दर्ज

सोहना। सोहना और भोंडसी थाना पुलिस ने सरकारी आदेशों की अवहेलना करने वाले तीन बाइकों पर सवार चार के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। जिसमें दो मामले भोंडसी थाना के हैं। देश में चल रहे लॉक डाउन के दौरान सरकारी आदेश न मानने वालों के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा सकना शुरू कर दिया है। भोंडसी थाना पुलिस ने गांव गढ़ीमूरली निवासी प्रमोद व बेरका निवासी रविन्द्र को गुरुग्राम- सोहना मार्ग पर थाने के सामने खड़ा था। मारुति कुंज चौकी पुलिस ने केशव नांगला भोंडसी निवासी भगवती प्रसाद को पकड़ा था। सोहना सिटी थाना पुलिस ने वार्ड 5 की शिव कालोनी निवासी नवीन के खिलाफ धारा 188 के तहत मामला दर्ज किया है।

सब्जी व फलों के दाम किए तय, तेज बेचे तो खैर नहीं

फर्रुखनगर मार्केट कमेटी ने उठाया सही कदम

अधिक दामों में बेचे जाने की मिल रही थी शिकायतें

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कोरोना वायरस के फैलते संक्रमण को रोकने के लिए किए गए लॉकडाउन के दौरान कालाबाजारी को रोकने के लिए फर्रूखनगर मार्केट कमेटी ने सख्ती कर दी है। उद्देश्य से मार्केट कमेटी फर्रूखनगर के चेयरमैन बिरेंद्र यादव और सचिव मोहन जोवल ने सब्जी व फ्लों के रेट निर्धारित करने फ्ल व सब्जी विक्रे ताओं को सूची थमाई। साथ ही चेतावनी दी की इस माहमारी में किसी प्रकार की बढ़ोतरी करने वाले दुकानदार के खिलाफ सरकार की हिदायतों के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जनता कफ्र्यू के बाद से लगातार लोगों की शिकायत मिल रही थी कि लॉकडाउन की आड़ में कुछ लोग मुनाफा कमाने के लिए कालाबाजारी को बढ़ावा दे रहे है। इस प्रकार के लोगों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से फल व सब्जी के दुकानदारों को रेट तय करके दिए गए है। अगर फिर भी कोई दुकानदार, रेहड़ीवाला, पटरीवाला बाज नहीं आता है तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

फर्रुखनगर में फल, सब्जी विक्रेताओं को तय किए गए रेट की सूची जारी करते मार्केट कमेटी के चेयरमैन बिरेंद्र सिंह और सचिव मोहन जोवल।

सब्जी, फलों के तय किए गए दाम

सूची में संतरा 40 से 50 रुपये प्रति किलो, अंगूर 70 से 80, अनार 90 से 100, सेब 100 से 110, चीकू 40 से 50, पपीता 30 से 50, आम 100 से 110, तरबूज 25 से 30, खरबूजा 50 से 60, टमाटर 25 से 35, आलू 20 से 30, प्याज 25 से 30, मटर 30 से 40, गोभी 15 से 20, मिर्च 45 से 55, अदरक 90 से 110, भिंडी 50 से 60, लहसुन 75 से 85, टींडा 15 से 20, धनिया 25 से 30, घीया 15 से 20, ककड़ी 25 से 30 और बंद गोभी 20 से 25 रुपये प्रति किलो की दर से रेट तय किए गए हैं।

अब गुरुग्रामवासी करने लगे हैं अपने शहर की केयर

देश में लॉकडाउन के दूसरे दिन से सुनसान नजर आई गुरुग्राम की सड़कें

पुलिस की सख्ती का लोगों पर हो रहा असर

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

जब आप गुरुग्राम के बस अड्डे से एमजी रोड पर इफको चौक क्रॉस करके आगे बढ़ते हैं तो मेट्रो ट्रैक के ठीक पहले करीब 20 फुट ऊंचे पोल पर एक बोर्ड लगा है, जिस पर लिखा है माई गुड़गांव आई केयर। हालांकि यह बोर्ड बहुत पुराना है, लेकिन इसकी सार्थकता अब नजर आ रही है। कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन किए जाने के बाद अब लोग सड़कों पर आने से बच रहे हैं। उन्हें पुलिस का भी डर है और कोरोना का भी। जो भी हो, अब इस बोर्ड को पढ़कर सुकून मिलता है कि लोग इस स्लोगन की परवाह कर रहे हैं।

एनसीआर की सीमाएं सील हैं। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली की सीमाएं तो गुरुग्राम पुलिस ने गुरुग्राम की सीमाएं सील कर रखी हैं। यानी ना तो कोई यहां आ सकता है और ना ही जा सकता है।

सिर्फ ड्यूटी और इमरजेंसी कार्य वालों को छोड़कर। कोरोना वायरस से लड़ने, बचने का बस एक यही रास्ता है, जो लोग धीरे-धीरे अपनाते जा रहे हैं। इसके पॉजिटिव परिणाम भी आ रहे हैं और भविष्य में आएंगे भी। इसकी पूरे देश को उम्मीद है। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में अब तक 10 केस आए हैं। पिछले दो दिनों में यह आंकड़ा बढ़ा नहीं है, जो सुकून की बात है। लॉकडाउन के बाद मिलेनियम सिटी गुरुग्राम की सड़कों, गलियों में लोगों की आवाजाही गुरुवार को कम ही और न के बराबर रही।

बहुत जरूरी सामान दवा, राशन आदि लेने को कुछ लोग बाहर नजर आए। बाकी सड़कें, गलियां सुनसान रही। शहर के कई इलाके तो ऐसे हैं, जहां पर कोई नजर ही नहीं आ रहा। इसमें डीएलएफ के कई क्षेत्र शामिल हैं। इफको चौक के फुटओवर ब्रिज पर चढ़कर शहर और एमजी रोड की तरफ नजर दौड़ाई तो कोई भी नजर नहीं आया। पुलिस पूरी तरह से तैनात नजर आई। इसी तरह से दिल्ली-जयपुर हाईवे नंबर-48 भी सुनसान है। गुरुग्राम-अलवर मार्ग पर भी इक्का-दुक्का इमरजेंसी और सरकार, प्रशासन की ओर से अधिकृत लोग ही दिखे।

गुरुग्राम में एमजी रोड पर सुनसान पड़ी सड़क से लोगों का संदेश देता माई गुड़गांव आई केयर लिखा यह बोर्ड।

जनता कर्फ्यू के बाद बिगड़ी थी स्थिति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर रविवार 22 मार्च 2020 को जनता कर्फ्यू के दौरान जो तस्वीर थी, वह इस बात पर मुहर लगाती थी कि हम भारतीय आपदा, विपदा की स्थिति में एक हैं। लेकिन दूसरे ही दिन कुछ राज्यों में लॉकडाउन के चलते लोगों की भीड़ घरों से बाहर देखी गई, जिसे कतई सही नहीं कहा जा सकता। स्थिति थोड़ी बिगड़ती नजर आई। गुरुग्राम भी उस लिस्ट में शामिल रहा। देशभर में लॉकडाउन के बाद अब यहां भी बहुत सुधार हो चुका है।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि यह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	आशीष पुरी, रूचिका पुरी, जी-72, साउथ सिटी, फेज-1, गुड़गांव, हरियाणा खाता :- एलबीडीईएल00001256268	फ्लैट नंबर 1429, टाइप-III, द्वितीय तल, एसएफ सेक्टर-37, नोएडा, उत्तर प्रदेश उत्तर पूर्व:- रोड, दक्षिण पूर्व:- खुला, दक्षिण पश्चिम:- फ्लैट नंबर 1447, उत्तर पश्चिम :- फ्लैट नंबर 1426	07-02-2020 रू. 11,35,635/-	30-09-2019
2.	रवीन्द्र शर्मा, स्वीटी शर्मा, बी-2/19, सीडीआरवीबी, पश्चिम विहार, नई दिल्ली खाता :- एलबीडीईएल00001481592	मयूर ध्वज को-आपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटी लि., गीता कालोनी, फ्लैट नंबर 403-सी, दिल्ली अथवा उपनाम मयूर ध्वज को-आपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटी लि., गीता कालोनी,	07-02-2020 रू. 17,62,803/-	30-04-2016

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जहां कहीं लागू है) को बकाया राशि का भुगतान धारा 13(2) के अधीन सूचना जारी करने की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, जिसमें विफल रहने की स्थिति में, आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 27-03-2020
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

सार्वजनिक सूचना

ICICI Home Finance

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि यह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	रजत शर्मा, मोनिका शर्मा, बी-18, द्वितीय तल, पर्यावरण कॉम्प्लेक्स, दिल्ली, सईदुलअजब, खाता नंबर :- एनएचएनओडी00001261503	फ्लैट नंबर बी-501, 5वां तल, नाइनेक्स सिटी टावर बी, ग्राम खिड़की दौला, सेक्टर-76, गुड़गांव-122001	11-02-2020 रू. 1,36,25,473.99/-	05/11/2019
2.	ललित सैनी, दिनेश सैनी, मकान नंबर 5ए, निकट रेलवे रोड, जस्टिस गोपाल ट्रस्ट अस्पताल के सामने, गुड़गांव, हरियाणा, खाता नंबर :- एनएचएनओडी00001269303	फ्लैट नंबर वैलेन्शिया-101, प्रथम तल, ओएसिस ग्रैण्ड, प्लॉट नंबर जीएच-01, टीएस 01 बी, सेक्टर-22डी, यमुना एक्सप्रेसवे, गौतमबुद्ध नगर	11-02-2020 रू. 32,12,386/-	05/11/2019
3.	परवीन कुमार, श्रीमती सोमा, संजीव कुमार, बी-67, विकास विहार कालोनी, नगर ककरोला, साउथ वेस्ट दिल्ली, दिल्ली, खाता नंबर - एनएचएनओडी00001260070	फ्लैट नंबर 12ए-02, 13वां तल, टावर सी, यूपीएसआईडीसी सेक्टर, सूरजपुर प्लॉट नंबर एचआरए-12/ए, ओएसिस विनीशिया हाइट्स, ग्रेटर नोएडा	11-02-2020 रू. 31,61,992/-	06/10/2019
4.	जीनेश कुमार, मोनू, मकान नंबर 336/20, गली नंबर 1, शान्ति नगर, गुड़गांव, खाता नंबर :- एनएचएनओडी00001267807	फ्लैट नंबर सी-1907, 19वां तल, ओएसिस विनीशिया हाइट्स, प्लॉट नंबर एचआरए-12ए, ग्रुप हाउसिंग सेक्टर, सूरजपुर साइट सी (एक्सटेंशन) फेज-II, ग्रेटर नोएडा	11-02-2020 रू. 29,80,792/-	05/11/2019
5.	हरकेश, मंजू सिंह, 45/22, शरत बोस लेन, नार्थ दमदम राजबाड़ी कालोनी, नॉर्थ 24, परगनार, कलकत्ता, खाता नंबर :- एनएचएक्सबीए00000888035	खेवट नंबर 1290 मिन, खतौनी नंबर 2039 मिन, खसरा नंबर 2764, 2768, 2767, मौजा बहादुरगढ़, सूरत नगर लाइन पार, बहादुरगढ़	11-02-2020 रू. 15,26,014/-	07/08/2019
6.	संजय कुमार, कंचन पटेल, 26/128, ब्लॉक-26, त्रिलोकपुरी, प्रीत विहार ईस्ट दिल्ली, नई दिल्ली, खाता नंबर :- एनएचजीएचजैड00001273584	फ्लैट नंबर 1112, 11वां तल, ओएसिस ग्रैण्ड स्टैंड, प्लॉट नंबर जीएच-01, टीएस 01 बी, सेक्टर-22डी, यमुना एक्सप्रेसवे, गौतमबुद्ध नगर	11-02-2020 रू. 12,75,999/-	11/09/2019
7.	धरमपाल सिंह राठौर, शिक्षा राठौर, बी-58, प्रीत विहार, दिल्ली, दिल्ली, खाता नंबर :- एलबीडीईएल00001107640	मकान नंबर सी-498, योजना विहार, दिल्ली	11-02-2020 रू. 8,18,132.87/-	09/08/2019
8.	रामपाल, अमित, लालगढ़, 145, पलवल, खाता नंबर :- एलएचडीडब्ल्यूजे00001296958	409, काल्दा कालोनी, खेवट खाता नंबर 4807/5602 एम, किला नंबर 26 (40-10), किता नंबर 1, पलवल, 1, पलवल-121105, हरियाणा	11-02-2020 रू. 10037127/-	06/12/2019

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जहां कहीं लागू है) को बकाया राशि का भुगतान धारा 13(2) के अधीन सूचना जारी करने की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, जिसमें विफल रहने की स्थिति में, आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 27-03-2020
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
वास्ते आईसीआईसीआई होम फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड

बच्चे दिनभर मिड-डे मील के राशन का स्कूलों में करते रहे इंतजार

कविता। फरीदाबाद

हरियाणा में स्कूली बच्चों को मिड डे मील के राशन के वितरण के आदेश जारी किए गए है। इस आदेश के बाद अध्यापक बच्चों को राशन वितरण के लिए सुबह ही स्कूल पहुंच गए। लेकिन राशन पहुंचाने वाली गाड़ी शाम चार बजे तक भी स्कूलों में नहीं पहुंची। जिस कारण अध्यापकों और बच्चों को अभिभावकों के साथ दिनभर इंतजार करना पड़ा। अन्य कई जिलों के अध्यापकों ने तो राशन बांटने से मना कर दिया है। इस्कॉन के अधिकारियों से राशन के बारे में पूछने पर उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी से सम्पर्क करने को कहा। शिक्षा अधिकारी ने जल्दी ही राशन पहुंचाने का आश्वासन दिया।

स्कूली बच्चों को मिड डे मील के राशन का वितरण टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। मिड डे मील रवितरण करने वाली इस्कॉन के पास भी राशन समाप्त हो गया। ऐसे में सुबह दस बजे से राशन दोपहर ढ़ाई-तीन बजे तक भी वितरित नहीं हो सका। स्कूलो के आसपास अभिभावकों का जमावड़ा लगने लगा। अध्यापकों ने स्कूलों में पहुंचे अभिभावकों को समझाया कि वह खुद उनके घर पर आकर राशन पहुंचा देंगे। लेकिन वह नहीं माने और स्कूल में ही डेरा डालकर बैठे रहे। अध्यापकों ने उन्हें दोपहर को करीब ढ़ाई बजे समझा-बुझाकर वापस लौटाया।

अध्यापकों का कथन

एक सरकारी स्कूल में बैठे अध्यापकों ने बताया कि वह मिड डे मील के राशन का वितरण करने के लिए स्कूलों में आए है। स्कूलों से बच्चों के घरों में राशन पहुंचाने के निर्देश उन्हें जिला शिक्षा और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी से प्राप्त हुए हैं। सभी अध्यापक पहली से आठवीं कक्षा के बच्चों के घर राशन पहुंचाएंगे। लेकिन सुबह दस से ढ़ाई बजे तक कुछ स्कूलों में राशन न आने पर वह इंतजार कर रहे है, कि कब राशन आएँगा और कब बाटेंगे।

अधिकारी का कथन

दोपहर तीन बजे तक स्कूलों में राशन न पहुंचने के विषय में जब जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सतेन्द्र कौर वर्मा से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि अध्यापकों को राशन वितरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जिस पर सभी अध्यापकों को बुलाया गया था।

लेकिन मिड डे मील सप्लाई करने वाले इस्कॉन संस्था में राशन समाप्त हो गया, तो दोपहर चार बजे के बाद इस्कॉन की तरफ से राशन पहुंचा दिया जाएगा।

ये है प्रावधान

प्राइमरी के बच्चों को 3 किलो गेहूं व चावल के साथ मसाले, दाल और 134.40 रुपये भी दिए जाएंगे। छठी कक्षा से ऊपर के बच्चों को साढ़े चार किलो गेहूं, चावल, दाल, मसाले व 230 रुपये दिए जाएंगे।

आर्दश गांव अटाली को किया जाए सेनेटाईज

फरीदाबाद। आर्दश गांव अटाली में कोरोना वायरस से बचाव को लेकर मुनयादी करवाई गई और लोगों से घरों में ही रहने की अपील की गई। सरकार के आदेशों की पालना करते हुए स्थानीय बाजार बंद रहा। लोगों ने भी संयम व धैर्य दिखाते हुए घरों में ही रहने का संकल्प लिया। स्थानीय लोगों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से अपील कि है कि कोरोना वायरस एक महामारी का रूप धारण कर चुका है, इसलिए केवल सावधानी बरतने से ही इस महामारी के चक्र को तोड़ा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात को सभी लोग गंभीरता से ले रहे है। एक दूसरे व्यक्तियों को भी यह बात सांझा कि जा रही है कि घरों में रहकर ही कोरोना के वायरस को रोका जा सकता है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से अपील करते हुए कहा कि गांव को सेनेटाईज करने का कार्य किया जाए। इसके साथ ही गांव के लोगों को मॉस्क वितरित किए जाए। उन्होंने कहा कि आर्दश गांव अटाली सरकार के आदेशों की पालना करने व सरकार का पूर्ण सहयोग करने के लिए तैयार है। ताकि इस भंयकर महामारी की रोकथाम की जा सके। गांव के सामाजिक संगठनों द्वारा लाउड स्पीकर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि सभी लोग सावधानी बरतें। सावधानी के तौर पर हाथों को साबुन व

कोरोना : रेडक्रॉस ने बनाया कंट्रोल रूम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला रेडक्रास सोसायटी के सचिव विकास कुमार ने कहा कि रेडक्रास ने आमजन की सुविधा के लिए कोरोना वायरस को फैलने से रोकने से संबंधित जानकारी व मदद के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया है। कोई भी जिलावासी इस फोन नंबर 0129-2283176 पर कोरोना को लेकर कोई भी आवश्यक सूचना दे सकता है। इसके अलावा रेडक्रास द्वारा विभिन्न भवनों को सेनीटाइज किया गया तथा सफाई अभियान चलाया। लोगों को घर-घर जाकर फेस मॉस्क व दस्ताने दिए गए। विकास कुमार ने कहा कि उनकी पूरी टीम शहर को कोरोना महामारी से बचाव के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की है कि वे प्रशासन को पूरा सहयोग करें व अपने-अपने घरों से बाहर न निकलें। किसी भी समस्या के लिए प्रात 9 बजे से सायं 9 बजे के बीच नियंत्रण कक्ष के फोन नंबर 0129-2283176 पर शिकायत करें। रेडक्रास सचिव ने सभी से आग्रह किया है कि नोवल कोरोना वायरस संक्रमण ने विश्व भर को अपनी चपेट में ले लिया है। चीन और इटली के बाद भारत में नोवल कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े है। ऐसे में जरूरी है कि सभी लोग नोवल कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए एहतियात बरते। अपने घरों से बाहर न निकलें। सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी पर ध्यान दे और 15 अप्रैल तक जारी किए गए लॉकडाउन का पालन करके स्वयं, अपने परिवार व देशवासियों को स्वस्थ रखने में मदद करें।

लॉकडाउन के साए में मंदिरों में हुई मां ब्रहमचारिणी की पूजा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लॉक डाउन की स्थिति को देखते हुए शहरभर के मंदिरों और घरों के अंदर लोगों ने बृहस्पतिवार को मां ब्रह्मचारिणी की पूजा अर्चना की गई। जिसके तहत मंदिरों में पुजारियों और कमेटी के प्रधानों ने पूजा-अर्चना की। पुजारियों ने बताया कि नवदुर्गा के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने से ज्ञान और वैराग्य की प्राप्ति होती है। ब्रह्मचारिणी का अर्थ तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली देवी की संज्ञा दी जाती है। देवी का यह रूप पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत भव्य है। मां के दाएं हाथ में जप की माला है और बाएं हाथ में यह कमण्डल धारण किए हैं।

पुजारियों ने बताया कि नवदुर्गा के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने से ज्ञान और वैराग्य की प्राप्ति होती है।

वैष्णो देवी मंदिर

सिद्धपीठ श्री वैष्णोदेवी मंदिर में प्रात:कालीन आरती में मंदिर कमेटी के प्रधान के अलावा पुजारी ही मौजूद रहे। मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने बताया कि नवरात्रों के विशेष अवसर पर मंदिर के कपाट चौबीस घंटे खुले रहते थे। लेकिन शहर में कोरोना के कारण लॉक डाउन को देखते हुए मंदिर के कपाट बंद रखे गए है और भक्तों को समझाया जा रहा है, कि वह घरों में ही पूजा करे। बाहर कम से कम निकले। वहीं कोरोना से देश को बचाने के लिए मंदिर में पूरे नौ दिनों तक पाठ कराया जा रहा है।

काली मंदिर

तिकोना पार्क में स्थित सिद्धपीठ काली मंदिर में दूसरे दिन ब्रह्मचारिणी की पूजा अर्चना की गई। मंदिर के पुजारियों ने मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने से मिलने वाले फल को बताया। जिसमें उन्होंने मां के हर रूप की पूजा विधि और कथा का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि मां ब्रह्मचारिणी की कथा जीवन के कठिन क्षणों में भक्तों को संबल देती है। मंदिर तो खुला था। लेकिन कोरोना के कारण भक्तों को मां के दर्शन सड़क से ही करने की अनुमति थी, ताकि कोरोना वायरस का कहर यहां न फैल सके। वहीं भीड़ न हो, इसके लिए रस्सी और जालियों से मुख्य द्वार को पूरा बंद किया गया था।

सिद्धदाता आश्रम

अरावली में स्थित श्री सिद्धदाता आश्रम में मां के दूसरे स्वरूप की पूजा विधि विधान से की गई। इस मौके पर पूरे नौ दिन का अनुष्ठान चल रहा है। यहां करीब 150 से अधिक लोग पूरे नौ दिनों के लिए देश व विदेश से मंत्रों का जाप करने आते थे। लेकिन इस बाद यहां भी कोरोना के कारण आश्रम के अंदर ही मंत्रों का उच्चारण लोग देश-विदेश को कोरोना से मुक्ति के लिए कर रहे है।

बांके बिहारी मंदिर

एनएच-पांच स्थित बांके बिहारी मंदिर में ब्रह्मचारिणी की पूजा की गई। महंत ललित गिरि ने अरदास करते हुए मां से इस करोना रूपी राक्षस से छुटकारा दिला करके पूरे हिंदुस्तान की ही नहीं पूरे विश्व की रक्षा करो। उन्होंने कहा कि देश की भलाई के लिए मंदिर बन्द रखा है, बस पुजारी और मन्दिर कमेटी के 5-6 लोगों द्वारा पूजा अर्चना की गई जो आवश्यक है।

आज होगी मां चंद्रघंटा की पूजा, दूर होंगे पांचों विकार : मुनिराज

फरीदाबाद । नवरात्रों के तृतीय दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। राधा सर्वेश्वर मंदिर के संस्थापक महंत मुनिराज जी ने मां चंद्रघंटा के बारें में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि चंद्रघंटा मां की पूजा करने से भक्तों के पांचों विकार दूर होते है। उन्होंने बताया कि नवरात्रों में तीसरे दिन मां के अर्गचंद्र को धारण किए हुआ है अथवा मस्तक पर चंद्रमा और हाथ में घंटा लिए हुए मां चंद्रघंटा के स्वरूप की पूजा की जाती है। उन्होंने बताया कि शुंभ व निशुंभ नाम के दो राक्षस जोंकि राक्षसों की प्रेरणा से आए थे। उन्होंने समस्त देवताओं पर आक्रमण कर दिया। अचानक हुए आक्रमण से देवता घबरा गए। उस समय देवताओं ने मां दुर्गा की स्तुती शुरू कर दी। उसी दौरान चंड और मुंड ने मां भगवती को युद्ध के लिए ललकारा। इसी के साथ दोनों राक्षसों ने अपने दुत्तो को मां भगवती को केश पकड़कर लाने के लिए भेजा। तब मां भगवती ने उन्हें कहा कि (गर्ज गर्ज महा मुंड यावत मधु पिवाहियम) अरे मुर्खो तब तक गर्जना कर लो, जब तक कि मैं मधु का पान कर रही हुं। ऐसा कहकर उन्होंने चंद्र मुंड का वध कर दिया। तब सब देवताओं ने घंटानाद कर हर्षोल्लास के साथ विजय उत्सव मनाया। तब मां का चामुंडा व चंद्रघंटा नाम पड़ा। उन्होंने बताया कि चंद्रघंटा मां की पूजा करने से पांचों विकारों पर विजय प्राप्त करने का साहस मिलता है। जो मनुष्य के विजय शत्रु है। जिसमें काम, क्रोध, मोह, लोभ व अहंकार इन सबके ऊपर विजय प्राप्त होती है एवं स्वयं यश की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि मां को पूजा के बाद भोग के रूप में गन्ने की गंडेरी एवं मक्खन का इस्तेमाल करना चाहिए। मां का मूलमंत्र है या देवी सर्वभुतेसु, शक्ति रूपेण संसिथा, नमत्सय नमत्सय नमत्सय नमो नम:। उन्होने बताया कि इस दिन सफेद वस्तु का दान करने से धनलक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

रेडक्रॉस ने 1500 मजदूरों को उपलब्ध कराई सब्जियां

क्षेत्र को दर्जनों स्प्रे मशीनों द्वारा सेनिटाइज करने में जुटे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के लिए देशभर के साथ ही फरीदाबाद में भी लागू लॉकडाउन में जहां लोग अपने घरों में कैद हैं। वहीं रेडक्रास सोसायटी जो न केवल लोगों में उम्मीद जगा रही बल्कि उन्हें वायरस से बचाने में जुटी है। हरियाणा रेडक्रास सोसायटी की वाइस चेयरपर्सन सुषमा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को अपने निजी कोष से मुजेड़ी गांव में करीब 1500 मजदूरों को ट्रैक्टर भरकर सब्जियां उपलब्ध कराई। इसके अलावा सेक्टर-16 स्थित वुमेन हॉस्टल में रहने वाली महिलाओं, दृष्टिहीनों तथा सब्जी मंडी क्षेत्र में लोगों को हजारों की संख्या में फेस मास्क उपलब्ध कराए। जिला रेडक्रास सोसायटी के सचिव विकास कुमार व सहायक पुरुषोत्तम सैनी के नेतृत्व में सोसायटी के कार्यकर्ता क्षेत्र को दर्जनों स्प्रे मशीनों द्वारा सैनिटाइज करने में जुटे हुए हैं।

सुषमा गुप्ता व विकास कुमार ने लोगों से कोरोना वायरस से बचाव के लिए सामाजिक दूरी बनाए रखने की अपील की।

उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने का यही उत्तम व कारगर उपाय है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे खुद भी घरों से बाहर न निकलें और अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को भी घरों से बाहर निकलने से मना करने का सुझाव दें। उन्होंने कहा कि आवश्यक खाद्य सामग्री, दवाई, एलपीजी, दूध व अन्य जरूरी सेवाएं पहले की तरह जारी रहेंगे। किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने लोगों से जहां-तहां गंदगी नहीं फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें।

मजाक नहीं है कोरोना वायरस : मन्नू

कोरोना वायरस मानवता के लिए एक मुश्किल घड़ी है।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

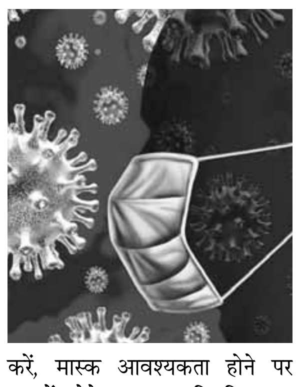

अगर आप एक बार संक्रमित देशों की स्थिति देख लें तो कारोना की हकीकत का पता चल जाएगा। वो भी पहले इसे एक मज़ाक समझ रहे थे। परन्तु याद रखे कोरोना वायरस का संक्रमण कोई जाती, अमीर, गरीब, ताकतवर या राजनैतिक पार्टी देख कर नहीं रुकता। यह केवल बचाव से ही नियंत्रण में आ सकता है। कोरोना वायरस मानवता के लिए एक मुश्किल घड़ी है। जिसका हम सब ने मिल कर मुकाबला करना है। आप सबको इसके लिए केवल अपने घर में रहना है। यह बात बड़खल विधानसभा के निवासी समाजसेवी मन्नू मल्होत्रा ने कही। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि आपकों अपने हाथ हर 20 मिनिट में धोने चाहिए। एक मीटर की दूरी से बात करें, मास्क आवश्यकता होने पर लगायें, सेनेटाइजर का नियमित रूप से इस्तेमाल करें। इन छोटी-छोटी आदतों के जरिये आप खुद को और अपने परिवार व अपने देशवासियों को कोरोना जैसी महामारी से बचा सकते है। उन्होंने लोगों से अपने घरों में रहकर ईश्वर से प्रार्थना करके जीवन यापन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग प्रार्थना करें, ज़ियारत करें कि हे परमात्मा मानव जाती पर आई विपदा को टालें। परंतु इसके साथ-साथ अपने घर पर ही रहें, अपने मित्रों, रिश्तेदारों, पड़ोसियों को भी यही सलाह दें। क्योंकि सुरक्षा में ही बचाव है।

कोरोना का खौफ:शहर में बढ़ रहे मरीज

अपातकालीन कक्ष के बाहर लगा दिया नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

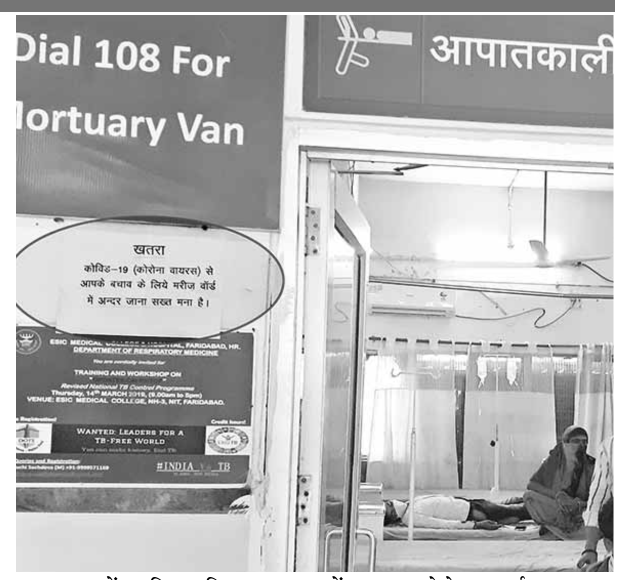

कोरोना को लेकर शहर में जहां एक तरफ लॉक डाउन में कर्फ्यू जैसी स्थिति पैदा हो गई है। वहीं दुसरी तरफ अपातकालीन कक्ष में कर्फ्यू का माहौल बना दिया गया है। अपातकालीन कक्ष में तैनात दोनों वार्डों के बाहर खतरे का नोटिस लगाया गया है। जिसमें लिखा है कि कोविड-19 (कोरोना वायरस) से आपके बचाव के लिए मरीज वार्ड में अंदर जाना सख्त मना है। वहीं दूसरी तरफ शहर में लगातार कोरोना संदिग्ध मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

606 यात्री सर्विलांस पर

डिप्टी सिविल सर्जन एवं कोरोना के जिला नोडल अधिकारी डॉ. रामभगत ने बताया कि जिले में अब तक 606 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 71 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 621 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 691 होम आइसोलेशन पर है। दो केस के सैंपल पॉजिटिव आए हैं, जिन्हें अस्पताल में दाखिल किया गया। जिसमें से एक पूरी तरह ठीक है। अब तक 66 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 44 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 21 की रिपोर्ट आनी शेष है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए जिला में सरकारी व निजी अस्पतालों में 12 आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं, जिनमें 234 बेड की क्षमता की गई है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 के संदिग्ध व कंफर्म मामलों के परिवहन के लिए सभी सुविधाओं से युक्त दो एम्बुलेंस तैयार की गई हैं। जिले में कोरोना हैल्प लाइन के लिए 0129-2415623 और 8882616056 पर कॉल करें।

बीके की सामान्य ओपीडी में गर्भवती व बच्चों की जांच शुरू

कविता। फरीदाबाद

बीके सिविल अस्पताल में बच्चों और गर्भवती महिलाओं की शुरू है। जबकि अन्य कई तरह सेवाएं पूरी तरह से बंद है। ओपीडी में इलाज करवाने के लिए रोजाना करीब 250 मरीज पहुंच रहे हैं। जिनमें बच्चों की संख्या अधिक है। वहीं चिकित्सक अपना पूरा बचाव करते हुए उपचार की सुविधाएं उपलब्ध करवा रहे है।

जानकारी के मुताबिक लॉक डाउन और कोरोना को लेकर स्वास्थ्य विभाग एहतियात बरत रहा है। जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से बीके सिविल अस्पताल और अन्य सिविल अस्पतालों में केवल महत्वपूर्ण ओपीडी सेवाओं को चालू रखा गया है। जिसके तहत गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए ओपीडी खुली रखी गई। इसके अलावा अस्पताल में रेबिज के इंजेक्शन भी लगाए जा रहे है।

गर्भवती ओपीडी में

ओपीडी के कमरा नम्बर नौ में बैठी महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. बीना शर्मा ने बताया कि ओपीडी में रोजाना 50 से 100 महिलाएं अपनी गर्भावस्था की जांच करवाने के लिए आ रही है। उनके बैठने के लिए कुर्सियों को काफी दूरियों पर लगवाया गया है, ताकि कोरोना वायरस से वह बच सके। वहीं उन्हें कहा जा रहा है कि हो सके तो तीन सीट वाली वेटिंग कुर्सियों पर एक ही गर्भवती बैठे। उन्हें यहां कोरोना से बचाव के लक्षण भी बताए जा रहे है। ताकि वह अपना और अपने परिवार का ख्याल रख सके। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को जांच से लेकर दवा सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

बदले मौसम के शिकार बच्चे

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. संध्या ने बताया कि ओपीडी में उनके पास बदले मौसम के कारण बुखार, हल्की खांसी और अन्य मौसमी बीमारियों के मरीज आ रहे है। बृहस्पतिवार को उनके पास दोपहर एक बजे से पहले तक 70 के आसपास मरीज इलाज को पहुंचे। रोजाना 100 से ज्याद मरीज इलाज को आते हैं। बच्चों की समस्याओं को देखते हुए ओपीडी खोली गई हैं। बीमार बच्चों के साथ आने वाले अभिभावकों को कोरोना से बचाव के उपाय बताए जा रहे है।

लाकडाउन के कारण बंद

जन साधारण के लिए बीके अस्पताल की ओपीडी में महामारी के चलते ओपीडी में चर्म रोग, नेत्र रोग, हड्डी रोग, सर्जरी, फिजियोथैरेपी, मनोचिकित्सक, दंत विभाग की ओपीडी नहीं चल रही। इसका मुख्य कारण यह है कि लोग कोरोना वायरस से निपटने में सहयोग करें। गंभीर मरीजों के लिए इमरजेंसी सेवाएं जारी है।

गांवों में प्रशासन करवाए सेनिटाईजेशन : नागर

फरीदाबाद। तिगांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेसी विधायक ललित नागर ने हरियाणा सरकार व स्थानीय जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि जहां तिगांव क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सेक्टरों में कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए सेनिटाईजेशन का कार्य चल रहा है। वहीं कालोनियों व ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रशासन को सेनिटाईजेशन का कार्य जल्द शुरु करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में न तो प्रशासन ने अभी न मास्क बाटें हैं और न ही गल्ब्स और यहां किसी प्रकार का दवा का छिड़काव भी नहीं किया गया है, जिसके चलते यहां रहने वाले लोग परेशान है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को इस स्थिति में सेंनिटाइजेशन के कार्य को समान रुप से करवाना चाहिए और अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती करके लोगों को राहत दिलाने का काम करना चाहिए।

अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने किया सेनिटाईजेशन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एक अच्छा और जिम्मेवार नागरिक होने के नाते इनसो जिला चेयरमेन एवं जननायक जनता पार्टी के युवा नेता रवि शर्मा ने विश्वव्यापी महामारी करोना से सेक्टर-8 और 7 के ब्लॉक-ए, बी, सी और ई के लोगों को बचाने के अग्रिनशमन विभाग के कर्मचारियो कि साथ मिलकर इलाके में सेनिटाइजेशन करवाई। रवि शर्मा ने कहा इस समय देश पर जो घोर विपदा आई हुई है। उससे हम सभी को मिलकर लड़ना है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला द्वारा कही गई बातों को गंभीरता से लेना है। रवि शर्मा ने कहा कि हमें अपनी और परिवार के लोगों की साफ सफाई का पूरी तरह ध्यान रखना है और बाजार में सामान लेते समय सोशल डिस्टेंस कायम रखना है। ताकि इस महामारी को फैलने से रोका जा सके। उन्होनें कहा कि में मातारानी से भी प्रार्थना करता हुं, कि इस विकट परिस्थिति से देश को निकाले और कीमती जानों को बचाएं।

संपूर्ण लॉकडाउन

दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक प्रयोग

भले ही यह थोड़ी देर से शुरू हुआ हो, पर यह दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक प्रयोग है। लगभग युद्ध जैसी सटीकता से प्रयोग किया जाने वाला यह दांव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बड़ा दांव है, लेकिन 1.3 अरब जनसंख्या वाला भारत अब तीन सप्ताह के राष्ट्रव्यापी लाकडाउन में है। मोदी ने इसकी घोषणा इसलिए की क्योंकि आने वाला समय कोविड-19 के 'संक्रमण का दुष्चक्र तोड़ने के लिए जरूरी है।' यह कदम अनेक विशेषज्ञों की सलाह पर इस उम्मीद में उठाया गया है कि इससे हमारे पहले से कमजोर स्वास्थ्य ढांचे पर ज्यादा जोर नहीं पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने स्वयं स्वीकार किया है कि पश्चिम से इसकी तुलना नहीं की जा सकती है। अपने चमत्कारी व्यक्तित्व का लाभ उठाते हुए उन्होंने हमें अपने घरों की लक्ष्मण रेखा पार न करने की जोरदार और प्रभावशाली पैरवी की है। उन्होंने अतिरिक्त स्वास्थ्यरक्षा उपायों के लिए 2 बिलियन डालर की घोषणा भी की है। हालांकि, यह निर्णय दुनिया की किसी सरकार द्वारा लिए निर्णय की तुलना में बहुत व्यापक है, पर यह अब भी बहुत कम है। भारत को फरवरी में ही लाकडाउन की घोषणा करनी चाहिए थी जब कोरोनावाइरस संक्रमण जंगल की आग की तरह फैल रहा था और लोग जानकारी नहीं दे रहे थे, एकान्तवास में नहीं जा रहे थे या इसे ज्यादा गंभीरता से नहीं ले रहे थे। सरकार ने अब परीक्षण सुविधाओं के विस्तार के साथ ही क्वेरेंटाइन केन्द्रों की संख्या बढ़ाने का काम शुरू किया है। हमें निपाह वाइरस संक्रमण सीमित करने में केरल के अनुभवों से सबक सीखने चाहिए थे। अब संकट हमारे सामने आ गया है तथा हर 6 दिन में मामलों की संख्या दूनी हो रही है। आशंका है कि इससे हम इटली और अमेरिका के रास्ते पर

पहुंच रहे हैं जहां हर तीन दिन में मामले दूने होते हैं। यदि ऐसा होता है तो हमारे अस्पताल मई के अंत तक या उसके पहले भर जाएंगे। भारत में प्रति 1000 जनसंख्या पर अस्पताल बिस्तरों की संख्या दक्षिण कोरिया के 11.5 की तुलना में केवल 0.7 है। कुछ राज्यों में दूसरों की तुलना में यह स्थिति जल्दी आ सकती है जब कोविड-19 मरीजों के इलाज के लिए उनके पास अस्पतालों में बिस्तर कम पड़ जाएं। हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा पेशेवरों की कमी है। हम डब्लूएचओ के प्रति 1000 जनसंख्या पर 1 डाक्टर के अनुपात से बहुत पीछे हैं, लेकिन अनेक अध्ययनों से स्पष्ट है कि शहरों में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में प्रति 10,000 लोगों पर एलोपैथिक डाक्टरों की संख्या अधिक है। ऐसे में यह देखने की बात होगी कि हम अपनी 70 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या में ऐसे वाइरस संक्रमण से कैसे निपटते हैं जिसके बारे में कोई बहुत ज्यादा नहीं जानता है और यह हमें रोज आश्चर्यचकित करता है?

तथ्य यह है कि केन्द्र या तो अति-विश्वास का शिकार है या उसने स्थिति को बहुत गंभीरता से नहीं लिया है। शायद अगंभीरता ही कारण है क्योंकि एक कांग्रेस नेता ने फरवरी में महामारी के प्रति सरकारी प्रतिक्रिया की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि केन्द्र देश को यह संकेत दे रहा है कि वाइरस पर नियंत्रण है और यह स्थिति टाइटेनिक के कैप्टेन की तरह है जो यात्रियों से कह रहा था कि जहाज डूब ही नहीं सकता है। लेकिन स्वास्थ्य मंत्री ने इसका जवाब देते हुए तुलना को निरर्थक बताया था। शायद डब्लूएचओ ने भी हमें भ्रमित किया जो अब अत्यधिक चिन्तित है। इससे क्या सबक मिलता है? हमें अब तुलना करने के बजाय अपने अनुमानों और विशेषज्ञों व संसाधनों पर निर्भर रहना चाहिए। हमें न केवल सामाजिक क्षेत्र, बल्कि स्वास्थ्य को बजट में प्राथमिकता देनी चाहिए। हमें सिविल लाकडाउन के नायकत्व के साथ ही आपरेशनल क्षमतायें तेजी से बढ़ानी चाहिए।

तिब्बत में शुरू हो गया कामकाज

आश्चर्यजनक रूप से जब चीन में अभी लाकडाउन जारी है, तिब्बत की ढांचागत परियोजनाओं पर कामकाज शुरू हो गया है। भारत को सावधानी से इस घटनाक्रम पर नजर रखते हुए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

क्लॉड अर्पी
लेखक भारत-चीन संबंधों के विशेषज्ञ हैं)

तिब्बत का एक व्यक्ति कोरोनावाइरस संक्रमण का पहला शिकार बना, लेकिन यह तिब्बत में न होकर हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में हुआ। 'द तिब्बत सन' के अनुसार, दलाईलामा के आवास स्थल मैक्लाडगंज के 69 वर्षीय तेंजिन चोफेल की मृत्यु 15 मार्च को अमेरिका से वापस लौटने के बाद हो गई। इसमें कहा गया था, 'कुछ दिन दिल्ली में ठहरने के बाद चोफेल 21 मार्च को टैक्सी से मैक्लाडगंज आ गए थे। 23 मार्च को उन्होंने सांस लेने में परेशानी की शिकायत की। इसके बाद उनको टांडा सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई।' इस बीच तिब्बत में स्थिति आश्चर्यजनक रूप से 'सामान्य' है।

चीन के अन्य प्रांतों के उलट इस पहाड़ी क्षेत्र में नोवल कोरोनावाइरस संक्रमण का केवल एक रोगी पाया गया। ये शुझाओ शहर से आए 34 वर्षीय रोगी थे जो वर्तमान महामारी में सर्वाधिक प्रभावित प्रांतों में से एक है। उनको 12 फरवरी को अस्पताल से छुट्टी दी गई थी। शिनहुआ के अनुसार, 'उन्होंने 22 से 24 जनवरी तक वूहान शहर से ल्हासा तक ट्रेन से यात्रा की थी। 25 जनवरी की शाम उनको खांसी और बुखार की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती किया गया था।' उनको 29 जनवरी को संक्रमित पाया गया था और 18 दिन के इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

कहना कठिन है कि यह प्रचार है या सत्य। लेकिन ऊंचा पठार बाकी मध्यवर्ती साम्राज्य कहे जाने वाले चीन से कम प्रभावित रहा। यदि तथ्य सही हैं तो वाइरस संक्रमण की महामारी धीमी पड़ने के बाद वैज्ञानिकों को इस परिघटना के बारे में तिब्बत में विस्तृत अध्ययन करना चाहिए।

तिब्बत में रोगियों की संख्या कम होने का एक कारण यह हो सकता है कि वहां अधिकारियों ने बीमारी से लड़ने के लिए तिब्बती चिकित्सा पद्धति का व्यापक प्रयोग किया। उदाहरण के लिए जब चीन के उत्तर-पश्चिमी प्रांति क्विंगहाई में तिब्बती बस्ती वाले क्षेत्रों में पिछले महीने इस संक्रमण के 18 पुष्ट मामले पाए गए तो इनमें से 17 रोगियों को तिब्बती चिकित्सा पद्धति-टीएम व परंपरागत चीनी चिकित्सा पद्धति-टीसीएम की दवायें मिलीं। ये दो स्वतंत्र परपरांगत चिकित्सा पद्धतियां हैं।

शिनहुआ में प्रांतीय स्वास्थ्य आयोग के एक अधिकारी हुआंग लिचिंग को यह कहते हुए बताया गया कि 'इलाज में तिब्बती चिकित्सा पद्धति ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। तिब्बती चिकित्सा के प्रांतीय अस्पताल ने तिब्बती औषधियों पर आधारित वाइरस-रोधी औषधियां तैयार की हैं। इनमें से 1000 को वाइरस महामारी के केन्द्र व सर्वाधिक प्रभावित हुबेई प्रांत में भेजा गया है।'इस आयाम का भी परीक्षण होना चाहिए। इसके साथ ही इस कठिन समय में भी बीजिंग ने तिब्बती स्वायत्तशासी क्षेत्र में अपनी प्राथमिकतायें प्रदर्शित की हैं और वह भी युद्ध स्तर पर। अनुमान लगाएं कि उसने क्या काम पहले शुरू किया? उसने भारतीय सीमा के निकट ढांचागत परियोजनाओं पर सबसे पहले जोर दिया।

20 फरवरी को चाइना तिब्बत आनलाइन ने जोर देते हुए बताया कि तिब्बत में ढांचागत परियोजनाओं पर काम जारी है। उसने ल्हासा-निंगची रेलवे पर 11.5 किलोमीटर लंबी मेनलिंग सुरंग का उदाहरण दिया। यह अरुणाचल प्रदेश के ठीक उत्तर में स्थित है। इस वेबसाइट के अनुसार, 'ल्हासा-निंगची रेलवे वर्तमान समय में सर्वाधिक जटिल भौगोलिक स्थितियों में बनाई जा रही है और यह पठार पर चीन में रेलवे निर्माण की सबसे जटिल परियोजना है।' मेनलिंग सुरंग के मार्च के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है। वेबसाइट में बताया गया है, 'निर्माण प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान समय में सुरंग का अंतिम 60 मीटर हिस्सा खोदा जा रहा है। तिब्बत के लगभग 1881 कामगार ल्हासा-निंगची रेलवे बनाने के लिए सर्वोत्तम प्रयास कर रहे हैं। यहां ट्रेन की गति 160 किलोमीटर प्रति घंटा होगी और यह तिब्बत की पहली विद्युतीकृत रेलवे होगी।'

लेकिन आखिर इतनी जल्दबाजी क्यों हो रही है जबकि बाकी चीन अभी लाकडाउन में है? बीजिंग ने इस परियोजना पर 3.9 बिलियन डालर निवेश किए हैं और रेलवे लाइन अगले साल काम करने लगेगी। कामगारों ने 47 सुरंगों में से 44 का काम पूरा कर दिया है तथा रास्ते के 120 पुलों में से 119 पूरे हो गए हैं।

भारत के लिए एक और परियोजना चिन्ताजनक है। यह ल्होका की सांगरी काउंटी में स्थित यारलंग सांगपो या असम की भाषा में ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने वाला डागू पनबिजली स्टेशन-एचपीएस है। इसकी क्षमता 660 मेगावाट होगी। इस परियोजना में दो बिलियन डालर निवेश किया गया है और यह केन्द्र सरकार द्वारा तिब्बत के आर्थिक व सामाजिक विकास के लिए शुरू की गई एक प्रमुख परियोजना है। यह उन तीन बांधों की श्रृंखला में शामिल है जो भारतीय सीमा से बहुत दूर नहीं हैं। कहा गया है कि वसंत उत्सव के समय भी इस कार्यस्थल पर 300 से अधिक कामगार काम कर रहे थे। बाद में अन्य कामगार भी निर्माणस्थल पर आ गए। घाटी में निर्माण कार्य तेजी से जारी है तथा एक विशाल पनबिजली स्टेशन अपना स्वरूप ले रहा है।

तिब्बत के दूसरे सबसे बड़े शहर शिगात्सू के निकट साकया काउंटी में एक और परियोजना है। इस विशाल जल परियोजना की शुरुआत 20 फरवरी को तिब्बत के पवित्र नव वर्ष लोसर के कुछ समय पहले हुई थी। एक चीनी वेबसाइट के अनुसार, 'यह तिब्बत की जल परियोजना के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा निवेश हे। इस परियोजना से सिंचाई, जल सप्लाई, बिजली उत्पादन तथा बाढ़ रोकने में सहायता मिलेगी। इस वर्ष तिब्बत में 179 परियोजनायें चल रही हैं और इनमें से कुछ पर काम शुरू हो गया है।'

3 मार्च को चार्टर्ड विमानों से कामगारों को मुख्यभूमि से तिब्बत लाया गया ताकि 'क्षेत्र में बड़ी परियोजनाओं का काम बहाल किया जा सके।' चीन की एक और आधिकारिक वेबसाइट तिब्बत आनलाइन ने उल्लेख किया कि टीवी 6031 उड़ान का प्रबंधन तिब्बत एयरलाइन्स ने निंगची शहर के हवाईअड्डे पर किया। इसमें कहा गया था कि झेजियांग प्रांत के 105 बिजली कर्मियों को उड़ान से लाया गया जिनको क्षेत्र के सर्वाधिक गरीब इलाकों में बिजली ग्रिड परियोजनाओं का काम दिया गया है। ऐसे अन्य चार्टर्ड विमान ल्हासा, शिगात्से व चामडो में उतरे।

एक तिब्बती बिजली कंपनी का हवाला देते हुए चाइना तिब्बत न्यूज़ ने 29 फरवरी को बताया था कि 338 निर्माण परियोजनाओं पर 2,800 कामगारों ने काम संभाल लिया है जो कुल परियोजनाओं का 75 प्रतिशत हैं। इनमें नागरी बिजली ग्रिड इंटरकनेक्शन परियोजना भी शामिल है जो उत्तराखंड व लद्दाख सीमा से बहुत दूर नहीं है। ऐसे समय जब बाकी चीन लाकडाउन का सामना कर रहा है, निर्माण परियोजनाओं पर काम शुरू होना आश्चर्यजनक है। आखिर ऐसी जल्दी क्या है? इसका जवाब देना कठिन है। कुछ सप्ताह पहले पीपुल्स लिबरेशन आर्मी-पीएलए द्वारा घुसपैठ की खबर नाकूला से आई थी जो उत्तरी सिक्किम के दक्षिण में है। इस क्षेत्र को एक निर्धारित व अविवादित क्षेत्र माना जाता है। यह सक्रियता शुभ संकेत नहीं है।

चीनी प्रचार मशीनरी ने वूहान में 'विजय' की घोषणा की है जिसमें पीएलए ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। वह इस संकट से और मजबूत होकर निकली है। दुष्प्रचार अभियान के शिखर पर होने के बावजूद वर्तमान समय में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग आंतरिक व अंतरराष्ट्रीय रूप से बहुत कमजोर स्थिति में हैं। ऐसे में क्या वे आने वाले महीनों में पीएलए पर अपना नियंत्रण बनाए रखने में सफल होंगे?

केवल आने वाला समय ही इस सवाल का जवाब देगा। लेकिन तिब्बत में निर्माण परियोजनाओं में तेजी से काम शुरू होना निश्चित रूप से शुभ संकेत नहीं है। एक चीनी वेबसाइट ने एक फोटो फीचर प्रकाशित किया है। इसके कैप्शन में लिखा है, '11 मार्च, 2020 को दक्षिणपश्चिम चीन के शिजांग स्वायत्तशासी क्षेत्र में एक लाइव फायर प्रदर्शन में 4,500 मीटर की ऊंचाई तक विमान-रोधी राकेट दागे गए। यह काम पीएलए की शिजांग सेना कमांड से जुड़े आर्टिलरी ब्रिगेड ने मल्टिपल राकेट लांच सिस्टम्स द्वारा किया।' चीन कहेगा कि यह केवल एक रूटीन अभ्यास है, लेकिन भारत को इस पर सावधानी से नजर रखते हुए आवश्यक कदम उठाने चाहिए ताकि डोकलाम जैसी कोई समस्या फिर न पैदा हो।

कोविड-19 महामारी से आने वाले बदलाव

"कोविड-19 निश्चित रूप से दुनिया को सदा के लिए नहीं बदल देगा लेकिन इससे कुछ ऐसे बदलाव भी आएंगे जो कुछ मामलों में बेहतर साबित होंगे।"

गुड्रन डायर
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

पत्रकारिता शिक्षा संस्थानों में पढ़ाया जाता है कि कभी इस मुहावरे का प्रयोग न करें, "अमुक कारण से दुनिया सदा के लिए बदल जाएगी।" अथवा कम से कम यह सिखाना तो चाहिए। कोविड-19 निश्चित रूप से दुनिया को सदा के लिए नहीं बदल देगा लेकिन इससे कुछ ऐसे बदलाव भी आएंगे जो दीर्घकालीन तथा कुछ मामलों में बेहतर साबित होंगे। यहां उनमें से कुछ का उल्लेख किया जा रहा है। पहला है, प्रदूषण के बड़े स्रोत के बंद हो जाने के कारण पिछले महीने में चीन के शहरों की हवा का स्वच्छ हो जाना। इससे कोरोनावायरस से गई जानों की तुलना में 20 गुना अधिक लोगों की जान बच जाएगी क्योंकि 1.1 मिलियन लोग वायु प्रदूषण के कारण चीन में प्रतिवर्ष मरते हैं। लोग इसे याद करेंगे जब प्रदूषित वायु की वापसी होगी और वे चाहेंगे कि उसके लिए कुछ किया जाए। भारत में भी वायु गुणवत्ता में ऐसे ही बदलाए देखने को मिलेंगे और मुझे विश्वास है कि वहां पर भी नागरिक जमीनी स्तर पर बदलाव चाहेंगे।

सूची में अगला नाम आता है आनलाइन खरीदारी का जो पहले से ही खुदरा दुकानों को नष्ट कर रही है। लाकडाउन के चलते लाखों-करोड़ों लोग, जो शायद ही आनलाइन शांपिंग करते हैं या कभी नहीं करते, करने लगेंगे। बहुत सी वेबसाइटें टूट चुकी अथवा अप्रैल के मध्य तक बुक हो चुकी हैं लेकिन मांग पूरी करने के लिए उनके पास बहुत समय है। एक बार जब उपभोक्ता आनलाइन शापिंग के आदी हो जाएंगे, तो उनमें से अधिकतर अपने परम्परागत माध्यम की ओर वापस नहीं जाएंगे, अत: खुदरा क्षेत्र की नौकरियां दुगनी गति से खत्म होंगी।

रेस्टोरेंटों के मामले में कोई तीव्र बदलाव नहीं होगा लेकिन मूलभूत रूप से कहानी वहीं होगी। खाद्य वस्तुएं ले जाने और होम डिलीवरी की प्रवृत्ति बढ़गी और सीट पर बैठने वाले लोग कम होंगे। आदतें बदलेंगी और बड़ी संख्या में लोग बाद में वापस नहीं आएंगे। मेज पर खाना परोसने की तुलना में द्वार पर खाद्य वस्तुएं मुहैया होने पर नकदी प्रवाह कम होता है जिससे आधे वेटरों की नौकरियां चली जाएंगे। दुनियाभर में गंभीर रूप से रेस्टोरेंट बंद होने लगेंगे, जिससे नौकरियां कम हो जाएंगी।

एक बार यह स्पष्ट हो जाने पर कि घर से काम करना कई नौकरियों के मामले में वाकई संभव है, तो लोगों के लिए अधिकतर दिनों में काम पर न जाना सामान्य बात हो जाएगी। इससे आवागमन में गिरावट आएगी, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम हो जाएगा और कोरोना का प्रकोप समाप्त होने के पश्चात अंतत: नगरीय केंद्रों में बहुत से कार्यालय खाली हो जाएंगे।

फिर मंदी की स्थिति आएगी, निश्चित रूप से, लेकिन उतनी बुरी नहीं होगी जितनी बुरी व लंबी मंदी से हालत 2008 के आर्थिक पतन के बाद हुई थी। इस बार यह बाजार का पतन नहीं है जिससे लोगों की नौकरियां छिनी हों। यह एक विषाणु था जिसने उन्हें काम करने से रोक दिया और सरकारें कार्यरत लोगों को बनाए रखने के लिए पूर्व की तुलना में कहीं ज्यादा प्रयास कर रही हैं मगर समय लंबा होगा क्योंकि दुनिया इस घातक कोरोनावायरस को मात देने के प्रयास में लगी हुई है। जब वायरस पर अंतिम रूप से अंकुश लगा लिया जाएगा, और ऐसा अंतत: होना ही है, और वे काम पर वापस जा सकेंगे, लेकिन अधिकतर मामलों में काम बना रहेगा। यद्यपि कुछ खरब डॉलर का अतिरिक्त कर्ज लद जाएगा।

कर्ज की चिंता मत कीजिए। बैंकों ने सदैव उतना धन सृजित किया हे जितनी कि सरकार को आवश्यकता होती है। अर्थव्यवस्था में बहुत ज्यादा धन झोंक देने से मुद्रास्फीति पैदा होगी, जो बुरी होती है, लेकिन स्थानापन्न करना जिसे लोग साधारण रूप से कमा रहे हों जिससे कि अर्थव्यवस्था सुस्त न हो जाए, अच्छा होता है। अत: राष्ट्रपति मैक्रों फ्रांसीसी जनता को बता कसते हैं कि किसी बिजनेस को, छोटे या बड़े, कंगाल नहीं होने दिया जाएगा। प्रधानमंत्री जॉनसन ब्रिटिश जनता से कह सकते हैं कि सरकार उन्हें उनकी सामान्य आय का 80 प्रतिशत भुगतान करेगी, 2500 पौंड प्रतिमाह तक, यदि उनका काम हाथ से चला गया हो। और राष्ट्रपति ट्रंप अपनी आभारी जनता पर हेलीकाप्टर से धन वर्षा की बात कर सकते हैं।

यहां पर जो जाहिर किया जा रहा है वह गहरी सच्चाई है। आत्मसंयम, बजट को संतुलित करने के लिए कल्याणकारी राज्य की ओर वापसी, एक राजनीतिक एवं वैचारिक विकल्प है, आर्थिक आवश्यकता नहीं। सरकारें राज्य द्वारा मूलभूत आय गारंटी की ओर बढ़ रही हैं। सिर्फ संकट के दौरान, वे कहते हैं और यह कोई सार्वभौमिक मूलभूत आय नहीं बल्कि विचार दृढ़ता से पालन करने योग्य विचार है। हालांकि, यह अनुमान लगाने का विषय है कि कहीं अधिक जनसंख्या घनत्व वाले दक्षिण एशियाई देशों की सरकारें पश्चिमी देशों के उदाहरण का अनुसरण करेंगी या नहीं।

कोरोनावायरस से पैदा हुए संकट से एक और अच्छी चीज जो निकलकर आने वाली है वह है सामूहिक कार्रवाई एवं वृद्धों व गरीबों के लिए सरकार का संरक्षण जिसे खतरनाक उग्रवाद के तौर पर नहीं देखा जाएगा, यहां तक कि अमेरिका में भी। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कल्याणकारी राज्यों का निर्माण विकसित राज्यों पर हुआ था। कोरोनावायरस के अंत के बाद उनका विस्तार किया जाएगार। निश्चित रूप से, यदि स्वास्थ्य कारणों से जो बिडेन राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर हो जाते हैं, बर्नी सैंडर्स के पास नवंबर में ट्रंप को हराने का अवसर होगा।

जलवायु संकट पर निर्णयात्मक कार्रवाई संभव हो जाएगी, क्योंकि हमने सीख लिया है कि बिजनेस जारी रहना पवित्र अवधारणा नहीं है। यदि हमें बिजनेस का तरीका बदलना है, तो हम कर सकते हैं। अत: यह एक बीमार हवा है जो बह रही है। कुछ प्रत्याशित बदलाव निश्चित रूप से अच्छे होंगे लेकिन हम लोंगों की मौतों के रूप में बड़ी कीमत चुकाने जा रहे हैं और इन लाभों के साथ नुकसान भी हो रहे हैं। इससे ज्यादा बेहतर ढंग से निबटा जा सकता था। और पश्चिमी जगत को कुछ विनम्रता सीखनी चाहिए। ताइवान, दक्षिण कोरिया और चीन ने पहले लड़खड़ाने के बाद संकट से निबटने का साहस यूरोप और उत्तरी अमेरिका से बेहतर दिखाया। इटली में चीन की तुलना में ज्यादा लोग मरे हैं, और अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी में भी वैसी ही स्थिति आएगी।

आप की बात

कोरोना से पीड़ित अर्थव्यवस्था

अर्थव्यवस्था पहले ही सुस्ती का शिकार थी। बीमारी फैलने के बाद इसमें और गिरावट की आशंका है। कोरोनावायरस ने पहले से ही सुस्ती का शिकार भारतीय अर्थव्यवस्था पर बड़ी चोट की है। निश्चित रूप से भारत को इससे उबरने में काफ़ी समय लग जाएगा। आक्सफोर्ड इकोनोमिक्स' ने जनवरी-अप्रैल में भारतीय अर्थव्यवस्था की 3 प्रतिशत वृद्धि दर का अनुमान लगाया है जो अभूतपूर्व वैश्विक वित्तीय संकट के समय भी नहीं था। पहली बार रुपया गिर कर प्रति डालर 76 रुपये तक पहुंचा है। विदेशी निवेशकों ने अभूतपूर्व गति से भारतीय शेयर बेचना शुरू कर दिए हैं। आशंका है कि किसी न किसी रूप में लाकडाउन अप्रैल मध्य तक जारी रहेगा। भारत द्वारा बिजनेस, ट्रेन व विमान यात्रा खोलने तथा जनजीवन सामान्य होने में कई सप्ताह लगेंगे। इस वर्ष के मध्य तक कुछ अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक उड़ानें चलने लगेंगी और तब तक पश्चिमी यूरोप व अमेरिका में बीमारी कमजोर पड़ जाएगी। इससे विदेशों में रहने वाले भारतीयों तथा देश में उनके परिवारों को काफी तकलीफ होगी। विडंबना है कि इस बीच कई बच्चों के अपने माता या पिता के अंतिम संस्कार में भाग न ले सकने की दु:खद खबरें सामने आ सकती हैं।

– **नीलिमा सिंह**, लखनऊ

पाकिस्तान का पाखंड

वर्तमान समय में पाकिस्तान प्रतिबंध लगने के डर की वजह से आतंकी संगठनों व उनके मुचियाओं पर कार्रवाई करने का नाटक कर रहा है। पाकिस्तान को याद होना चाहिए कि 9/11 पश्चात, तालिबान को समर्थन जारी रखने की स्थिति में भीषण परिणाम झेलने की संभावनाओं को देखतु हुए, उसने अमेरिका के साथ सहयोग किया था जो वाशिंगटन के लिए यह मानने हेतु पर्याप्त था कि वह उसके साथ है। असलियत में, उसने ओसामा बिना लादेन, तालिबान व अलकायदा को पनाह देकर तथा 2००3 से तालिबान को अफगानिस्तान के खिलाफ खुला खेल खेलने का मार्ग मुहैया कराके दोहरा खेल खेला, जब अमेरिकी संसाधन व ध्यान इराक में युद्ध की ओर केंद्रित हो गया। क्या पाकिस्तान समय काट रहा है और जमात उद् दाव, एफआईएफ तथा जैशे मोहम्मद साथ ही हाफिज़ सईद व मसूद अज़हर पर लगाए गए सारे प्रतिबंध हटा लेगा यदि अमेरिका आईएसआईएस व अलकायदा के साथ लड़ाई में व्यस्त हो जाता है? हो सकता है ऐसा कभी न हो। लेकिन इससे पाकिस्तान का बाज़ आना जाना जरूरी नहीं है। वह कभी भी भरोसे लायक नहीं रहा है।

– **सलीम अख्तर**, कानपुर

लॉकडाउन का पालन करें

आज देश की जनता के समाने ऐसी स्थिति आई है जो संभवत: नई पीढ़ी के लोगों ने न कभी देखी है न ही उाकी कल्पना की होगी। 21 दिनों का लाकडाउन घोषित किया गया है। सरकार के पास यह कदम उठाने के अलाव और कोई चारा भी नहीं था। भले ही कुछ लोग अचानक की गई घोषणा के नाम पर पीएम मोदी की आलोचना कर रहे हों मगर उन्होंने बिलकुल सही कदम उठाया है और नागरिकों को अपने व अपने परिजनों तथा समाज की भलाई के लिए घरों में बंद रहना होगा। सरकार सभी आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध करा रही है और सड़कों पर पुलिस द्वारा काफी सख्ती भी की जा रही है। लोग नहीं मानते तो सख्ती करनी पड़ती है मगर पुलिस को डंडा चलाने के मामले में संयम भी बरतने की आवश्यकता है। कई वीडियो ऐसे भी आए हैं जब पुलिस का रूप ब्रिटिशकालीन दमनकारी नजर आया। मगर पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी करते हुए कमजोर व गरीब लोगों को भोजन देते भी दिखाई दिए। कु छ भी हो संयम बरतना आवश्यक है।

– **सुरभि पांडेय**, प्रयागराज

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

"**हमें** अपना काम जारी रखना हे और नियमों का पालन भी करना है। अतीत में शाखाएं दो वर्ष के लिए बंद रहीं मगर काम जारी रहा।
– **मोहन भागवत**
आरएसएस प्रमुख

एशियाई अमेरिकी अदभुत लोग हैं और वायरस के फैलने में उनका दोष नहीं है। वे इससे निजात पाने के लिए हमारे साथ निकट रहकर काम कर रहे हैं।
– **डोनाल्ड ट्रंप**
अमेरिकी राष्ट्रपति

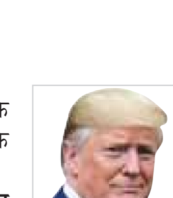

समय आ गया है जब सैन्य बलों को अपने दायरे से बाहर निकलकर कोरोनावायरस के विरुद्ध संघर्ष करना होगा। सैन्यकर्मियों को चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए।
– **बिपिन रावत**
चीफ आफ डिफेंस स्टाफ"

कोरोना से जंग में लॉकआउट का दूसरा दिन

राहत व मदद पर सरकार का पूरा फोकस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस के चलते देश भर में लॉकडाउन है। देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ कमजोर वर्गों की मदद के लिए दिन-रात जुटे हैं। यह संकट की घड़ी है। ऐसी घड़ी में समाज का रोज कमानेखाने वाला तबका सर्वाधिक संवेदनशील होता है। सामूहिक संकट की इस घड़ी में हर सक्षम व्यक्ति या संस्था का फर्ज होता है कि वह जरूरतमंदों की संभव मदद करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार कोरोना का संकट शुरू होने के साथ ही लगातार ऐसे कदम उठा रही है। एक तरीके से उसने अपने सारे संसाधन और तंत्र को जरूरतमंदों की मदद के लिए लगा दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर लॉकडाउन व्यवस्था के क्रियान्वयन की समीक्षा की

पंजीकृत लाखों दिहाड़ी मजदूरों के खाते में 1000 रुपये भेजे जा चुके हैं। जो मजदूर पंजीकृत नहीं हैं उनको भी यह रकम पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। हर पात्र पेंशनर को इस माह के साथ दो माह की एडवांस पेंशन भी दी जा रही है। आम लोग रोजमर्रा की जरूरत की चीजों के लिए परेशान न हों और एक जगह पर भीड़ एकत्र न हो इसके लिए घर-घर सामान के आपूर्ति की भी व्यवस्था की गयी है।

श्रम विभाग

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर श्रम विभाग दिहाड़ी मजदूरों को भरण-पोषण भत्ता दे रही है। देश में उत्तर प्रदेश के इस पहल को सभी सरकारों ने सराहाए अब अन्य राज्य सरकारें भी इसी अपने यहां लागू कर रही हैं। प्रदेश के अंदर श्रम विभाग में 20,37,000 पंजीकृत श्रमिकों को भरण पोषण के रूप में एक हजार रुपए डीबीटी के माध्यम से उनके अकाउंट में भेजा है। इस पर सरकार करीब 203 करोड़ रुपए का व्यय वहन कर रही है।

अंत्योदय योजना और दिहाड़ी मजदूर: अंत्योदय योजना में ग्रामीण क्षेत्र के 37,51,000 लाभार्थी, अंत्योदय योजना में शहरी क्षेत्र के 3,43,000 लाभार्थी और असंगठित मजदूर ;दिहाड़ी मजदूरद्ध 15,60,000 लाभार्थी शामिल हैं। इन्हें भरण पोषण के रूप में एक हजार रुपए डीबीटी के माध्यम से इनके अकाउंट में भेजा जा रहा है।

नगर विकास विभाग

प्रदेश के अंदर घुमन्तू जैसे ठेला, खोमचा, रेहड़ी और रिक्शा चलाने, साप्ताहिक बाजार आदि का कार्य करने वाले करीब 15 लाख लोगों को नगर विकास विभाग एक हजार रुपए भरण-पोषण के लिए मुहैया करवा रही है। इसे भी डीबीटी के माध्यम से उनके अकाउंट में भेजा जा रहा है। इस पर सरकार का करीब 150 करोड़ रुपए का व्यय भार अनुमानित है।

मनरेगा

मुख्यमंत्री योगी ने मनरेगा के मजदूरों को तत्काल मजदूरी का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। केंद्र सरकार से करीब 556 करोड़ रुपए की धनराशि के भुगतान की कार्यवाही तत्काल मार्च 2020 में ही कराई जा रही है। इसके तहत 88,40,000 मनरेगा श्रमिकों को तत्काल भुगतान किया जा रहा है।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों के माध्यम से प्रदेश के सभी 1,65,31,000 श्रमिकों को दो महीने तक निशुल्क राशन मुहैया करवाया जा रहा है। इसमें प्रति परिवार को 20 किलो गेहूं, 15 किलो चावल मुफ्त दिया जा रहा है। इस पर सरकार का करीब 64.50 करोड़ का व्यय भार आएगा। इसके लिए नोडल अफसर तैनात किए गए हैं।

समाज कल्याण विभाग

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर प्रदेश में लागू विभिन्न पेंशन योजनाओं के तहत 83,83,000 लाभार्थियों को दी जाने वाली त्रैमासिक पेंशन की धनराशि को अब दो माह की अग्रिम पेंशन दी जा रही है। इसमें वृद्धावस्था पेंशन के 46,97,000 लाभार्थी, दिव्यांगजन पेंशन के 10,76,000 लाभार्थी, निराश्रित और विधवा महिला पेंशन के 26,10,000 लाभार्थी शामिल हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी ने इसके साथ ही अन्य तरह के असहाय लोगों के लिए भी पूरी तरह से व्यवस्था की है। अगर कोई असहाय व्यक्ति बच जाता है जिसके पास अपने व अपने परिवार के भरण पोषण की व्यवस्था नहीं है, उसकी भी सरकार पूरी मदद करेगी।

डोर टू डोर डिलीवरी

सीएम योगी के निर्देश पर जिला प्रशासन व अन्य विभाग जुटकर आवश्यक वस्तुओं की घर-घर डिलीवरी शुरू कर रहे हैं। सिविल सप्लाइज की व्यवस्था के लिए कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में कमिटी गठित हुई है। यही नहीं सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है इसके लिए कम्युनिटी किचन चालू किया जा रहा है। होटल, फास्ट फूड मेकर्स, मिडडे मील संस्थाओं, धर्मार्थ संस्थाओं, मठ, मंदिर, गुरुद्वारे आदि जहां भी बड़ी मात्रा में सुरक्षित फूड तैयार हो सकता है, वहां फूड पैकेट्स तैयार किए जा रहे हैं। डोरस्टेप डिलीवरी के लिए 12,123 वाहनों की व्यवस्था की गई है।

स्वास्थ्य विभाग

अब तक प्रदेश में 6 हजार से ज्यादा आइसोलेशन बेड चिन्हित किए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 18001805145 जारी किया है। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग द्वारा इमरजेंसी सेवाएं चालू की गई हैं। कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के उपचार को लेकर सरकार की तरफसे तीन स्तरीय व्यवस्था की गई है। जिलों में सीएचसी को कोविड अस्पताल में तब्दील किया गया है। जिले स्तर पर जो अस्पताल हैं उन्हें लेवल 2 का अस्पताल बनाया गया है। तीसरे लेवल के लिए चिकित्सा शिक्षा द्वारा बनाए गए विशिष्ट अस्पतालों को शामिल किया गया है।

सीएम हेल्पलाइन 1076 पर स्वास्थ्य से जुड़ी शिकायत करें

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से 10 हजार प्रधानों को फोन किया गया है और पिछले दो हफ्तों में बाहर से आये लोगों की जानकारी ली गई है। ताकि जो भी संदिग्ध व्यक्ति है उसकी चेकिंग और मॉनिटरिंग कराई जा सके। कोई भी व्यक्ति अब मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर भी स्वास्थ्य से जुड़ी अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।

हर जिले में कंट्रोल रूम

हर जिले में डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल रुम बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में भी सभी विधायक, एमएलसी, मंत्री अपनी निधि से मेडिकल साधनों के लिए धनराशि उपलब्ध करवा रहे हैं। यही नहीं लॉक डाउन के वक्त पूरे प्रदेश में एक सफाई अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 1788 एफआईआर धारा 188 के उल्लंघन में दर्ज हुई हैं। 5592 लोगों का चालान किया गया, अब तक 6082 बैरियर प्रदेश के विभिन्न शहरों में लगाए गए। अभी तक 38 पीड़ितों की संख्या सामने आई है।

ऑनलाइन बिजली का बिल जमा करने पर अब नहीं देनी होगी प्रोसेसिंग फीस

● **यूपीपीसीएल खुद जमा करेगा शुल्क**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं से फिलहाल आन लाइन बिल जमा करने पर प्रोसेसिंग फीस नहीं ली जाएगी। ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने अधिकारियों के साथ बैठक करके यह निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि कोरोना लॉकडाउन को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुक्रम में यूपीपीसीएल ने उपभोक्ताओं के हित में नए दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। अभी तक डेबिट व क्रेडिट कार्ड के जरिए भुगतान पर बैंकिंग कंपनियों द्वारा शुल्क लिया जा रहा था। अब इस शुल्क का भुगतान यूपीपीसीएल करेगा। विद्युत उपभोक्ता अपने बिलों का ऑनलाइन भुगतान ई-निवारण ऐप के जरिये कर सकते हैं। इसे गूगल प्ले स्टोर लिंक से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त उपभोक्ता यूपीपीसीएल की बेबसाइट यूपीइनर्जीडांटइन पर बिल भुगतान के टैब पर बिल का भुगतान कर सकते हैं। शहरी उपभोक्ता सीधे https://bit.ly/2WBPeVB लिंक से सीधे भुगतान कर सकते हैं। ग्रामीण उपभोक्ता https://uppcl.mpower.in/2ह्यह्य लिंक के जरिये सीधे अपने बिल का भुगतान कर सकते हैं। किसी भी कठिनाई पर उपभोक्ता हेल्पलाइन 1912 पर फोन कर समस्या का समाधान पा सकते हैं। उपभोक्ताओं को एसएमएस द्वारा भी बिलों के भुगतान का लिंक साझा किया जा रहा है। उपभोक्ता बिल भुगतान की प्रक्रिया को समझने के लिए यूट्यूब लिंकhttps://www.youtube.com/watch?v=mIwbf0Mla4I पर उपलब्ध वीडियो ट्यूटोरियल की मदद ले सकते हैं। विषम परिस्थितियों में भी कारपोरेशन उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए प्रयासरत है। कारपोरेशन उपभोक्ताओं से अपील भी करता है कि वह अपना बिल ऑनलाइन माध्यमों के जरिये जमा करें जिससे विद्युत उत्पादकों का ससमय भुगतान किया जा सके।

होम डिलीवरी के लिए व्यापक स्तर पर मोबाइल वैन की व्यवस्था की जाए

● **मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने सभी मंडलायुक्तों, डीएम व एसएसपी को दिए निर्देश**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान किसी भी स्थान पर भीड़ एकत्रित न होने पाये तथा जन सामान्य को आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्रमुख जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि होम डिलीवरी की व्यवस्था अधिक से अधिक क्षेत्रों में हो जिससे कि जन सामान्य को आवश्यक वस्तुओं के लिए निकलना न पड़े तथा सब्जी मंडी, फल मंडी इत्यादि में भीड़क एकत्रित न होने पाए। मुख्य सचिव ने सभी मंडलायुक्तों, डीएम व एसएसपी को भेजे अपने निर्देश में कहा कि होम डिलीवरी के लिए बड़ी से बड़ी संख्या में मोबाइल वैन की व्यवस्था की जाए। गेहूं के स्थान पर आटा का वितरण किया जाए। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में दवा की दुकान, किराना स्टोर में भीड़ एकत्रित न हो, इस के लिए दुकान के सामने 4-5 फीट दूरी के गोले बनाकर मार्किंग कर दी जाए जिससे कि स्वत: ही सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन हो सके। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन का अनुपालन किया जाना बेहद आवश्यक है। इसे सफल बनाने के लिए जिलों के महत्वपूर्ण संगठनों एवं प्रभावशाली व्यक्तियों से संपर्क कर यह अपील की जाए कि लोग जहां पर हैं, वहीं रहें तथा अनावश्यक रूप से अपने वर्तमान निवास से बाहर या दूसरे स्थानों में घर जाने का प्रयास न करें। मुख्य सचिव ने कहा कि जमाखोरी एवं कालाबाजारी करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध विभिन्न नियमों के अन्तर्गत कड़ी कार्रवाई की जाए और जहां इससे लोक व्यवस्था प्रभावित होती है वहां ऐसे तत्वों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत भी कार्रवाई की जाए। माल वाहनों को पास की कोई आवश्यकता नहीं होगी अत: इन्हें न रोका जाए। मुख्य सचिव ने अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं प्रमुख सचिव राज्य संपत्ति विभाग को निर्देश दिये कि कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश के लोगों को सहायता उपलब्ध कराने तथा उन्हें आवश्यक सूचनायें देने के लिये स्थानिक आयुक्त कार्यालय नई दिल्ली को खुला रखा जाये। इसके अतिरिक्त मुंबई में भी एक अधिकारी की तैनाती कर दी जाए जो स्थानिक आयुक्त का कार्य कर सके तथा उत्तर प्रदेश के लोगों की सहायता कर सके।

केंद्र सरकार के राहत पैकेज पर बीजेपी ने पीएम का जताया आभार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहां की पूरे विश्व में मानवता के लिए बड़ा खतरा बन कर उभरे कोरोना वायरस के संक्रमण से त्रस्त देशवासियों को इस गंभीर संकट से उबारने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार लगातार इस वैश्विक आपदा से निपटने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा देश के गरीबों, किसानों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और संगठित क्षेत्र सहित अन्य की मदद के लिए 170000 करोड़ रुपए के राहत पैकेज के ऐलान के लिए नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि एक तरफ पूरा देश इस वैश्विक कोरोनावायरस के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़ रहा है दूसरी तरफ देश का कोई भी गरीब भूखा ना सो जाए इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 170000 करोड़ रुपए के पैकेज का ऐलान करना संकट की इस घड़ी में लोगों को बड़ी राहत पहुंचाने का काम करेगा केंद्र सरकार लगातार इस दिशा में प्रयास कर रही है कि संकट की इस घड़ी में कोई भी भूखा ना सो जाए। वहीं प्रदेश की योगी सरकार भी 1.65 करोड़ जरूरत मंदों को राशन, 35 लाख से अधिक लोगों को आर्थिक सहायता व 83 लाख से अधिक को एडवांस पेंशन उपलब्ध करा रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस वैश्विक महामारी से निपटने के लिए केंद्र की मोदी सरकार व प्रदेश की योगी सरकार द्वारा लगातार हर संभव कोशिशें की जा रही हैं। ऐसे में हम सबका भी यह कर्तव्य है कि हम अपने साथ-साथ अपनों का व अपने देश को सुरक्षित रखने के लिए जिम्मेदारी पूर्वक अपनी जवाबदेही तय करते हुए कोरोना के खिलाफ शुरू हुई लड़ाई को निर्णायक अंजाम तक पहुंचाने के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर दिए जा रहे दिशा-निर्देशों का स्वयं पालन करते हुए अन्य को भी पालन करने के लिए प्रेरित करें व शासन व प्रशासन का सहयोग करें। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष में संकट की इस घड़ी में जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे स्थानीय स्तर पर पूरी सजगता व शासन प्रशासन से समन्वय बनाते हुए ऐसे लोगों की मदद करें जो लॉक डाउन के कारण भोजन प्राप्त करने में सक्षम नहीं है उन्हें भोजन उपलब्ध हो। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि हम सब मिलकर इस वैश्विक महामारी के खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़ेंगे।

विभिन्न राज्यों में फंसे यूपी के लोगों को उनके घरों तक सुरक्षित पहुंचाए सरकार: लल्लू

● **श्रमिकों को केन्द्र एवं प्रदेश सरकार तत्काल नगद समुचित आर्थिक मदद करे**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि देश के विभिन्न राज्यों में निर्माण एवं अन्य कार्यों में लगे मजदूर, रेड़ी, पटरी एवं खोमचे वाले, रिक्शा चलाने वाले, फैक्ट्रियों में काम करने वाले श्रमिकों का एक बड़ा वर्ग जो रोज कमाता है और परिवार का पेट भरता है, ऐसे लाखों लोगों की रोजी रोटी पर लॉक डाउन के कारण बड़ा संकट खड़ा हो गया है। अब मजबूर असंगठित क्षेत्र के ये श्रमिक अपने घरों की तरफलौटने को विवश हैं। किन्तु सरकार द्वारा यातायात के समस्त साधनों की पूर्ण बन्दी के कारण ये पैदल ही अपने परिवार. जिसमें महिलाएं एवं बच्चे भी हैं के साथ सैंकड़ों किलोमीटर पैदल यात्रा करने को विवश हैं। इनके पास रास्ते में खानेपीने और पैसे की व्यापक कमी है, ऐसे में भूखे पेट ही सफर करने को विवश हैं। छोटे बच्चे यहां तक कि 8 माह के बच्चों के लिए दूध की भी व्यवस्था नहीं है। इनमें से तमाम लोगों ने विभिन्न समाचार माध्यमों के मीडिया कर्मियों को बातचीत में सरकार पर अदूरदर्शिता का परिचय देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार पूर्ण लॉकडाउन से पहले हम लोगों को अपने घरों के लिए निकलने का समय नहीं दिया। अब कारखानों एवं बाजार की पूर्ण बन्दी के कारण हम लोग पूरी तरह से फंस गये हैं।

लल्लू ने कहा कि तमाम खबरों में गुरूग्राम से बिजनौर, राजस्थान के जयपुर से उप्र, दिल्ली से बिजनौर, रामपुर, बरेली, गढ़मुक्तेश्वर, मुरादाबाद, लखनऊ एवं पूर्वांचल के अन्य जनपदों के निवासी शामिल हैं। साथ ही साथ प्रदेश के अंतर जनपदीय मजदूर एवं श्रमिक भी इनमें शामिल हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने लॉकडाउन से पहले सरकार की तैयारियों पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करते हुए केन्द्र एवं उप्र की सरकार से माँग की है कि वापस आ रहे ऐसे लोगों को तत्काल चिन्हित कर इनके खानपान की व्यवस्था की जाए। साथ ही साथ नगद आर्थिक मदद करते हुए इनको घरों तक सकुशल पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। घरों तक पहुंचाने के पूर्व इन लोगों की कोविड.19 की जांच की निशुल्क व्यवस्था की जाए।

कोरोना से बचाव के लिए विधायक निधि से धनराशि देने की अनुमति, शासनादेश जारी

● **धारा 188 के अंतर्गत 2802 लोगों के खिलाफ एफआईआर, 8649 लोगों का किया गया चालान: अवस्थी**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में अब विधायक अपनी विकास निधि से कोरोना से बचाव के लिए चिकित्सीय परीक्षण, स्क्रीनिंग और अन्य जरूरी सुविधाओं के लिए धनराशि दे सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना से बचाव में सहयोग के लिए विधानमंडल क्षेत्र विकास निधि के नियमों को और विस्तारित करने को मंजूरी दे दी है। जिसके बाद बृहस्पतिवार को प्रमुख सचिव ग्राम विकास की ओर से इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री के निर्देश पर पूरे प्रदेश में 18570 मोबाइल वैन के जरिए डोर टू डोर खाद्य पदार्थों की सप्लाई का काम शुरू कर दिया गया है।

यह जानकारी अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बृहस्पतिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को एक बार फिर डोर टू डोर सप्लाई को लेकर शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर सख्त निर्देश दिए। अवस्थी ने बताया की 6902 मोटर चिन्हित वाहनों और 11668 ठेला व अन्य हाथ चरित गाड़ियों से डोर टू डोर सप्लाई शुरू कर दी गई है । जल्दी ही इनकी संख्या में और बढ़ोतरी कर दी जाएगी। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि विधायक निधि के मार्गदर्शी सिद्धांतों में भी संशोधन कर दिया गया है।

प्रमुख सचिव ग्राम विकास की ओर से इस संबंध में शासनादेश जारी हो गया है मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह अपने अपने जिले में उन विधायकों से संस्तुति प्राप्त कर लें जिन्होंने कोरोना बीमारी से उपचार में मदद के लिए विधायक निधि से पैसा देने की बात कही थी। जिला स्तर पर विधायक निधि से धनराशि निकाल कर तुरंत चिकित्सा व चिकित्सा शिक्षा विभाग को उपलब्ध करा दी जाए। अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर जल्दी ही कम्युनिटी किचन भी स्टार्ट कर दिए जाएंगे। एपीसी से मिली जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार को प्रदेश में विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से एक लाख से अधिक फूड पैकेट तैयार कर वितरित कराए गए हैं। इसी प्रकार प्रदेश में 7 लीटर दूध का भी वितरण कराया गया है इनमें आधा व 1 लीटर के 1100000 पैकेट वितरित किए गए हैं। प्रदेश में रोजाना 1500000 लीटर दूध वितरण करने का लक्ष्य सुनिश्चित किया गया है। इसके अलावा पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम को हर सरकारी वाहन में लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि मजदूर व अन्य प्रकार के जो कर्मचारी दूसरे प्रदेशों से आ रहे हैं उनको सीमा के जिलों में पुलिस प्रशासन खानपान पेयजल व रुकने की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। बहुत संख्या में बॉर्डर से आ रहे लोगों को आगरा नोएडा व गाजियाबाद में व्यवस्थित किया गया है। कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के भी मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं। धारा 188 के अंतर्गत 2802 लोगों के खिलाफ एफआइआर की गई है, 8649 लोगों का चालान किया गया है। अवस्थी ने बताया कि लाक डाउन का पूरी तरीके से पालन करने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रदेश के नागरिकों को बधाई दी है इसके अलावा कोरोना से बचाव में जुटे विभिन्न विभागों के कर्मचारी और विशेषकर पुलिस कर्मियों का भी आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने लॉक डाउन का और सख्ती से पालन कराए जाने के भी निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा है इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए पुलिस और प्रशासन को संयुक्त रूप से पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए गए हैं।

---

14 जवानों को लॉकडाउन तक उनके गृह जिले में ड्यूटी की मिली अनुमति

लखनऊ। प्रदेश पुलिस के कई जवान जो छुट्टी पर अपने घर गये थे वो लॉकडाउन के कारण अपने तैनाती वाले जिलों में नहीं पहुंच पा रहे हैं। ये जवान समाज को अपना योगदान देने के लिए लगातार अधिकारियों से संपर्क कर रहे थे। एडीजी 112 असीम अरुण ने बताया कि बुधवार सुबह से लेकर गुरुवार दोपहर तक 14 जवाना का उनक गृह जिले में ही पीआरवी पर इयूटी करने की अनुमति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि बीते बुधवार की सुबह सबसे पहले महिला कांस्टेबल मनीषा पवार ने इस पहल की शुरुआत की थी। इसके बाद मुख्य आरक्षी हरीराम राजपूत को कानपुर नगर से झाँसी, कांस्टेबल अनुज कुमार व सोनू कुमार को लखनऊ से मेरठ में ड्यूटी करने की अनुमति 112 मुख्यालय की ओर से दी गई। लखनऊ में ही तैनात कृष्ण कुमार को लखनऊ से बुलंदशहर, संजीव कुमार को कानपुर नगर से झाँसी, राहल कश्यप को अमरोहा से बागपत, अविलाश को कानपुर देहात से मथुरा, अंकित कसाना को कानपुर नगर से गौतमबुद्धनगर में इनके गृह जिले में ड्यूटी करने की अनुमति एडीजी 112 ने प्रदान की है। इसी तरह सुजान सिंह को कन्नौज से झाँसी ए सोनू कुमार को सुल्तानपुर से हाथरस ए चन्द्र शेखर चौहान को उन्नाव से जौनपुर ए महिला कांस्टेबल पारुल को अलीगढ से कानपुर देहात तथा सत्य प्रकाश को श्रावस्ती से देवरिया जिले में लॉक डाउन तक इयूटी करने की अनुमति दी गई है।

पार्टी कार्यकर्ता लोगों की हरसंभव मदद करें

● **सपा ने जरूरतमंद लोगों के लिए बड़े पैमाने पर शुरू किया राहत सामग्री वितरण का कार्य**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने कोरोना महामारी के कारण लॉकडाउन से प्रभावित उत्तर प्रदेश के जरूरतमंद लोगों के लिए बड़े पैमाने पर राहत सामग्री वितरण का कार्य प्रारंभ कर दिया है।

प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद में गांवों, कस्बों व शहरों में पार्टी के कार्यकर्ता सुरक्षित दूरी के नियमों का पूरी तरह पालन करते हुए राहत सामग्री बांट रहे हैं। इसमें राजमार्गों व दो शहरों को जोड़ने वाली सड़कों पर विशेष रूप से राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है क्योंकि लॉकडाउन के बाद किसी दूसरे शहर में फंस गए उत्तर प्रदेश के सैंकड़ों लोग बड़ी संख्या में पैदल ही अपने-अपने गावो, कस्बों की तरफआ रहे हैं। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता पूरी सक्रियता के साथ ऐसे लोगों को खाने की सामग्री व पेयजल मुहैया करवा रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी जिला अध्यक्षों और पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह अपने-अपने जिलों में गरीबों, असहायों और प्रभावित लोगों को हर संभव मदद उपलब्ध कराएं व कार्यकर्ता को भी इस अभियान में शामिल करें। यादव ने कहा कि कोरोना की वजह से उत्पन्न इस मुश्किल घड़ी में समाजवादी पार्टी एक जिम्मेदार राजनीतिक पार्टी होने के नाते अपने सामाजिक दायित्व को पूरी तरह निभा रही है। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में पार्टी के कार्यकर्ता और नेता लोगों की हरसंभव मदद करें। अखिलेश यादव ने कहा है कि इस कठिन समय में सरकार को तत्काल देश के सभी जन-धन खाताधारकों के बैंक एकांउट में सहायता धनराशि ट्रांसफ़र करने का प्रबंध करना चाहिए। साथ ही जो लोग रास्तों पर भटक रहे हैं उनके भोजन-पानी, चिकित्सा और सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए रैनबसेरों का भी इंतज़ाम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर भटक रहे इन लोगों की समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता पूरी मदद कर रहे हैं लेकिन सरकार से अपील है कि गरीब लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था तत्काल करे जिससे वो घास खाने पर मजबूर न हों साथ ही सब्ज़ी जैसी दैनिक उपयोग की चीज़ों पर पुलिस संयम बरते।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर जल्दी ही यूपी की जेलों से पैरोल पर छोड़े जाएंगे कैदी

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर कोरोनावायरस के चलते जेलों में कैदियों की संख्या को कम करने की दिशा में यूपी में भी कवायद तेज हो गई है। 7 साल से कम की सजा पाए या 7 साल से कम की सजा के आरोपों में जेल में बंद अंडर ट्रायल वह 65 साल से ऊपर की उम्र के कैदियों की लिस्ट तैयार की जा रही है जल्दी ही इन सभी को पैरोल पर रिहा किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने बीते दिनों देश की सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि एक उच्च शक्ति समिति का गठन करें जो यह निर्धारित करेगी कि किन कैदियों-अपराधियों को इन हालातों में सशर्त जमानत दी जा सकती है। जिसके बाद यूपी में भी अपर मुख्य सचिव गृहए डीजी जेल और स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी के चेयरमैन की 3 सदस्य समिति गठित की गई। जेल मुख्यालय ने प्रदेश की सभी देशों से ऐसे कैदियों की लिस्ट मांगी थी जिन्हें पैरोल पर छोड़ा जा सकता है। जिसके बाद यूपी की 71 जेलों ने लिस्ट बनाने का काम शुरू कर दिया हैण् जेलों से ये लिस्ट आने के बाद जेल मुख्यालय उसका परीक्षण करेगा। परीक्षण के बाद कैदियों को छोड़ने पर फैसला होगा। लिस्ट पर अपर मुख्य सचिव गृहए डीजी जेल और स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी के चेयरमैन की समिति फैसला लेगी।

भाजपा ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का किया स्वागत

● कहा, गरीबों को बड़ी राहत मिलेगी

भाषा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस महामारी और उसके आर्थिक प्रभाव से निपटने के लिए 1.7 लाख करोड़ रूपए के सरकार के राहत पैकेज का स्वागत करते हुए भाजपा ने गुरूवार को कहा कि संकट की इस घड़ी में देश के गरीबों को इससे बड़ी राहत मिलेगी।

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने अपने ट्वीट में कहा , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश के ग़रीबों के लिए संकट की इस घड़ी में बड़ी राहत की घोषणा की है। हमारा संकल्प है कि कोई भी व्यक्ति भूखा ना सोए। इसी क्रम में सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत।,70,000 करोड़ रुपए के राहत पैकेज का ऐलान किया। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ गरीब लोगों को, अगले तीन महीनों तक मिलने वाली सहायता के अतिरिक्त, 5 किलो गेहूं, 5 किलो चावल और एक किलो दाल मुफ्त दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति तक पर्याप्त राशन पहुँचे, इसकी व्यवस्था की गई है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बार बार देश से इस संकट की घड़ी में अपना सब कुछ छोड़कर हमारी सेवा में लगे स्वास्थ्य कर्मियों का आभार व्यक्त करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा आज सरकार ने स्वास्थ्य कर्मियों के लिए 50 लाख रुपए के स्वास्थ्य बीमा की घोषणा की है और इससे 20 लाख लोग लाभान्वित होंगे। नड्डा ने भाजपा के प्रत्एक कार्यकर्ता की तरफ़ से देश के गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और असंगठित क्षेत्र की मदद हेतु संकट की घड़ी में लिए गए इतने महत्वपूर्ण निर्णयों और राहत पैकेज के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना वायरस महामारी और उसके आर्थिक प्रभाव से निपटने को लेकर बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 1.70 लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की। इसमें कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए जुटे डाक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को बीमा कवर तथा मनरेगा के तहत दैनिक मजदूरी 182 रुपए से बढ़ाकर 202 रुपए करने के साथ प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत किसानों को अग्रिम भुगतान, 80 करोड़ परिवारों को 5 किलो गेहूं या चावल के साथ एक किलो दाल तीन महीने के लिए मुफ्त देने सहित गरीब वृद्धों, गरीब विधवाओं तथा गरीब दिव्यांगों के लिए भी घोषणाएं की गई है।

मोदी के नेतृत्व में उठाए गए कदम कोरोना वायरस की रोकथाम में कारगर सिद्ध होंगेः दलाई लामा

धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व में सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम कोरोना वायरस की रोकथाम में प्रभावी सिद्ध होंगे।

कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे के मद्देजनजर भारत सरकार ने मंगलवार की रात 12 बजे से 21 दिन के देशव्यापी लॉकडाउन (बंद) का ऐलान किया है। अब तक देशभर में कोरोना वायरस से संक्रमण के 650 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इस महामारी की रोकथाम के लिए लोगों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने के वास्ते कर्फ्यू लगा दिया है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर द्वारा तेजी से बढ़ते संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का समर्थन करते हुए तिब्बती आध्यात्मिक गुरू दलाई लामा ने लिखा, हिमाचल प्रदेश लगभग 60 वर्षों से मेरा घर है, इसलिए मैं स्वाभाविक रूप से यहां के लोगों से जुड़ाव महसूस करता हूं। इसलिए, सम्मान और सहानुभूति के प्रतीक के रूप में मैं गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन और दवा जैसी आवश्यकताओं को पूरा करने में योगदान के लिए गादेन फोडरंग ट्रस्ट ऑफ दलाई लामा की तरफ से मुख्यमंत्री राहत कोष में दान कर रहा हूं।

आर्थिक पैकेज की घोषणा सही दिशा में पहला कदमः राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना वायरस संकट से प्रभावित गरीबों और मजदूरों के लिए 1.7 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की सरकार की घोषणा की सराहना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह सही दिशा में उठाया गया पहला कदम है। गांधी ने ट्वीट कर कहा, सरकार की ओर वित्तीय पैकेज की घोषणा सही दिशा में पहला कदम है। भारत पर उसके किसानों, दिहाड़ी मजदूरों, श्रमिकों, महिलाओं और बुजुर्गों का कर्ज है जिन्हें मौजूदा लॉकडाउन में सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस के संक्रमण तथा इसकी रोकथाम के लिए किए गए लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे असर को कम करने के लिए बृहस्पतिवार को आर्थिक राहत पैकेज की घोषणा की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश पैकेज के तहत कोरोना वायरस के संक्रमण में लोगों के इलाज में लगे डॉक्टरों, पैरामेडिकल कर्मियों, चिकित्सा सेवा कर्मियों को 50 लाख रुपए प्रति परिवार का बीमा कवर दिया जाएगा। इसके अलावा, राशन की दुकानों से 80 करोड़ परिवारों को अतिरिक्त 5 किलो गेहूं या चावल के साथ एक किलो दाल तीन महीने तक मुफ्त उपलब्ध कराई जाएगी तथा महिलाओं, विधवाओं और बुजुर्गों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।

मुंबई में माहिम में कोरोनॉयरस महामारी के मद्देनजर लगाए गए राष्ट्रव्यापी तालाबंदी के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस और यातायात पुलिस कर्मियों को भोजन वितरित करते सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के स्वयंसेवक

कोरोना वायरसः राजनाथ ने सशस्त्र बलों को प्रयासों को तेज करने को कहा

भाषा। नई दिल्ली

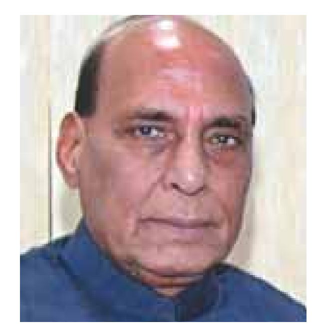

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को सशस्त्र बलों, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य सैन्य संगठनों को देश में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के वास्ते नागरिक प्रशासन को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए कहा। सिंह ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए रक्षा मंत्रालय की संपूर्ण तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए ए निर्देश जारी किए। भारत में कोरोना वायरस से अब तक 600 से अधिक लोग संक्रमित हुए है और कम से कम 10 लोगों की मौत हुई है।कोविड-19 को फैलने से रोकने के प्रयासों के तहत भारत में मंगलवार की मध्य रात्रि से 21 दिन का लॉकडाउन चल रहा है।

बैठक में सिंह ने कोरोना वायरस प्रभावित देशों से विदेशियों के साथ-साथ भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए सशस्त्र बलों और रक्षा मंत्रालय के विभिन्न विभागों द्वारा निभाई गई सक्रिय भूमिका की प्रशंसा की।रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, उन्होंने सशस्त्र बलों और अन्य विभागों से अपनी तैयारियों को पूरा करने और विभिन्न स्तरों पर नागरिक प्रशासन को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। विभिन्न रक्षा संस्थाओं द्वारा किए गए योगदान के बारे में जानकारी देते हुए बयान में बताया गया है कि डीआरडीओ प्रयोगशालाओं ने 20,000 लीटर सैनिटाइजर का निर्माण किया है और दिल्ली पुलिस को 10,000 लीटर सहित विभिन्न संगठनों को इसकी आपूर्ति की है। अधिकारियों ने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने दिल्ली पुलिस के कर्मियों को 10,000 मॉस्क की भी आपूर्ति की है। बैठक में अधिकारियों ने सशस्त्र बलों द्वारा अब तक उठाए गए विभिन्न कदमों और सहायता के बारे में सिंह को अवगत कराया। यह भी बताया गया कि भारतीय वायुसेना के विमानों ने कई उड़ानें भरी और चीन, जापान तथा ईरान जैसे देशों से भारतीय नागरिकों को निकाला। सशस्त्र बलों के विभिन्न क्वारंटाइन केन्द्रों में।,462 लोगों की देखरेख की गई और 389 लोगों को छुट्टी दी गई। इस समय मानेसर, हिंडन, जैसलमेर, जोधपुर और मुंबई में इन केन्द्रों में।,073 लोगों की देखभाल की जा रही है। बैठक में चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, रक्षा सचिव अजय कुमार, नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया, सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवाने, सचिव (रक्षा उत्पादन) राज कुमार और डीआरडीओ के अध्यक्ष जी सतीश रेड्डी शामिल हुए।

जावड़ेकर ने मंत्रालय के अधिकारियों को खुश और व्यस्त रहने को कहा

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने गुरूवार को अपने अधीन आने वाले तीनों मंत्रालयों के अधिकारियों से आडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संवाद किया और उनसे 21 दिनों के देशव्यापी बंद के दौरान खुश और व्यस्त रहने को कहा।

जावड़ेकर अभी सूचना प्रसारण मंत्रालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय तथा भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे हैं। उन्होंने ट्वीट किया, आडियो ब्रिज के माध्यम से सूचना प्रसारण, वन एवं पर्यावरण तथा भारी उद्योग मंत्रालय के 400 अधिकारियों से संवाद किया। उनसे घर में रहने, सकारात्मक रहने, खुश और व्यस्त रहने को कहा। मंत्री ने कहा कि इस संबंध में इंडिया फाइट्स कोरोना के तहत उन्होंने 21 दिनों की चुनौतियों के संबंध में कई गतिविधियां भी सुझाई। जावड़ेकर ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि उन्होंने उनसे (अधिकारियों से) 20 दिनों के लिए कार्यों की सूची तैयार करने को भी कहा। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि अगले 20 दिनों में तीनों मंत्रालय सार्थक कार्य करेंगे। बहरहाल, पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने सूचना प्रसारण मंत्रालय के अधिकारियों को 24 घंटे उपलब्ध रहने को कहा है।

पीआईबी ने ट्वीट किया, कोविड-19 के कारण उत्पन्न संकट के समय में मीडिया और संचार आवश्यक सेवा है। मंत्री ने सूचना प्रसारण मंत्रालय के अधिकारियों को 24 घंटे उपलब्ध रहने का सुझाव दिया है ताकि लोगों तक सही और पुष्ट जानकारी पहुंचे।

केंद्र की राहत योजना पश्चिम बंगाल सरकार की योजनाओं से प्रेरितः टीएमसी

भाषा। नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि केन्द्र सरकार ने पश्चिम बंगाल सरकार की तर्ज पर वित्तीय पैकेज का ऐलान किया है। पार्टी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा, केन्द्र सरकार ने बंगाल जैसी राज्य सरकारों सरकारों पर एक सप्ताह पहले ही पेश की जा चुकी राहत योजनाओं से प्रेरणा ली है। बंगाल की नई प्रोचेस्टा योजना में गरीबों को छह महीने का मुफ्त राशन, कोरोना वायरस से लड़ने के लिए स्वास्थ्य बीमा और दिहाड़ी मजदूरों को एक-एक हजार रुपए दिया जाना शामिल है। यह राज्य सरकार के प्रयासों को गति देगी।

गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना वायरस महामारी और उसके आर्थिक प्रभाव से निपटने के लिए बृहस्पतिवार को खासतौर से गरीबों, बुजुर्गों, स्वयं सहायता समूहों और निम्न आयु वर्ग को राहत देते हुए 1.70 लाख करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत राशन की दुकानों से 80 करोड़ लोगों को अगले तीन महीने तक प्रति व्यक्ति 5 किलो गेहूं या चावल तथा इसके अलावा प्रति राशन कार्ड एक किलो दाल मुफ्त मिलेगी। सीतारमण ने पैकेज की घोषणा करते हुए कहा कि 20.5 करोड़ महिला जनधन खाताधारकों को अगले तीन महीने तक हर महीने 500 रुपए दिए जाएंगे ताकि उन्हें कुछ अतिरिक्त मदद मिल सके। वित्त मंत्री ने तीन करोड़ गरीब वृद्धों, विधवाओं तथा गरीब दिव्यांगों को एक-एक हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न वर्गों के लिए भी राहत का ऐलान किया।

ठाणे में मुंब्रा में कोरोनवायरस महामारी के मददेनजर लगाए गए एक राष्ट्रव्यापी तालाबंदी के दौरान सब्जियां खरीदते लोग

आगस्ता वेस्टलैंडः कोरोना के खतरे को लेकर क्रिश्चियन मिशेल ने दायर की अंतरिम जमानत याचिका

भाषा। नई दिल्ली

अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकाप्टर घोटाला मामले में गिरफ्तार कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स ने तिहाड़ जेल में कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में आने की आशंका व्यक्त करते हुए अंतरिम जमानत के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है।

क्रिश्चियन मिशेल ने अपनी उम्र के साथ गिरते स्वास्थ्य का हवाला देते हुए कहा है कि यह जेल की वर्तमान हालत के अनुरूप नहीं है। उसका कहना है कि वह पहले से ही स्वास्थ्य संबंधी गंभीर परेशानियों से जूझ रहा है और ऐसी स्थिति में उसके कोविड-19 के संक्रमण की चपेट में आने का बहुत खतरा है। क्रिश्चियन मिशेल ने अंतरिम जमानत याचिका अधिवक्ता श्रीराम परक्कट, विष्णु शंकर और अल्जो के जोसेफ के माध्यम से दायर की है। इस याचिका में सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में सात साल तक की सजा पाए दोषियों और विचाराधीन कैदियों को पैरोल अथवा अंतरिम जमानत पर रिहा करने पर विचार के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करने के बारे में उच्चतम न्यायालय के 16 मार्च के निर्देशों का भी हवाला दिया है।

याचिका में कोरोना वायरस महामारी को फैलने से रोकने के लिए 21 दिन का लाकडाउन घोषित करने संबंधी प्रधानमंत्री के 24 मार्च के राष्ट्र के नाम संबोधन का भी सहारा लिया गया है। याचिका में कहा गया है कि मिशेल के स्वास्थ्य की नियमित रूप से निगरानी और उपचार के लिए घर जैसे माहौल की आवश्यकता है जहां वह अधिक प्रभावी तरीके से सामाजिक दूरी बना सके।क्रिश्चियन मिशेल को 22 दिसंबर 2018 को दुबई से प्रत्यर्पण के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। वह पांच जनवरी, 2019 से न्यायिक हिरासत में है।

क्रिश्चियन मिशेल की नियमित जमानत की याचिका इस समय उच्च न्यायालय में लंबित है जहां सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय ने इसका विरोध किया है और यह दलील दी है कि आरोपी के प्रभावशाली व्यक्तियों से साठगांठ होने की वजह से वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है। क्रिश्चियन मिशेल को सीबीआई की विशेष अदालत ने पहले ही जमानत देने से इंकार कर दिया था। क्रिश्चियन मिशेल उन तीन कथित बिचौलियों में शामिल है जिनके मामलों की जांच प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई कर रही है।

वार्ड में कुत्ते घुसने के बाद अस्पताल से घर आई थी कोरोना वायरस की संदिग्धः परिवार

भाषा। श्रीनगर

यूरोप से पिछले सप्ताह लौटने के बाद कोरोना वायरस के लक्षणों के कारण यहां एक अस्पताल में भर्ती महिला उसके वार्ड में आवारा कुत्ते घुस आने के बाद अस्पताल से घर चली आई। महिला के परिवार ने गुरुवार को उसके भाग जाने के प्रशासन के दावों को खारिज करते हुए यह बात कही।

महिला के एक परिजन ने पीटीआई से कहा, प्रशासन के ए दावे झूठे हैं कि उन्होंने उसका पता लगाया। उसे डलगेट में छाती रोग अस्पताल के जिस वार्ड में भर्ती किया गया था, उसमें आवारा कुत्ते घुस आने की वजह से हमें तड़के तीन बजे उसे घर लेकर आना पड़ा। उन्होंने कहा कि महिला घर वापसी के बाद से अधिकारियों के साथ सहयोग कर रही है। परिजन ने कहा, हवाईअड्डे पर उसकी जांच की गई और घर जाने को कहा गया था। हमने उसे अलग रखा लेकिन गुरूवार को उसे कुछ लक्षण महसूस हुए और हमने कोविड-19 की हेल्पलाइन पर फोन किया। एंबुलेंस आई और उसे सीडी अस्पताल ले जाया गया तथा भर्ती कर लिया गया। महिला के रिश्तेदार के अनुसार उसने बुधवार देर रात करीब ढाई बजे घर पर फोन किया कि वार्ड में कई आवारा कुत्ते घुस आए हैं और वह डरी हुई है। परिवार वालों का आरोप है कि सरकार संदिग्धों के नाम सार्वजनिक नहीं करने के परामर्श जारी कर रही है लेकिन महिला का पूरा ब्योरा मीडिया को लीक कर दिया गया। परिवार ने अस्पताल के कुछ डॉक्टरों के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि उसके नमूने लिए गए। उन्होंने कहा कि अगर नमूने लिए गए थे तो रिपोर्ट कहां है?

लॉकडाउन के बावजूद घर से बाहर निकलने पर एक व्यक्ति ने अपने भाई को मार डाला

मुंबई। कोविड-19 के कारण देशभर में जारी लॉकडाउन के दौरान घर से बाहर निकलने के लिए मुंबई के पश्चिमी उपनगरीय कांदिवली में अपने छोटे भाई की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में 28 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। समता नगर थाने के एक अधिकारी ने कहा कि राजेश लक्ष्मी ठाकुर ने बुधवार रात लॉकडाउन के बारे में बार-बार चेतावनी के बावजूद घर से बाहर निकलने के कारण अपने छोटे भाई दुर्गेश की हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि मृतक पुणे में एक निजी फर्म में काम करता था, जो कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण घर लौट आया था। अधिकारी ने बताया कि जब दुर्गेश बाहर घूमने के बाद घर वापस आया, तो आरोपी और उसकी पत्नी ने उसपर नाराजगी जाहिर की और फिर उनके बीच तीखी बहस हो गई, जिसके बाद आरोपी ने उस पर किसी धारदार चीज से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित को पास के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

पाकिस्तानी सैनिकों ने पुंछ, कठुआ में गोलीबारी की

जम्मू। पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू कश्मीर के पुंछ और कठुआ जिलों में नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोर्टार से गोले दागे। भारतीय सैनिकों ने इसका जवाब दिया। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एक रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तानी जवानों ने गुरुवार दोपहर बाद पुंछ जिले के देवार क्षेत्र में नियंत्रण रेखा से लगी अग्रिम चौकियों पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि भारतीय सैनिकों ने जवाबी कार्वाई की और यह करीब बीस मिनट तक चली। इससे पहले पाकिस्तानी रेंजरों ने बुधवार रात हीरानगर सेक्टर के पंसार, मनयारी और चक गंगा में मोर्टार से गोले दागे और गोलीबारी की।

कोरोना वायरस की फर्जी खबर छापने के आरोप में उर्दू अखबार के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में कोरोना वायरस के संबंध में कथित रूप से फर्जी खबर छापने को लेकर पुलिस ने एक उर्दू अखबार के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि पुंछ जिले में छह लोगों के कोविड-19 पॉजिटिव होने की फर्जी खबर छापने के आरोप में अखबार के मालिक और एक उर्दू रिपोर्टर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इस खबर से स्थानीय लोगों में डर और भ्रम का माहौल बन गया था। उन्होंने बताया कि शिकायत के मद्देनजर पुंछ के एसएसपी रमेश अंग्राल के निर्देश पर अखबार के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे जांच जारी है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने मीडिया संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे कोरोना वायरस के संबंध में सत्यापित किए बगैर खबरें प्रकाशिताप्रसारित ना करें।

लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर 1200 से अधिक लोगों पर मामले दर्ज

भाषा। चेन्नई

कोरोना वायरस के प्रसार की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन (बंद) पर अमल करने के लिए तमिलनाडु सरकार द्वारा लगाई गई धारा 144 का उल्लंघन करने के आरोप में राज्य की पुलिस ने 1200 से अधिक लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। घरों में रहने को सुनिश्चित करने के लिए पुलिसकर्मी सड़कों पर लगातार गश्त कर रहे हैं और निगाह रख रह है ताकि बंद का उल्लंघन करने वालों को समझाकर उनके घर भेजा जा सके। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्वाई करने के साथ ही जनता को जागरूक करने के लिए नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक, धारा 144 के आदेश का उल्लंघन करने पर 1252 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है जबकि बीते दो दिनों में 16 लोगों के खिलाफ अफवाह फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही पृथक रहने के नियम का उल्लंघन करने पर भी छह लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ है। धारा 144 के आदेश के मुताबिक, पांच से अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक होती है। चेन्नई पुलिस ने कहा कि आदेशों को सख्ती से लागू करने के लिए शहर में करीब 156 जांच चौकियां बनाई गई हैं। शिवगंगा में पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वालों के हाथों में कुछ देर के लिए जागरूकता बैनर देकर खड़ा रखा। हालांकि, वायरस के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर उनके बीच उचित दूरी सुनिश्चित की गई।

वेल्लोर जिला पुलिस ने कानून का उल्लंघन कर सार्वजनिक तौर पर घूमने वाले लोगों को नियमों का पालन करने की शपथ भी दिलाई। लॉकडाउन के कारण अधिकतर सड़कें सुनसान दिखाई दीं। चेन्नई और नागपट्टीनम जैसी जगहों पर सरकारी बसें केवल पुलिसकर्मियों और स्वास्थ्य कर्मचारियों के अलावा सरकारी कर्मचारियों को ड्यूटी पर लाने-जाने में लगाई गईं।

मुरादाबाद में कोरोनोवायरस महामारी के मद्देनजर लगाए गए देशव्यापी बंद के दिन केमिस्ट शॉप के बाहर खड़े रहने के कारण लोग सामाजिक दूरी बनाए हुए हैं

घर जाने को सौ-सौ किमी पैदल चल रहे तेलंगाना के मजदूर

हैदराबाद। कोरोना वायरस के चलते तेलंगाना में लागू बंदी के बाद फंसे मजदूर यातायात के अभाव में पैदल ही अपने पैतृक घरों तक जाने की कोशिश कर रहे हैं। कई मामलों में तो मजदूर 100-100 किलोमीटर की दूरी पैदल तय कर रहे हैं। हालांकि, इन मजदूरों में कुछ खुशनसीब भी हैं जिन्हें सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव सहित जनप्रतिनिधियों से मदद मिली है। बंदी के चलते शहरों में निर्माण कार्य ठप हो गया है। एक दिहाड़ी मजदूर वेंकट रमण ने बताया, हमारा गांव यहां (हैदराबाद) से 75 किलोमीटर दूर है। मुझे पता है कि परिवहन उपलब्ध नहीं है। ऐसे में हमारे पास पैदल जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। दिहाड़ी मजदूरों का एक समूह हैदराबाद से 120 किलोमीटर दूर सूर्यापेट जिले स्थित अपने पैतृक गांव जाने के लिए बुधवार को पैदल रवाना हुआ। हालांकि, ए मजदूर सौभाग्यशाली थे क्योंकि मंत्री रामा राव जो बंदी के बाद व्यवस्थाओं की देखरेख कर रहे हैं, उनकी नजर बुद्ध भवन के पास उनपर पड़ी और उन्होंने अपना काफिला रोककर उनसे बात की।

पैदल चल रहे मजदूरों की समस्या सुनने के बाद उन्होंने तुरंत प्रशासन को वाहन का इंतजाम कर मजदूरों को उनके घर तक पहुंचाने का निर्देश दिया। अंडोल के विधायक क्रांति किरण को भी कुछ मजदूरों की जानकारी मिली जो हैदराबाद से 130 किलोमीटर दूर नरायाणखेड पहुंचने के लिए पैदल निकले थे। मजदूरों ने बुधवार को सफर शुरू किया था और गुरुवार सुबह छुतापुर पहुंचे थे तभी विधायक की नजर पड़ी।

विधायक ने मजदूरों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था की और ऐसी परिस्थिति में यात्रा नहीं करने की सलाह दी। वेंकट रमण ने बताया कि बंदी की वजह से उसका भविष्य अनिश्चित हो गया है। इसलिए उसने पत्नी और दो बच्चों के साथ नलगोंडा स्थित अपने गांव जाने का फैसला किया। तेलंगाना सरकार ने इससे पहले बताया कि बंदी के कारण उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर सभी 87.59 लाख खाद्य सुरक्षा कार्ड धारकों को सरकार प्रति व्यक्ति 12 किलोग्राम चावल मुहैया कराएगी। इस प्रकार 3.58 लाख टन अनाज पर।,103 करोड़ का खर्च आएगा। इसके अलावा राज्य सरकार कार्ड धारकों को अन्य जरूरी सामान जैसे सब्जी खरीदने के लिए।,500 रुपए की एक मुश्त सहायता राशि देगी जिसपर।,314 करोड़ रुपए व्यय होगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और अभिनेता चिरंजीवी ने गुरुवार को एक करोड़ रुपए का दान फिल्म निर्माण में लगे लोगों के लिए देने की घोषणा की जो बंदी के कारण बेरोजगार हो गए हैं। वृहद हैदराबाद नगर निगम ने अपने 150 अन्नपूर्णा कैंटीन में 78 में मुफ्त में खाना देने की योजना शुरू की है। इससे पहले पांच रुपए में खाना मुहैया कराया जाता था।

केरल में सैनेटाइजर पीने से कैदी की मौत

पलक्कड (केरल)। गलती से शराब समझकर कथित तौर पर सैनेटाइजर पीने वाले एक कैदी की यहां जिला अस्पताल में मौत हो गई। जेल अधिकारियों ने बताया कि 18 फरवरी से रिमांड कैदी के तौर पर यहां जेल में बंद रमनकुट्टी को मंगलवार सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह जेल में बेहोश हो गया था। एक वरिष्ठ जेल अधिकारी ने पीटीआई को बताया, हमें संदेह है कि वह बोतल में भरा सैनेटाइजर पी गया जो राज्य सरकार के निर्देशानुसार जेल परिसर में (कैदियों द्वारा) बनाए जाता है। अधिकारियों ने कहा कि वह मंगलवार रात को सामान्य था लेकिन अगली सुबह 10:30 बजे के करीब बेहोश हो गया। जेल अधिकारी हाथों को संक्रमण मुक्त करने के लिए सैनेटाइजर के तौर पर मुख्य रूप से आइसोप्रोपाइल अल्कोहल का इस्तेमाल करते हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पोस्टमार्टम के बाद ही उसकी मौत का वास्तविक कारण पता चलेगा।

सूरत में लॉकडाउन होने के बाद अपने-अपने घरों को जाते हुए मजदूर

अन्य राज्यों से लौट रहे दिहाड़ी मजदूरों की मदद के लिए कदम उठा रही राजस्थान सरकार

जोधपुर। हजारों की संख्या में अन्य राज्यों से पैदल ही अपने गांवों को लौट रहे दिहाड़ी मजदूरों की मदद के लिए राजस्थान सरकार ने कदम उठाने शुरू किए हैं। राज्य सरकार ने ऐसे लोगों की कोरोना वायरस की स्क्रीनिंग करने के बाद उन्हें उनकी मंजिल तक पहुंचाना शुरू किया है। राज्य सरकार के अधिकारियों ने बताया कि रोजी-रोटी की तलाश में गुजरात और अन्य राज्यों में गए हजारों राजस्थानी दिहाड़ी मजदूरों और श्रमिकों को 21 दिनों की बंदी लागू होने के बाद लौटने पर मजबूर होना पड़ा है। जालौर के पुलिस अधीक्षक हिम्मत अभिलाष ने कहा कि गुजरात से सटे जालौर और सिरोही जिले की सीमाओं पर बड़ी संख्या में आए लोगों को देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि 24-25 की मध्यरात्रि से बंदी लागू होने के बाद ए मजदूर पड़ोसी राज्य के विभिन्न स्थानों से पैदल चलकर वापस अपने घरों को लौट रहे हैं। उन्होंने कहा, इनमें से अधिकतर लोग पैदल चलकर ही आ रहे हैं और मजदूर वर्ग के हैं। इन्हें राज्य की सीमाओं से कुछ किलोमीटर पहले ही उतार दिया गया, जहां से ए राजस्थान की सीमा की ओर चले। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह गतिविधि केवल गुजरात से सटे दो जिलों की सीमाओं तक ही सीमित नहीं है जबकि राजस्थान की सीमा से लगे पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से भी लोग लौट रहे हैं। पुलिस, प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमें सीमा चौकियों पर कैंप लगाकर आने वालों की स्क्रनिंग कर रही हैं और उनका पूरा विवरण दर्ज कर रहे हैं। जालौर के जिलाधिकारी भगवती प्रसाद ने कहा कि बुधवार शाम से अचानक लौटने वाले लोगों की संख्या में इजाफा देखने को मिला।

गुजरात से हजारों श्रमिक पैदल ही वापस लौट रहे मध्यप्रदेश

भाषा। भोपाल

कोरोना वायरस के मद्देनजर देशभर में लगाए गए लॉकडाउन के चलते पड़ोसी राज्य गुजरात में बेरोजगार हुए हजारों श्रमिक पैदल ही अपने घर मध्यप्रदेश लौट रहे हैं। इनमें कई महिलाएं भी हैं। मध्य प्रदेश के कई जिलों से अच्छे रोजगार की तलाश में ए श्रमिक गुजरात के सूरत, अहमदाबाद, राजकोट, नवसारी और अन्य जिलों में रहने के लिए गए थे। लॉकडाउन के बाद अब ए श्रमिक अपने घर मध्यप्रदेश के झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, रतलाम, भिण्ड और मुरैना जिलों में वापस लौट रहे हैं। ए श्रमिक समूह में गुजरात से सटे मध्यप्रदेश के पश्चिमी भाग के आदिवासी बहुल जिलों--झाबुआ या अलीराजपुर से प्रवेश कर रहे हैं। ए श्रमिक सैकड़ों किलोमीटर या तो पैदल चलकर आए हैं या तो किसी वाहन द्वारा इन्हें प्रदेश की सीमा पर छोड़ा गया है। एक व्यक्ति ने अपनी पहचान जाहिर नहीं करने हुए झाबुआ जिले की पिटोल चेक पोस्ट पर बताया, 3300 विस्थापित श्रमिक मध्यप्रदेश वापस आए हैं। उनमें से अधिकतर ने मंगलवार रात को लॉकडाउन घोषित होने के बाद से गुजरात से वापस घर (मध्यप्रदेश) की ओर चलना शुरु किया था। रास्ते में भले लोगों ने इन्हें खाना और अन्य जरुरी चीजें दीं। उनमें से सिर पर सामान उठाए महिलाओं सहित कुछ लोगों ने कहा कि उन्होंने केवल पानी पीकर मध्यप्रदेश की सीमा तक रास्ता तय किया है। सूरत से पैदल चलकर झाबुआ जिले के पिटोल चेक पोस्ट से प्रवेश करने वाले मुरैना जिले के विजय अहीरवार (28) ने कहा कि बिना काम के खाली पेट गुजरात में रहने का अब कोई मतलब नहीं था इसलिए वह घर लौट रहे हैं। एक अन्य व्यक्ति शंकर ने बताया कि वह अपनी रोजी रोटी के लिए सूरत में सड़क किनारे पानी पुरी की रेहड़ी लगाता था लेकिन अब वह वापस अपने घर मुरैना जिले जा रहा है। कई प्रवासी श्रमिक अलीराजपुर जिले के चांदपुर या चकतला चेक पोस्ट से मध्यप्रदेश में वापस लौटे हैं। अलीराजपुर के पुलिस अधीक्षक विपुल श्रीवास्तव ने कहा कि उनके जिले में 400-500 श्रमिक अधिकांश पैदल ही मध्यप्रदेश में आए हैं। इसके अलावा मध्यप्रदेश और गुजरात सीमा पर अन्य रास्तों से भी लोग यहां आए हैं। एसपी ने बताया कि गुजरात के नवसारी जिले से और श्रमिक 10 बसों में वापस यहां आ रहे हैं। इनके आज रात तक आने की उम्मीद है।

जामिया के प्रोफेसर ने कहा, उसने गैर-मुसलमान छात्रों को फेल किया, निलंबित

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के एक प्राध्यापक ने यह ट्वीट करके विवाद पैदा कर दिया है कि उन्होंने 15 गैर-मुसलमान छात्रों को परीक्षा में फेल कर दिया है। इसे लेकर प्रोफेसर की बहुत आलोचना हो रही है जिसके बाद विश्वविद्यालय ने उन्हें निलंबित कर गुरुवार को मामले की जांच का आदेश दिया। हालांकि, प्राध्यापक डॉक्टर अबरार अहमद का कहना है कि उनके ट्वीट को गलत समझा गया और उन्होंने इसे व्यंग्य के रूप में लिखा था कि कैसे संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। अहमद ने बुधवार को ट्वीट किया, मेरे सभी छात्र पास हो गए सिवाय 15 गैर-मुसलमानों के, जिन्हें फिर से परीक्षा देनी होगी। अगर आप प्रदर्शन करते हैं (सीएए विरोध), मेरे पक्ष में 55 छात्र हैं (सीएए समर्थन)। बहुसंख्यक आपको सबक सिखाएंगे, अगर प्रदर्शन समाप्त नहीं हुआ (दंगे)। कोरोना (वायरस) के कारण आपके प्रदर्शन का संकेत मिल जाएगा। मैं सोच रहा हूं कि वे मुझसे नफरत क्यों करते हैं? हालांकि प्रोफेसर ने बाद में ट्वीट को मिटा दिया। जामिया ने कहा कि उसने साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने को लेकर अहमद को निलंबित कर दिया है। विश्वविद्यालय ने ट्वीट किया है, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विवि के डॉक्टर अबरार अहमद, ने सार्वजनिक मंच पर 15 गैर-मुसलमान छात्रों को फेल करने की बात ट्वीट की।

बिहार के निवासी जहां भी फंसे हों वहीं पर उनके भोजन एवं रहने की व्यवस्था की जाएगी: नीतीश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरूवार को कहा कि बिहार के निवासी राज्य या उसके बाहर जहां भी फंसे हों वहीं पर उन्हें मदद की जाएगी तथा उनके भोजन एवं रहने की व्यवस्था सरकार करेगी। यहां मुख्यमंत्री निवास पर कोरोना संक्रमण एवं लॉकडाउन से उत्पन्न स्थिति पर एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान नीतीश ने कहा कि सरकार कोरोना संक्रमण के कारण लोगों के फंसे होने की स्थिति को आपदा मान रही है और ऐसे लोगों की मदद उसी तरह की जाएगी जैसी अन्य आपदा पीड़ितों की की जाती है।

उन्होंने कहा कि राज्य के निवासी बिहार या उसके बाहर जहां भी फंसे हों वहीं पर उनकी मदद की जाएगी तथा बिहार में अन्य राज्यों के जो लोग फंसे हैं उनके लिए भी राज्य सरकार अपने स्तर से भोजन एवं रहने की व्यवस्था करेगी। नीतीश ने कहा कि अन्य राज्यों में बिहार के जो निवासी काम करते हैं और वे लॉकडाउन के कारण वहां के शहरों में फंसे गए हैं या रास्ते में हैं उनके लिए भी राज्य सरकार नई दिल्ली में स्थानीय आयुक्त के माध्यम से संबंधित राज्य सरकारों एवं जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित करेगी और उनके भोजन एवं रहने के लिए आवश्यक व्यवस्था करेगी।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि तत्काल पटना तथा बिहार के अन्य शहरों में जो भी रिक्शा चालक, दैनिक मजदूर एवं अन्य राज्यों के व्यक्ति लॉकडाउन के चलते फंसे हुए हैं उनके रहने तथा भोजन की व्यवस्था राज्य सरकार अपने स्तर से करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में पटना तथा अन्य शहरों में ऐसे लोगों के लिए वहीं पर आपदा राहत केन्द्र स्थापित किया जाएगा तथा इन जगहों पर व्यवस्था करने में सोशल डिस्टेंसिंग का भी ख्याल रखा जाएगा। आपदा राहत केन्द्रों पर कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए चिकित्सक उपलब्ध रहेंगे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस कार्य हेतु मुख्यमंत्री राहत कोष से आपदा प्रबंधन विभाग को 100 करोड़ रूपए की राशि जारी कर दी गई है। बैठक में उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, जल संसाधन मंत्री संजय झा, मुख्य सचिव दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक गुप्तेश्वर पाण्डेय, आपदा विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने लॉकडाउन के चलते पंजाब के मोहाली में फँसे पश्चिम चम्पारण जिला के मैनाटांड एवं सिकटा प्रखंड के करीब 250 दैनिक मज़दूर के बारे में पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेन्द्र सिंह तक सूचना पहुँचाई। ए लोग राशन के अभाव मे दो दिन से सिर्फ पानी पीकर गुजारा कर रहे थे। तेजस्वी के ट्वीट के बाद पंजाब सरकार के अधिकारी वहाँ पहुँचे और उन मज़दूरों के खाने की व्यवस्था की।

पेज एक का शेष

कोई नहीं ...

विधवाओं को बढ़ी हुई पेंशन। अन्नदाताओं के खाते में किसान योजना के तहत 2 हजार रुपये जबकि महिलाओं के जनधन खाते में 500 रुपये (कुल 1500 रु)जमा होंगे। अपनी जान का जोखिम उठाकर लोगों की सेवा कर रहे डॉक्टरों , स्वास्थ्य कर्मियों का 50 लाख रुपये का जीवन बीमा भी सरकार कराएगी। प्रधाननमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 130 करोड़ भारतीयों को बचाने के लिए देश भर में 21 दिनों के लॉकडाउन की घोषणा के 36 घंटे बाद वित्त मंत्री ने आर्थिक बूस्टर का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ लोगों के भोजन की व्यवस्था की जाएगी। इसके तहत अगले तीन महीनों तक 80 करोड़ राशन कार्ड धारकों में से प्रत्येक को 5 किलो गेहूं अथवा चावल और एक किलो दाल भी दी जाएगी। इसका उन्हें कोई मूल्य नहीं चुकाना होगा और यह पीडीएस में मिलने वाले लाभ के इतर होगा। उन्होंने कहा कि पीएम किसान योजना के तहत किसानों को हर साल 6000 रुपये दिए जाते हैं। अप्रैल के पहले सप्ताह में उनके खातों में 2-2 हजार रुपये की किस्त डाल दी जाएगी। 8.69 करोड़ किसान इससे लाभान्वित होंगे। मनरेगा के तहत कामगारों की दैनिक मजदूरी को 182 रुपये से बढ़ाकर 202 रुपये कर दिया गया है। इससे 5 करोड़ परिवारों को लाभ होगा। सीतारमण के अनुसार, 20.5 करोड़ महिला जनधन खाता धारकों को अगले तीन महीने तक प्रति माह 500 रुपये दिए जाएंगे। इससे उन्हें 1500 रुपये की अतिरिक्त मदद मिल जाएगी। उज्जवला योजना के लाभार्थियों को तीन माह तक रसोई गैस सिलिंडर मुफ्त मिलेगा इससे 8.3 करोड़ गरीब परिवारों को फायदा पहुंचेगा। वित्त मंत्री ने कोरोना वायरस महामारी से संक्रमित लोगों के इलाज में जुटे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए 50 लाख रुपये के जीवन बीमा कवर की घोषणा करते हुए बुजुर्गो, दिव्यांगों और विधवाओं को एक हजार रुपये अनुग्रह राशि दिए जाने की भी जानकारी दी। सीतारमण ने बताया कि 63 लाख महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए बिना किसी गारंटी के ऋण राशि को दोगुना कर 20 लाख रुपये कर दिया गया है। इससे 7 करोड़ परिवार लाभान्वित होंगे। कर्मचारियों को भविष्य निधि खाते से 75 प्रतिशत जमा राशि अथवा तीन महीने के वेतन में से जो भी कम हो उसे निकालने की अनुमति भी दी गई है। छोटी इकाइयों को राहत पहुंचाती वित्त मंत्री ने कहा कि अगले तीन महीने तक उन प्रतिष्ठानों के नियोक्ताओं और कर्मचारी दोनों का भविष्य निधि योगदान सरकार जमा करेगी। यह मदद उन प्रतिष्ठाों को मिलेगी जिनमें 90 प्रतिशत कर्मचारियों का वेतन 15 हजार रुपये तक है। उद्योग जगत के लिए राहत पैकेज के बाबत उठे सवाल पर वित्त मंत्री ने कहा कि इस पर बाद में बात करेंगे। सरकार ने निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले 3.5 करोड़ असंगठित मजदूरों के लिए भी बड़ा ऐलान किया है। राज्य सरकारों से कहा गया है कि वे इसके लिए बनाए गए 31,000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज का उचित इस्तेमाल करें। इसके इलावा डिस्ट्रिक्ट मिनरल्स फंड की भी घोषणा की गई है जिसका उपयोग मेडिकल जांच, स्क्रीनिंग और हेल्थ केयर के लिए होगा। वित्त मंत्री ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए 21 दिनों के देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान लोगों को परेशानियों से बचाने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज को अंतिम रूप दिया गया। 1.70 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज का क्रियान्वयन तत्काल प्रभाव से होगा और इसके तहत कैश सहायता एक अप्रैल से मिलेगी। आने वाले दिनों में और राहत देने के स्पष्ट संकेत देते हुए सीतारमण ने कहा कि जरूरत पड़ने पर हालात के मद्देनजर ऐसे फैसले लिए जाएंगे। इस मौके पर मौजूद वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह पैकेज मुख्य रूप से गरीब और वंचित तबके के लिए है। लॉकडाउन के चलते गरीबों को खाने-पीने की दिक्कत न हो यह सुनिश्चित करने के लिए बीपीएल परिवारों को तीन माह तक मुफ्त राशन-गैस और नकद सहायता मुहैया कराई जाएगी। सरकार ने राहत पैकेज का ऐलान लॉकडाउन के कारण कमजोर वर्ग के लोगों को खाने पीने में हो रही दिक्कतों और बड़ी संख्या में नौकरियों के जाने की खबरों के बीच किया है।

सरकार के...

को पीडीएस और अन्य योजनाओं के तहत पूरे साल अनाज दिया जा सकता है। सरकार के गोदामों में तीन मिलियन मिट्रिक टन दालें, 1.1 मिलियन मिट्रिक टन तिलहन और चार मिलियन टन चीनी भी है।इसके अलावा गेहूं की खरीद बहुत जल्द शुरू होने वाली है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने एफसीआई को खुदरा बाजार विक्रय योजना के तहत खुले बाजार में खाद्य सामग्री बेचने की इजाजत दे दी है। घरेलू जरूरतें पूरी करने के लिए भी सरकार ने तेज आपूर्तिकर्ता उपभोक्ता कंपनियों को आपूर्ति बढ़ाने कहा है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान ने कहा कि एफसीआई के पास पर्याप्त अनाज भंडार है ओर अधिकारियों को स्थिति पर करीब से नजर रखने के आदेष दिए गए हैं। केंद्र सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत देश के 80 करोड़ लोगों को पांच किलो अनाज भारी सब्सिडी पर हर महीने दे रही है। गेहूं दो रुपये और चावल तीन रुपये प्रति किलो दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने ...

जी-20 को कोरोना वायरस महामारी से उपजी आर्थिक मुश्किलों से निपटने के लिए साथ मिलकर काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मानव के विकास के लिए मेडिकल शोध को स्वतंत्र रूप से और खुल कर साझा करने की अपील भी की। उन्होंने कहाकि वैश्विक समृद्धि, सहयोग के लिए हमारे दृष्टिकोण के केन्द्र बिंदु में आर्थिक लक्ष्यों के स्थान पर मानव को रखा जाए।

फेस मास्क ...

तय की है। केन्द्र ने कहा है कि हैंड सैनिटाइजर की मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए, राज्यों को हैंड सैनिटाइज़र बनाने के लिए कच्चे माल की आपूर्ति में किसी भी अड़चन को दूर करने और डिस्टिलरीज सहित तमाम उन आवेदकों को अनुमति देने के लिए कहा गया है, जो हैंड सैनिटाइज़र बनाने का इरादा रखते हैं। उपभोक्ता मामलों के सचिव पवन अग्रवाल ने बताया कि हमने अब तक 564 अन्य विनिर्माताओं के अलावा 45 डिस्टलरी को लाइसेंस दिया है। उन्होंने कहा कि एक या दो दिनों में 55 से अधिक डिस्टिलरी को अनुमति दी जा सकती है और कई और कंपनियों को हैंड सैनिटाइजर बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दवा मूल्य नियंत्रण आदेश के तहत यह अनुमति दी गई है।

युद्ध जीतने...

कि जरूरी सामानों की कोई दिक्कत न हो। साथ ही उन लोगों के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल करें जो विदेश से लौटे हैं। उन्हें जिस राज्य का दायित्व दिया गया है वहां के कितने जिलों में कोरोना पॉजिटिव मामलों और क्वेंरैटाइन में रखे गए लोगों की संख्या पता कर विस्तृत जानकारी उन्हें दें। प्रभारी मंत्रियों को प्रति दिन कोरोना वायरस संक्रमण व बचाव राहत कार्यों का अपडेट प्रधानमंत्री कार्यालय को देना होगा। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मत्स्यपालन मंत्री संजीव बलयान, महेंद्र नाथ पांडे व कृष्णपाल गुर्जर को, राजस्थान व पंजाब की गजेंद्र सिंह शेखावत को, असम का जनरल (रिटायर्ड) वीके सिंह को, बिहार का रविशंकर प्रसाद व रामविलास पासवान को, ओडिशा का धर्मेंद्र प्रधान को, छत्तीसगढ़ का अर्जुन मुंडा व झारखंड का मुख्तार अब्बास नकवी को सौंपा है। महाराष्ट्र जहां कोरोना के सबसे ज्यादा मरीज पाए गए है उसकी जिम्मेदारी केंद्रीय राजमार्ग व सड़क यातायात मंत्री नितिन गडकरी एवं सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर को सौंपी गई है।

चौबीस घंटे...

भीड़ जमा नहीं हो। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक वस्तुओं (चिकित्सा वस्तुओं सहित) की कीमतों पर कड़ी निगरानी रखने और कालाबाजारी एवं जमाखोंरो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है। अरविंद केजरीवाल उपराज्यपाल की मौजूदगी में डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में बताया कि संबंधित एसडीएम और एसीपी को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि किराने का सामान, सब्जियां और दूध बेचने वाली दुकानें खुली रहें और उनके क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार मौजूद रहे। इसी तरह उनके इलाके में जितनी भी दवाइयां बनाने की फैक्ट्रियां और बेयर हाउसेज हैं, उन्हें भी खुलवाने और उसमें सामान होने की जिम्मेदारी एसडीएम और एसीपी की होगी। सभी पुलिसकर्मियों से कहा गया है कि जब सड़क पर कोई दूध व सब्जी वाला दूध व सब्जियां लेकर जा रहा है और उसके पास पहचान पत्र नहीं है, तो उसको बिना पहचान पत्र के ही जाने की अनुमति दे दी जाए। जरूरी सेवाओं को लेकर कोई व्यक्ति सड़क पर जा रहा है और उसके पास ई-पास नहीं है, तो उसे अनुमति दे दी जाए। ई-पास देने की प्रक्रिया चलती रहेगी, लेकिन उसे भी रोका न जाए। केजरीवाल ने कहा कि लोग अपने घरों के अंदर ही रह रहे हैं। हालात काबू में हैं लेकिन इस घातक वायरस को फैलने से रोकने के लिए और सावधानी बरने की जरूरत है। कोरोना वायरस अभी लोगों में फैल नहीं रहा है। केंद्र और दिल्ली सरकार और दिल्ली वाले मिल कर इसे अब तक नियंत्रित किया है और यह बहुत अच्छा है। अभी अपनी पीठ थपथपाने का समय नहीं है। आने वाले समय में इसे और काबू करने की जरूरत है।

16 मौत...

की है, वहीं 17 राज्यों ने सिर्फ कोरोना के इलाज लिए अस्पतालों का चयन कर लिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न स्थिति के बारे में संवाददाताओं को बताया कि यद्यपि संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन संक्रमण की दर तुलनात्मक रूप से मामूली गिरावट के साथ फिलहाल स्थिर है। अग्रवाल ने कहा कि देश में इस वायरस के सामुदायिक संक्रमण की तीसरी स्थिति उत्पन्न होने के फिलहाल कोई ठोस प्रमाण नहीं मिले हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि लोगों द्वारा सामाजिक मेलजोल से दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) बनाए रखने की मौजूदा रणनीति का सख्ती से पालन किए जाने पर ही कहा जा सकता है कि भारत संक्रमण के तीसरे चरण में नहीं जाएगा। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस के संक्रमण की शृंखला को तोड़ने के लिए बुधवार से पूरे देश में बंद लागू किया गया। वैश्विक स्तर पर 170 देशों में अब तक इस वायरस के संक्रमण के 471518 मामले सामने आ चुके हैं और इनमें से 21293 मरीजों की मौत हो गई है। मंत्रालय के अनुसार भारत में अब तक 13 संक्रमित मरीजों की मौत हो गई है। इनमें महाराष्ट्र में तीन, गुजरात में दो और मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, कर्नाटक, पंजाब, दिल्ली, पश्चिम बंगाल एवं हिमाचल प्रदेश में एक एक संक्रमित मरीज की मौत शामिल है। देश में मौजूद संक्रमण के कुल 649 मरीजों में से 42 मरीजों को सफल इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और 593 का देश के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। भारत में मौजूद मरीजों में 47 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना के सर्वाधिक 124 मरीज महाराष्ट्र में हैं जबकि केरल में आठ विदेशी मरीज सहित कुल 118 मरीज हैं। इसके अलावा तेलंगाना और कर्नाटक में 41-41, गुजरात में 38, उत्तर प्रदेश में 37, राजस्थान में 38, दिल्ली में 35, पंजाब में 33 और हरियाणा में 30 मरीजों में कोरोना के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। इनके अलावा तमिलनाडु में संक्रमित मरीजों की संख्या 26, मध्य प्रदेश में 15, लद्दाख में 13, आंध्र प्रदेश और जम्मू कश्मीर में 11-11, पश्चिम बंगाल में नौ, चंडीगढ़ में सात,उत्तराखंड में पांच, बिहार, गोवा, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश में तीन-तीन और ओडिशा में दो हो गई है। जबकि पुडुचेरी, मणिपुर और मिजोरम में भी एक-एक मरीज के कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है।

मोहल्ला क्लीनिक...

होने वाले मोहल्ला क्लीनिक के डॉक्टर को उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया है। इससे पहले उनका उपचार जीटीबी अस्पताल में किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि जिस महिला से डॉक्टर संक्रमित हुए, उसी महिला के परिवार के अन्य चार सदस्य भी कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। आशंका है कि 12 मार्च के बाद संक्रमण से पीड़ित डॉक्टर के संपर्क में जो भी मरीज या कोई व्यक्ति आया, उसे भी कोरोना संक्रमण होने की आशंका रहेगी। लोगों को सतर्क करने के लिए स्थानीय प्रशासन ने डॉक्टर के घर के बाहर एक पर्चा भी चिपका दिया है। इसमें लिखा है कि लोगों को सूचित किया गया है कि मोहनपुरी, मौजपुर मोहल्ला क्लीनिक डॉक्टर कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। जो भी लोग 12 से 18 मार्च के बीच उनसे उपचार के लिए आए हों या किसी अन्य तरह के उनके संपर्क में आ गए हों, वे खुद को 15 दिनों तक होम क्वारंटाइन कर लें। अगर किसी में कोरोना वायरस जैसे लक्षण उभरे तो तत्काल कंट्रोल रूम डीडीएमए जिला शाहदरा को इसकी सूचना दें।

महाराष्ट्र में आवश्यक वस्तुओं की दुकानें दिन रात खुली रहेंगी: उद्धव

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को घोषणा की कि राज्य में आवश्यक वस्तुओं की दुकानों को दिनरात खोलने की अनुमति होगी। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक यह फैसला कोरोना वायरस की वजह से घोषित लॉकडाउन के दौरान बाजारों और दुकानों में भीड़ रोकने के लिए किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया कि ठाकरे ने कोरोना वायरस के खतरे से निपटने के लिए मंत्रालय (राज्य सचिवालय) में गठित विशेष नियंत्रण कक्ष के प्रभारी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस बात पर चर्चा की कि कैसे शुरुआती दिनों में आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री कार्यालय की विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया कि दुकानदार सामाजिक मेल मिलाप में दूरी सुनिश्चित करेंगे और स्वच्छता और संक्रमण से मुक्ति के नियमों का अनुपालन करेंगे। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में गुरुवार तक 125 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है जो देश के किसी भी राज्य में सबसे अधिक है।

नियमों के उल्लंघन को लेकर 3,000 मामले दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस ने तीन दिन पहले राज्य में कर्फ्यू लगने के बाद से नियमों के उल्लंघन को लेकर लगभग 3,000 मामले दर्ज किए हैं। राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा से एक दिन पहले 23 मार्च को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बड़ी संख्या में लोगों के जुटने और सड़कों पर लोगों के चलने पर प्रतिबंध लगाने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लगा दी थी। महाराष्ट्र में अब तक कोविड-19 के 125 मामले दर्ज किए गए हैं, जो देश में सबसे ज्यादा हैं। पुलिस उन लोगों के खिलाफ कड़ी कार्वाई कर रही है, जो अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकले थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोशल मीडिया पर महामारी के बारे में गलत सूचनाएं फैलाने के लिए भी मामले दर्ज किए गए हैं।

कोई काम व साधन न होने से दिल्ली में फंसे कई लोग

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का मुकाबला करने के लिए लागू किए गए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण सड़क और रेल यातायात बंद होने से प्रवासी श्रमिकों सहित कई लोग परिवहन का कोई साधन न होने के चलते राष्ट्रीय राजधानी में फंसे हुए हैं। आजीविका के लिए कोई काम न होने के कारण दिल्ली में फंसे हुए लोगों में शामिल सुरेश चौधरी ने कहा हमने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया है क्योंकि कोई काम नहीं है.... हमारी थोड़ी-बहुत जो बचत है, वह भी खत्म हो रही है। हमें नहीं पता कि हम अपना गुजारा कब तक चला सकते हैं। पांच अन्य मजदूरों के साथ एक कमरे में रहने वाले चौधरी कहते हैं, मैं एक ऐसी जगह फंस गया हूं जो जेल से भी बदतर है। यहां तक कि जेल में बंद कैदियों को भी हमसे बेहतर भोजन, सुविधाएं मिल रही हैं। मैंने पिछले हफ्ते जो भी थोड़े पैसे कमाए थे, उससे किसी तरह गुजारा कर रहा हूं। सिर्फ चौधरी ही नहीं, बल्कि हजारों प्रवासी कामगार बिना किसी काम या साधन के दिल्ली में फंसे हुए हैं। बुधवार को लागू हुए लॉकडाउन ने उन लोगों को भी प्रभावित किया है, जिन्हें अपने परिवार के लिए घर लौटना बेहद जरूरी है। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के निवासी देव पाल ने कहा कि वह अपने बीमार चाचा को देखने के लिए कुछ दिन पहले दिल्ली आए थे। पाल ने कहा, मेरे चाचा अस्वस्थ थे और मैं उन्हें देखने के लिए रविवार को पूर्वी दिल्ली के सीमापुरी इलाके में आया था।

बटलर को छोटा आईपीएल होने की उम्मीद

लंदन। इंग्लैंड विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने कहा कि कोविड 19 महामारी के कारण आईपीएल पूरा नही हो सकता लेकिन उन्हे उम्मीद है कि कम से कम छोटा टूर्नामेंट हो जाए। आईपीएल 29 मार्च से शुरू होना था लेकिन इसे 15 अप्रैल तक टाल दिया गया। उन्होंने स्काय स्पोटर्स से कहा , अभी कोई समाचार नही है।शुरूआत में इसे स्थगित किया गया था। हालात तुरंत बदलने वाले नही है। मुझे नही लगता कि आईपीएल हो सकेगा। यह विश्व क्रिकेट के लिए बहुत बड़ा टूर्नामेंट है।

विलियमसन ने कोविड 19 से जूझते स्वास्थ्यकर्मियों की तारीफ की

वेलिंगटन। कोविड 19 महामारी से निपटने में लगे अपने देश के डाक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की तारीफ करते हुए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियमसन ने गुरूवार को कहा कि ए लोग सही मायने में समझते है कि दबाव क्या है ? न्यूजीलैंड हेराल्ड में लिखे पत्र में विलियमसन ने डाक्टरो , नर्सों और सभी स्वास्थ्यकर्मियों को संबोधित किया जो दुनिया भर मे 21000 से अधिक जिंदगियां ले चुकी इस महामारी से निपटने में लगे है। पिछले कुछ दिनों से साफ हो गया है कि हम ऐसे स्वास्थ्य संकट से गुजर रहे है जो हमने कभी नही देखा है। हम आपके आभारी है। लोग बात करते है कि खिलाड़ियों पर प्रदर्शन का दबाव होता है लेकिन असलियत यह है कि हम वह काम करते है जिससे हमें प्यार है और हमारी आजीविका चलती है।

विम्बलडन पर फैसला अगले सप्ताह

लंदन। आल इंग्लैंड क्लब ने कहा है कि वह अगले सप्ताह तक फैसला लेगा कि कोविड 19 के कारण विम्बलडन स्थगित करना है या रद्द करना है। क्लब के मुख्य बोर्ड ने इसके लिए आपात बैठक बुलाई है। विम्बलडन के मुख्य ड्रा के मुकाबले 29 जून से शुरू होने है। टूर्नामेंट की तैयारी अप्रैल के आखिर में शुरू होनी है।

मुक्केबाजों के संक्रमित होने पर आईओसी पर बरसा तुर्की

इस्तांबुल। तुर्की मुक्केबाजी महासंघ ने लंदन में ओलंपिक क्वालीफाईंग टूर्नामेंट के दौरान अपने तीन मुक्केबाजो और कोच के कोरोना वायरस के संक्रमण में आने पर गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) और स्थानीय आयोजकों को आड़े हाथों लिया। लंदन में इस प्रतियोगिता में यूरोपीय देशों के लिए लगभग 350 पुरुष और महिला मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया था। यह यूरोप से तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का पहला मौका था।

भारत में विदेशी कोचों के अनुबंध बने रहेंगे

● इनके करार तोक्यो ओलंपिक 2020 तक ही थे

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय खिलाड़ियों के साथ जुड़े कई विदेशी कोचों के अनुबंध तोक्यो ओलंपिक तक ही थे लेकिन खेलों के 2021 तक स्थगित होने के बाद अब उनका अधूरा अभियान पूरा होने तक उन्हें पद पर बरकरार रखा जाएगा। महिला कुश्ती कोच एंड्रयू कुक, पिस्टल निशानेबाजी कोच पावेल स्मिरनोव, मुक्केबाजी कोच सैंटियागो नीवा और रफेले बर्गामास्को या एथलेटिक्स के हाई परफार्मेंस निदेशक वोल्कर हर्मान के अनुबंध तोक्यो ओलंपिक 2020 तक ही थे। अब कोविड 19 के कारण खेल अगले साल होंगे लिहाजा भारत के विदेशी कोचों का कार्यकाल एक साल के लिए और बढाया जाएगा। देशव्यापी लॉकडाउन खत्म होने के बाद इस बारे में औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। भारतीय कुश्ती महासंघ के सचिव वी एन प्रसूद ने कहा , भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) उन्हें वेतन देता है। हमें उनसे बात करनी होगी। हमें नहीं लगता कि उनका कार्यकाल बढ़ाने में कोई दिक्कत आएगी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को भी यकीन है कि स्मिरोव और राइफल कोच ओलेग मिकाहिलोव के कार्यकाल को विस्तार दे दिया जाएगा। उनके अनुबंध अगस्त तक ही थे। एनआरएआई के एक अधिकारी ने कहा , इसकी समीक्षा की जाएगी। हम साइ से बात करेंगे कि कोचों का कार्यकाल बढाया जाए। दफ्तर खुलने के बाद इस बारे में कार्वाई की जाएगी। लेकिन क्या कोच अतिरिक्त एक साल रूकने को तैयार हैं ? मुक्केबाजी के कोच तो हैं। नीवा ने कहा , साइ के साथ मेरा करार दिसंबर तक का है लेकिन विस्तार मिलने पर मैं रूक जाऊंगा। ओलंपिक से पहले मैं जा नहीं सकता। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के एक अधिकारी ने कहा , हमारे साथ जुड़े सभी विदेशी कोचों का कार्यकाल बढाया जाएगा। मंत्रालय तो चाहता था कि वे 2024 तक बने रहे लिहाजा कोई दिक्कत नहीं होगी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला ने तो कहा कि करार की मियाद बढना लाजमी है। हाकी इंडिया ने तो साइ के पास पहले ही पुरूष टीम के कोच ग्राहम रीड और महिला टीम के कोच शोर्ड मारिन का करार बढाने का आवेदन दे दिया है। हाकी इंडिया की सीईओ एलेना नार्मन ने कहा , हमने अपने सभी विदेशी कोचों से बात की है और वे ओलंपिक तक रूकने को तैयार हैं।

आईओसी ने ओलंपिक खेलों को स्थगित करने में त्वरित फैसला किया : बिंद्रा

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज निशानेबाज अभिनव बिंद्रा का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने तोक्यो ओलंपिक खेलों को स्थगित करने में त्वरित फैसला किया जबकि कुछ अन्य शीर्ष खिलाड़ी और राष्ट्रीय संघ घोषणा करने में देरी के लिए आईओसी की आलोचना कर रहे थे।

तोक्यो ओलंपिक 2020 को कोविड-19 महामारी के कारण मंगलवार को अगले साल तक टाल दिया गया। इस फैसले से पहले हालांकि कुछ शीर्ष खिलाड़ियों तथा ब्रिटिश ओर कनाडा ओलंपिक संघों ने आईओसी के फैसला करने में देरी के लिए नाराजगी जताई थी। लेकिन भारत के एकमात्र व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा की राय इसके विपरीत है। बिंद्रा ने कहा, यह देखकर अच्छा लगा कि फैसला त्वरित किया गया क्योंकि खेल होंगे या नही इसको लेकर काफी अनिश्चितता बनी हुई थी। मेरा मानना है कि यह फैसला सही समय पर किया गया। यह काफी जटिल फैसला था। खिलाड़ी अब थोड़ा शांति से रह सकते हैं और अब वे इस पर ध्यान दे सकते है कि वे और उनके आसपास के लोग स्वस्थ रहे। यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। बिंद्रा स्वयं आईओसी एथलीट आयोग के सदस्य है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के खिलाड़ी खेलों को स्थगित करने के पक्ष में थे जो कि आईसीसी को बता दिया गया था। बीजिंग ओलंपिक में दस मीटर एयर राइफल के स्वर्ण पदक विजेता ने कहा, हम खिलाड़ियों के लगातार संपर्क में थे। यह देखकर अच्छा लगा कि खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता में रखा गया। यह अप्रत्याशित स्थिति थी। आईओसी का सिद्धांत रहा है कि सभी खिलाड़ियों और खेलों से जुड़े प्रत्एक व्यक्ति का स्वास्थ्य सर्वोपरि है और वायरस के नियंत्रण के लिए उसने जिम्मेदारी से कार्य किया। यह पूरी तरह से सही फैसला है।

प्रतिबंध के दौरान काफी मेहनत की , वापसी को तैयार : नरसिंह यादव

नई दिल्ली-तोक्यो। ओलंपिक 2021 स्थगित होने से नरसिंह पंचम यादव के कैरियर को संजीवनी मिल गई और डोप कलंकित इस पहलवान ने गुरूवार को कहा कि वह इस मौके का पूरा फायदा उठाएंगे जबकि भारतीय कुश्ती महासंघ ने कहा दिया है कि वह अगर तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करते है तो उन्हे रोका नही जाएगा। चार साल का प्रतिबंध जुलाई में खत्म करने वाले नरसिंह पंचम यादव जुलाई अगस्त में ओलंपिक नही खेल सकते थे लेकिन अब कोविड 19 के चलते ओलंपिक एक साल के लिए टल चुके है। ऐसे में वह 74 किलो वर्ग मे दावा कर सकता है जिसमे भारत ने कोटा हासिल नही किया है। नरसिंह को अगस्त 2016 में खेल पंचाट ने डोप टेस्ट में नाकाम रहने पर चार साल के प्रतिबंध की सजा सुनाई थी। रियो ओलंपिक में उनका मुकाबला शुरू होने से चंद घंटे पहले विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी की अपील पर यह सुनवाई हुई थी। महासंघ के सहायक सचिव विनोद तोमर ने कहा , हम उसे रोकेंगे नही अगर वह हमारे पास आकर भाग लेने की इच्छा जताता है। हमने इस पर बात की है।उसका प्रतिबंध पूरा हो चुका है और वह वापसी कर सकता है। नरसिंह ने मुंबई से प्रेस ट्रस्ट से कहा , मेरा हमेशा से यह विश्वास था कि मैने कुछ अलग नही किया है तो मेरे साथ कुछ गलत नही होगा। जीत सच की होती है। अब ईश्वर की कृपा से मुझे एक मौका और मिल सकता है। मुझे लगता था कि मै ओलंपिक खेल सकता हूं। पता नही क्यो पर हमेशा लगता था। मै अपनी वापसी पर पूरा फोकस कर रहा हूं ताकि तोक्यो में पदक जीत सकूं। रियो ओलंपिक से पहले उसके डोप टेस्ट मे नाकाम रहने के बाद राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने स्वीकार कर लिया था कि उसके पेय पदार्थ में मिलावट की गई थी। उसने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई भी किया लेकिन चोट के कारण ओलंपिक क्वालीफिकेशन से चूके दो बार के पदक विजेता सुशील कुमार ने ट्रायल की मांग की और नरसिंह को अदालत में घसीटा। नरसिंह डोप टेस्ट में नाटकीय रूप से नाकाम रहा और उस पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया।

डब्ल्यूएफआई ने नरसिंह के लिए दरवाजे खुले रखे

नई दिल्ली। चार साल का प्रतिबंध जुलाई में खत्म करने वाले नरसिंह पंचम यादव अगर तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करते है तो भारतीय कुश्ती महासंघ उन्हें रोकेगा नही। ओलंपिक अगर जुलाई अगस्त में होते तो नरसिंह के पास मौका नही था लेकिन अब कोविड 19 के चलते ओलंपिक एक साल के लिए टल चुके है। ऐसे में वह 74 किलो वर्ग मे दावा कर सकता है जिसमे भारत ने कोटा हासिल नही किया है। नरसिंह को अगस्त 2016 में खेल पंचाट ने डोप टेस्ट में नाकाम रहने पर चार साल के प्रतिबंध की सजा सुनाई थी। रियो ओलंपिक में उनका मुकाबला शुरू होने से चंद घंटे पहले विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी की अपील पर यह सुनवाई हुईथी। महासंघ के सहायक सचिव विनोद तोमर ने कहा , हम उसे रोकेंगे नही अगर वह हमारे पास आकर भाग लेने की इच्छा जताता है। हमने इस पर बात की है।उसका प्रतिबंध पूरा हो चुका है और वह वापसी कर सकता है। रियो ओलंपिक से पहले उसके डोप टेस्ट में नाकाम रहने के बाद राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने स्वीकार कर लिया था कि उसके पेय पदार्थ में मिलावट की गई थी। उसने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई भी किया लेकिन चोट के कारण ओलंपिक क्वालीफिकेशन से चूके दो बार के पदक विजेता सुशील कुमार ने ट्रायल की मांग की और नरसिंह को अदालत में घसीटा। नरसिंह डोप टेस्ट में नाटकीय रूप से नाकाम रहा और उस पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया।

आईसीसी ने सभी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट स्थगित किए

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कोविड 19 महामारी के कारण 30 जून से पहले होने वाले सभी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट स्थगित कर दिए है। दुनिया भर में कोरोना वायरस से 21000 से अधिक लोग मारे जा चुके है और चार लाख से अधिक लोग संक्रमित है। आईसीसी के टूर्नामेंट प्रमुख क्रिस टेटली ने कहा , दुनिया भर में यात्रा को लेकर पाबंदियों और मौजूदा माहौल में सेहत को लेकर चिंताओं को देखते हुए आईसीसी ने आगामी समीक्षा तक जून के आखिर तक सारे टूर्नामेंट स्थगित करने का फैसला किया है। खिलाड़ियों, अधिकारियों, स्टाफ और प्रशंसकों की सेहत और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमें सभी संबंधित पक्षों के हितों को ध्यान में रखकर फैसला लेना है। हमारा मानना है कि यह समझदारी भरा फैसला लेने का समय है। आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफायर श्रीलंका में तीन से 19 जुलाई के बीच होने है। आईसीसी पुरूष टी20 विश्व कप ट्राफी टूर भी अप्रैल में नही होगा। आईसीसी ने कहा कि पुरूष टी20 विश्व कप 2021 और विश्व कप 2023 क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों को लेकर लगातार हालात पर नजर रखी जा रही है।

डब्ल्यूटीसी अंक आवंटन, आपात योजना पर बात करेगा आईसीसी बोर्ड

भाषा। नई दिल्ली

आईसीसी बोर्ड के सदस्य शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए कोविड 19 के मद्देनजर अपने कई टूर्नामेंटों को लेकर आपात योजना पर बात करेंगे। आईसीसी बोर्ड के कुछ सदस्यों ने प्रेस ट्रस्ट को बताया कि इस कांफ्रेंस कॉल में कोई ठोस फैसले नहीं लिए जाएंगे लेकिन आपात योजनाओं पर बात करने के लिए यह बैठक जरूरी है। आईसीसी टी20 पुरूष विश्व कप अक्तूबर नवंबर में होना है। इसके अलावा कई द्विपक्षीय श्रृंखलाएं भी खेली जानी है जो विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का भी हिस्सा हैं। श्रृंखला रद्द होने पर अंक व्यवस्था को लेकर भी बात की जाएगी। एक सदस्य देश के अधिकारी ने कहा , फिलहाल कोई फैसला नहीं लिया जा सकता क्योंकि हालात कब सामान्य होंगे, कोई नहीं जानता। सभी सदस्य अपने अपने देशों के हालात की जानकारी देंगे। लेकिन हमें योजना तैयार रखनी होगी अगर यह लॉकडाउन दो महीने से ज्यादा खिंच गया। पूरा एफटीपी उथल पुथल हो जाएगा। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान की टीमों को जून और जुलाई में इंग्लैंड जाना है जबकि न्यूजीलैंड को अगस्त में बांग्लादेश जाना है। भारत को नवंबर में आस्ट्रेलिया में खेलना है। आदर्श अंक वितरण व्यवस्था पर बात की जाएगी। दोनों टीमों को 60 अंक देने हैं या कुछ और। सभी सदस्यों से बात की जाएगी। फिलहाल टी20 विश्व कप को कोईखतरा नहीं दिख रहा लेकिन बंद लंबा चलने पर आस्ट्रेलियाई सरकार यात्रा पाबंदियों पर फैसला लेगी। बीसीसीआई की ओर से अध्यक्ष सौरव गांगुली बैठक में भाग लेंगे। उनके उपलब्ध नहीं होने पर सचिव जय शाह भाग ले सकते हैं।

ओलंपिक टलने से लागत कई गुना बढेगी : आयोजक

भाषा। तोक्यो

तोक्यो ओलंपिक के आयोजकों ने कहा हैकि खेलों को स्थगित करने से अतिरिक्त लागत कई गुना बढ़ जाएगी। उन्होंने इस पेचीदा और अभूतपूर्व काम की शुरूआत के लिए गुरूवार को एक कार्यबल का गठन किया। कोविड 19 के कारण ओलंपिक स्थगित करने के ऐतिहासिक फैसले के बाद आयोजकों के सामने अब अगले साल खेलों के आयोजन की कठिन चुनौती है। तोक्यो 2020 के सीईओ तोशिरो मुतो ने कार्यबल की पहली बैठक में कहा , एक एक करके हमें सुनिश्चित करना होगा कि हर समस्या का हल निकल सके। अतिरिक्त लागत काफी अधिक होगी। हमें इसके लिए काफी प्रयास करने होंगे। निक्केइ दैनिक के अनुसार आयोजकों का मानना हैकि अतिरिक्त लागत करीब 27 अरब डॉलर होगी। इसमें आयोजन स्थलों का किराया, होटलों की दोबारा बुकिंग , स्टाफ और सुरक्षाकर्मियों को अतिरिक्त भुगतान शामिल है।

कोहली से प्रभावित जैक्सन को रणजी सत्र में मिला अच्छी फिटनेस का फायदा

भाषा। नई दिल्ली

सौराष्ट्र के बल्लेबाज शेल्डन जैकसन ने भारतीय कप्तान विराट कोहली से प्रेरणा लेकर अपनी फिटनेस को नए स्तर पर पहुंचाया जिसका फायदा उन्हें रणजी ट्राफी के इस सत्र में मिला जहां उन्होंने रनों का अंबार लगाया। तैतीस वर्षीय जैकसन ने रणजी ट्राफी में लगातार दूसरे सत्र में 800 से अधिक रन बनाए और सौराष्ट्र को पहली बार रणजी खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सौराष्ट्र की इस उपलब्धि में जैकसन की भूमिका अहम रही। उन्होंने इस सत्र में 50.56 की औसत से 809 रन बनाए। भावनगर के इस बल्लेबाज ने कहा कि पिछले 12 महीनों में उन्होंने अपनी फिटनेस में सुधार पर ध्यान दिया जिसका उन्हें फायदा मिला। जैकसन ने 2013 में रायल चैलेंजर्स बेंगलोर की तरफ से खेलते हुए देखा था कि कोहली फिटनेस को बहुत अधिक महत्व देते हैं। यह असल में विराट की कहानी थी जिससे मुझे प्रेरणा मिली। वे बेहद कुशल बल्लेबाज हैं और अगर वह तब भी उन्हें लगता है कि उन्हें और फिट होने की जरूरत है तो फिर उनके सामने हमारी क्या बिसात। 2013 में वह अपरिपक्व थे लेकिन छह सत्र बाद वह सभी प्रारूपों में सौराष्ट्र के मुख्य बल्लेबाज बन गए। जिन लोगों ने मेरी मदद की वे जिम में काम करने वाले सामान्य ट्रेनर थे। मेरे दोस्त थे जिन्होंने अहमदाबाद में मेरी मदद की क्योंकि वे समझ रहे थे कि मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं लेकिन मुझे उसके अनुरूप परिणाम नहीं मिल रहे हैं। पिछले साल तक मैं कुछ भी खा लेता था। सभी तरह के जंक फूड खा देता था लेकिन उन लोगों (जिम ट्रेनर) ने मुझे सिखाया कि अच्छा प्रदर्शन करने के लिए खाना भी बेहतर खाना होगा। इससे मुझे बहुत फायदा मिला। इस बल्लेबाज ने पिछले सत्र में भी 854 रन बनाए थे लेकिन उन्हें लगा कि फिटनेस के क्षेत्र में अभी उन्हें काफी कुछ करना है। बस इसके बाद वह अपनी फिटनेस सुधारने में लग गए। पहले मैं सोचता था कि क्रिकेट कौशल से जुड़ा खेल है लेकिन मैं पूरी तरह से गलत था। क्रिकेट कौशल से जुड़ा खेल है लेकिन इसमें बहुत अच्छी फिटनेस की जरूरत पड़ती है क्योंकि अगर आप फिट हैं तो आप दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं जबकि आपका शरीर थक गया हो।

फलों-सब्जियों की 1,600 थोक मंडियां खुली हैं

● आज से 300 और मंडियां खुल जाएंगीः कृषि मंत्रालय

भाषा। नई दिल्ली

देश भर में फलों-सब्जियों की 1,600 थोक मंडियों में सामान्य ढंग से काम हो रहा है और शुक्रवार से 300 अन्य मंडियां भी खुलने लगेंगी। कृषि मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। सरकार ने देश में कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए 21 दिनों की बंदी (लॉकडाउन) लागू की है। इसके बाद जरूरी चीजों की आपूर्ति बहाल करने के लिए केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को हस्तक्षेप किया है। अधिकारी ने पीटीआई -भाषा से कहा, कुछ शुरुआती दिक्कतें थीं, लेकिन हमने राज्य सरकारों तथा कृषि उत्पाद विपणन समितियों (एपीएमसी), थोक मंडी बोर्डो को तैयार कर लिया। इसके कारण बृहस्पतिवार तक फलों एवं सब्जियों की 1,600 थोक मंडियां खुलने लगी हैं। शुक्रवार से 300 और मंडियां खुलने लगेंगी। अधिकारी ने कहा कि देश भर में करीब 6,900 थोक मंडियां हैं। इनमें अनाज मंडियां भी शामिल हैं। अनाज मंडियां फसल कटाई के सत्र में सक्रिय रहती हैं। अभी हमारा ध्यान फलों एवं सब्जियों की थोक मंडियों पर है। केंद्र सरकार ने बड़े शहरों में आपूर्ति सामान्य बनाने के लिए दिल्ली में मदर डेयरी के सफल बिक्री केन्द्रों, कोलकाता में सुफल बांग्ला आउटलेट, बेंगलुरू में हॉपकॉम्स रिटेल आउटलेट तथा चेन्नई और मुंबई में भी इसी तरह के आउटलेट को आपूर्ति की निगरानी करने व स्थानीय प्रशासन से समन्वय बिठाए रखने को कहा है। अधिकारी ने एक राज्य से दूसरे राज्य में सब्जियां ले जाने के बारे में कहा कि व्यापारियों को जमीनी स्तर पर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि पुलिस सख्ती से बंदी का पालन करा रही है। हालांकि, मंडियों को स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय बिठाने व दखल देने के लिए नियंत्रण कक्ष बनाने को कहा गया है। उन्होंने सुरक्षा व बचाव के उपायों के बारे में कहा कि लाउडस्पीकरों के जरिए कोरोना वायरस को लेकर जागरुकता फैलाई जा रही है। मंडियों में पोस्टर भी लगाए गए हैं। इनके साथ ही मंडियों में लोगों के एक दूसरे से दूर रहने, कारोबारियों को मास्क पहनने, लगातार हैंड सेनिटाइजर का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

खाद्य निगम के पास पर्याप्त खाद्यान्न, सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली नजर रखे हुए है : पासवान

नई दिल्ली। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए देशव्यापी रोक के बीच गरीबों का पेट भरने के लिए सरकार के पास पर्याप्त खाद्यान्न भंडार है। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकारी क्षेत्र के भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) राशन कार्ड धारकों के लिए सब्सिडी युक्त खाद्यान्न की आपूर्ति पर करीब से नजर रख रहा है। सरकार की सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्नों की खरीद और वितरण की जिम्मेदारी एफसीआई के पास है। पासवान ने ट्वीट किया, एफसीआई के गोदामों में मांग की पूर्ति के लिए पर्याप्त खाद्यान्न भंडार है। अधिकारी खाद्यान्नो की आपूर्ति पर करीबी नजर बनाए हुए है। उन्होने कहा कि एफसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों को 24x7 आपूर्ति की स्थिति की निगरानी करने के लिए कहा गया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक सरकार के पास एफसीआई के गोदामों में वर्तमान में कुल 5.85 करोड़ टन खाद्यान्न उपलब्ध है। इसमें 3.09 करोड़ टन चावल और 2.75 करोड़ टन गेहूं है। यह एक अप्रैल को अनुमानित 2.1 करोड़ टन खाद्यान्न की जरूरत से कई गुना अधिक है।

प्रोत्साहन पैकेज से निवेशक उत्साहित

भाषा। मुंबई

शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला लगातार तीसरे दिन जारी रहा और बंबई शेयर बाजार का संसेक्स बृहस्पतिवार को 1,411 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कोरोना वायरस महामारी को रोकने को लेकर तीन सप्ताह के लॉकडाउन के प्रभाव से निपटने के लिए 1.70 लाख करोड़ रुपए के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा के बाद बाजार में तेजी का रुख बन गया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,410.99 अंक यानी 4.94 प्रतिशत मजबूत होकर 29,946.77 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,564 अंक से अधिक मजबूत हुआ था। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 323.60 अंक यानी 3.89 प्रतिशत उछलकर 8,641.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के प्रमुख शेयरों में सर्वाधिक लाभ में इंडसइंड बैंक रहा जिसमें 46 प्रतिशत की तेजी आई। लाभ में रहने वाले प्रमुख शेयरों में भारती एयरटेल, एल एंड टी, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज ऑटो, एचयूएल और एचडीएफसी शामिल हैं। इनमें

● सेंसेक्स 1,411 अंक उछला

10 प्रतिशत तक की तेजी आई। वहीं दूसरी तरफ मारुति सुजुकी, टेक महिंद्रा, सन फार्मा और रिलायंस इंडस्ट्रीज नुकसान में रहे। कोरोना वायरस महामारी रोकने को लेकर 21 दिन के बंद के आर्थिक प्रभाव से निपटने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम लोगों की मदद के लिए 1.70 लाख करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा की। इस पैकेज में गरीब परिवार को अगले तीन महीने तक मुफ्त अनाज और रसोई गैस देना, महिलाओं और गरीब वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक मदद तथा कर्मचारियों को नकदी उपलब्ध कराना शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, यह पैकेज लॉकडाउन से प्रभावित लोगों के लिए है। सरकार इन्हें प्राथमिकता दे रही है। उद्योग केंद्रित उपायों की घोषणा अगले पैकेज में की जा सकती है। लॉकडाउन को लागू करने में यह कारगर हो सकता है। कारोबारियों के अनुसार कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव रहा। इसका कारण वायदा एवं विकल्प खंड में मार्च महीने का अनुबंध आज समाप्त हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग, तोक्यो और सोल नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। इस बीच,अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 2.15 प्रतिशत टूटकर 26.80 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इधर, स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में कोरोना वायरस संक्रमित मामलों की संख्या बढ़कर 649 पहुंच गई है। वहीं 13 लोगों की मौत हुई है। गुजरात, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में एक-एक लोगों की मौत हुई है।

शुरुआती कारोबार में रुपया 13 पैसे मजबूत

मुंबई। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को 13 पैसे सुधरकर 75.81 पर खुला। कोरोना वायरस से निपटने के लिए प्रोत्साहन पैकेज दिए जाने के आश्वासन और शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख के साथ खुलने से निवेशकों की धारणा मे सुधार देखा गया। मुद्रा कारोबारियों के अनुसार सरकार की ओर से 21 दिन के लिए सार्वजनिक बंद (लॉकडाउन) किया जाना दिखाता है कि कोरोना वायरस से निपटने के लिए सरकार कड़े कदम उठाने को भी तैयार है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार पर रुपया 75.91 पर खुला। जल्द ही इसमें सुधार देखा गया। सुबह के कारोबार में पिछले बंद स्तर के मुकाबले यह 13 पैसे सुधार के साथ 75.81 रुपया प्रति डॉलर पर रहा।

बिजली मांग 22 प्रतिशत घटकर 1,27,960 मेगावाट

नई दिल्ली। देश में बिजली की अधिकतम मांग में बुधवार को करीब 22 प्रतिशत की कमी आई और यह 1,27,960 मेगावाट रह गई जो 20 मार्च को 1,63,720 मेगावाट थी। बिजली की मांग में कमी कोरोना महामारी के बीच लॉकडाउन के प्रभाव को बताती है। वास्तविक रूप से देखा जाए तो एक सप्ताह में बिजली मांग में करीब 35,000 मेगावाट की कमी आई है। बिजली की अधिकतम मांग में कमी का कारण उद्योग और राज्य बिजली वितरण कंपनियों की तरफ से मांग का कम होना है। इसकी वजह देशव्यापी लॉकडाउन के कारण वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और उद्योग में कामकाज का पूरी तरह ठप होना है।

मूडीज का 2020 में जी-20 देशों में मंदी आने का अनुमान

पेरिस। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कोरोना वायरस संकट के चलते बुधवार को जी-20 समूह देशों में इस साल मंदी आने का अनुमान जताया है। मूडीज ने अनुमान जताया है कि जी-20 समूह देशों का सब मिलाकर सकल घरेलू उत्पाद 2020 में 0.5 प्रतिशत घटेगी। इसमें अमेरिकी अर्थव्यवस्था में दो प्रतिशत और यूरोजोन (यूरो को मुद्रा के तौर पर अपनाने वाले देश) की अर्थव्यवस्था में 2.2 प्रतिशत का सिकुड़न होगा।

बैंकिंग लेनदेन में गिरावट लेकिन ज्यादातर एटीएम चालू : एसबीआई

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संकट के बीच देशव्यापी लॉकडाउन के बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बैंकिंग गतिविधियों में कमी देखने को मिली है। लेकिन उसके ग्राहकों की ओर से ऑनलाइन और डिजिटल लेनदेन सामान्य रहा। एसबीआई के खुदरा, भुगतान और डिजिटल बैंकिंग प्रमुख पी. के. गुप्ता ने कहा कि ऑनलाइन लेनदेन चल रहे है। लेकिन कुल मिलाकर बैंकिंग गतिविधियां गिरी है। बंद के बीच बैंक राज्य और जिला प्रशासन के साथ मिलकर किन-किन शाखाओं को कितनी देर के लिए खोलना है, इस पर सहयोग कर रहे है। गुप्ता ने कहा कि पिछले दो दिन में उसकी अधिकतर शाखाएं सीमित अवधि के लिए खुली रही।

अगली दो तिमाहियों में तीन प्रतिशत से अधिक नहीं रह सकती वृद्धि दरः प्रणब सेन

नई दिल्ली। पूर्व मुख्य सांख्यिकीविद प्रणब सेन ने बृहस्पतिवार को कहा कि देशभर में लागू की गई सार्वजनिक पाबंदी का असर देश की आर्थिक वृद्धिदर पर पड़ेगा और अगली दो तिमाहियों में यह तीन प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। सेन ने कहा कि देश में 21 दिन के लिए लोगों को घर से बाहर निकलने पर पाबंदी लगाई गई है। इससे सकल घरेलू उत्पाद में करीब पांच लाख करोड़ रुपए की कमी आ सकती है। देशभर में 21 दिन की सार्वजनिक पाबंदी लगाए जाने से अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर काफी कम रहेगी। वित्त वर्ष 2020-21 की अगली दो तिमाहियों में मुझे आर्थिक वृद्धि दर के तीन प्रतिशत से ऊपर जाने की उम्मीद नहीं है। इससे 2024-25 तक पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य पाना बेहद मुश्किल हो गया है। कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में मंगलवार की मध्यरात्रि से 21 दिन की सार्वजनिक पाबंदी घोषित की है। अभी मेरा अनुमान सार्वजनिक पाबंदी की घोषित अवधि पर आधारित है। अभी तीन हफ्ते के लिए यह पाबंदी लगाई गई है और इन तीन हफ्तों में अर्थव्यवस्था में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब पांच लाख करोड़ रुपए की कमी आएगी। भारत की आर्थिक वृद्धिदर 2019-20 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 4.7 प्रतिशत पर आ गई। यह सात साल का सबसे निचला स्तर है। इससे पहले चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में संशोधित आर्थिक वृद्धि दर 5.1 प्रतिशत रही जिसके पहले 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान था। सरकार ने 2024-25 तक देश को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। सरकार के वित्तीय प्रोत्साहन देने से आर्थिक गतिविधियों पर पड़ने वाले फर्क के सवाल पर सेन ने कहा कि इससे वृद्धि दर को लेकर कोई मदद नहीं मिलेगी क्योंकि समस्या आपूर्ति से जुड़ी है। उत्पादन नहीं हो रहा है।

सेबी ने कंपनियों के लिए वार्षिक आम सभा, विज्ञापन के नियम सरल किए

कोरोना का प्रभाव

भाषा, नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने बृहस्पतिवार को सूचीबद्ध कंपनियों के लिए वार्षिक आम सभा (एजीएम) करने और अखबारों में विज्ञापन देने के नियम से छूट प्रदान कर दी। कोरोना वायरस संकट के चलते देशव्यापी लॉकडाउन को देखते हुए यह फैसला किया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों और अन्य बाजार इकाइयों के लिए कानून अनुपालन का बोझ घटाने के प्रयासों के तहत इन नियमों में ढील दी है। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से 100 शीर्ष सूचीबद्ध कंपनियों को 2019-20 के लिए उनकी वार्षिक आमसभा करने के नियम से 30 सितंबर तक के लिए छूट दी गई है।

आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने में सरकार की मदद की दरकार : ब्रिटेनिया

बेंगलुरु। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक वरुण बेरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि आपूर्ति श्रृंखला को तत्काल प्रभाव से बहाल करने के लिए सरकार के समर्थन और हस्तक्षेप की आवश्यकता रहेगी। उन्होंने आगाह किया कि अगर आपूर्ति श्रृंखला की एक भी कड़ी टूटती है तो दस दिनों के भीतर देश में पैकबंद खाद्य का स्टॉक खत्म हो सकता है।

घरेलू इस्पात कंपनियां घटा सकती हैं उत्पादन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संकट के बीच घरेलू इस्पात कंपनियां अपना उत्पान घटा सकती हैं। इसमें निजी और सार्वजनिक क्षेत्र दोनो की कंपनियां शामिल है। निजी क्षेत्र की जेएसडब्ल्यू स्टील पहले ही अपने संयंत्रों मे उत्पादन घटाने का निर्णय कर चुकी है। इस्पात उद्योग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि टाटा स्टील, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, आर्सेलर मित्तल, निप्पॉन स्टील इंडिया के साथ स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) उत्पादन कटौती पर विचार कर रही है।

कर्मचारियों, उनके परिजनों की संक्रमण जांच का खर्च वहन करेगी कोटक महिंद्रा समूह

मुंबई। वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी कोटक महिंद्रा समूह ने कर्मचारियो तथा उनके परिजनो की कोरोना वायरस संक्रमण जांच का खर्च उठाने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। समूह कोटक महिंद्रा बैंक का संचालन करती है। इस समूह मे अभी करीब 60 हजार लोग काम करते है। कंपनी ने एक बयान मे कहा, वैसे सभी कर्मचारी तथा उनके करीबी परिजन, जिन्हे कोरोना वायरस के संक्रमण की जांच कराने का परामर्श दिया गया है, कंपनी निजी जांच घरो मे उनकी जांच के खर्च का वहन करेगी। सरकार ने इसी सप्ताह चुनिंदा निजी कंपनियो को कोरोना वायरस के संक्रमण की जांच करने की मंजूरी प्रदान की है।

विश्व में संक्रमितों की संख्या बढ़कर पांच लाख हुई

एपी। मैड्रिड

कोरोना वायरस से दुनिया भर में संक्रमित लोगों की संख्या गुरुवार को करीब पांच लाख हो जाने के बीच यूरोप तथा अमेरिका में ऐसे मामलों की संख्या चीन से ज्यादा हो गई। इस बीमारी की शुरूआत चीन से ही हुई थी। यूरोप और न्यूयॉर्क की स्वास्थ्य सेवाएं इस बीमारी के कारण चरमराती प्रतीत हो रही है और अधिकारी गंभीर रूप से बीमार पीड़ितों को जीवित रखने के लिए पर्याप्त वेंटिलेटरों की तलाश में जुटे हैं। इस महामारी का सामना करने के लिए अमेरिकी सीनेट ने कारोबारियों, श्रमिकों और स्वास्थ्य तंत्र के लिए 2.2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रस्ताव पारित किया है। लाखों अमेरिकियों को उम्मीद है कि इस कदम से उन्हें जीवनदान मिल जाएगा क्योंकि वायरस के प्रसार पर काबू के लिए आवश्यक कदमों के कारण उन्होंने नौकरी, आय आदि खो दी है। इस रोग के कारण 21,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और लाखों लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है और उसने विश्व अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है।

उन्होंने इसे आम लोगों का दुश्मन नंबर। बताया। कहा। उन्होंने कहा कि हमने पहला मौका गंवा दिया। यह दूसरा मौका है और हमें इसे बर्बाद नहीं करना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि ईस्टर तक चर्च सामान्य हो जाएंगे। हालांकि ईस्टर केवल 17 दिन ही दूर है। उन्होंने कहा, हमारा देश बंद होने के लिए नहीं बना है। वह संभवत: इस बात को लेकर आशंकित हैं कि वायरस के प्रकोप के कारण वित्तीय बाजारों और रोजगार पर पड़ने वाले विनाशकारी प्रभावों से उनके पुन: निर्वाचित होने के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि डेमोक्रेटों का कहना है कि ट्रम्प अमेरिकियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से ज्यादा अर्थव्यवस्था को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस बीच स्पेन ने होटलों को अस्थाई अस्पतालों में बदल दिया है। स्पेन में संक्रमण की संख्या में कमी नहीं आई है और अब तक 3,600 से अधिक मौतें हुई हैं वहीं इटली में 7,503 लोगों की मौत हुई है। मैड्रिड के एक अस्पताल में नर्स लिडिया परेरा ने कहा कि हमारी व्यवस्था चरमरा रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों को अकेले मरते देखना"हम सभी को अंदर ही अंदर मार रहा है। एक अन्य नर्स जो खुद ही संक्रमित होने के बाद उबर रही है, ने कहा कि शारीरिक रूप से यह बेहद जटिल है, लेकिन मनोवैज्ञानिक रूप से यह भयावह है।

अमेरिका में 1000 से अधिक लोगों की मौत

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में घातक कोरोना वायरस के मामले 65,000 के पार होने और 1,000 से अधिक लोगों की मौत होने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस वैश्विक महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित न्यूयॉर्क समेत कई राज्यों के लिए जन स्वास्थ्य पर आपदा संबंधी बड़ी घोषणाओं को मंजूरी दी है। जॉन्स हॉप्किन्स कोरोना वायरस ट्रैकर के अनुसार, अमेरिका में कोरोना वायरस से 1,031 लोगों की मौत हो चुकी है और 68,572 लोग संक्रमित हैं। चीन और इटली के बाद सबसे अधिक संक्रमण के मामलों में अमेरिका तीसरे नंबर पर है। राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने के साथ ही राष्ट्रपति ने न्यूयॉर्क, कैलिफोर्निया, वाशिंगटन, आयोवा, लुइसियाना, नॉर्थ कैरोलिना, टेक्सास और फ्लोरिडा के लिए प्रमुख आपदा घोषणाओं को मंजूरी दी है। हाल के इतिहास में संभवत: यह पहली बार है जब छह से अधिक राज्यों में जन स्वास्थ्य पर प्रमुख आपदा घोषणाओं को मंजूरी दी गई है। न्यूयॉर्क शहर में हालात बदतर होते जा रहे हैं। यह शहर देश में कोविड-19 का केंद्र बन चुका है। मंगलवार तक न्यूयॉर्क में संक्रमित लोगों की संख्या 30,000 को पार कर गई और कम से कम 285 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा न्यू जर्सी में 4,402 मामले सामने आए और 62 लोगों की मौत हुई। कैलिफोर्निया में करीब 3000 मामले सामने आए और 65 लोगों की मौत हो गई। ए सभी राज्य लॉकडाउन (बंद) हैं।अमेरिका में कोरोना वायरस से पहली मौत का मामला वाशिंगटन से सामने आया है। वहां संक्रमित लोगों की संख्या 2,588 है और 130 लोग जान गंवा चुके हैं।ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि वह न्यूयॉर्क शहर को इस चुनौती से बाहर निकालने के लिए अपनी शक्ति के तहत हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उनका प्रशासन देश भर में बड़े पैमाने पर कोविड-19 की जांच कर रहा है। 10 करोड़ से अधिक अमेरिकी बंद जैसे हालात में रह रहे हैं जिसका देश की अर्थव्यवस्था पर विध्वंसकारी असर पड़ रहा है। अमेरिका में सीनेट नेताओं और व्हाइट हाउस के बीच बुधवार को अर्थव्यवस्था को 2,000 अरब डालर का प्रोत्साहन पैकेज दिए जाने के प्रावधान वाले विधेयक पर सहमति बन गई। इस पैकेज के जरिए अमेरिकियों के हाथ में सीधे नकदी पहुंचाई जाएगी, छोटे कारोबारियों को अनुदान मिलेगा और बड़ी कंपनियों को अरबों डॉलर का कर्ज उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही बेरोजगार लाभों का भी विस्तार किया जाएगा। इस बीच, अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए विदेशों में अमेरिकी सेना और सिविल रक्षा कर्मचारियों की गतिविधि पर 60 दिन की रोक लगाने का आदेश दिया है। इस कदम से करीब 90,000 अमेरिकी सेवा सदस्यों की तैनाती या पुन: तैनाती अगले दो महीनों के लिए रुक जाएगी। पेंटागन ने बुधवार को एक बयान में कहा, यह कदम अमेरिकी कर्मियों की रक्षा करने और हमारे वैश्विक बल की संचालनात्मक तत्परता की रक्षा करने के वास्ते कोरोना वायरस बीमारी को फैलने से रोकने में मदद के लिए उठाया गया है।

टोकियो में कोरोना वायरस को लेकर बैठक करते जापान के प्रधानमंत्री शिंजों अबे

कोरोना पीड़ितों की सुनामी से जूझ रहे लंदन के अस्पताल

भाषा। लंदन

ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि लंदन के अस्पतालों में अत्याधिक संख्या में कोरोना वायरस संक्रमण से गंभीर रूप से ग्रस्त मरीज आ रहे हैं।देश में कोरोना वायरस संक्रमण से सबसे खराब हालत लंदन की ही है। देश के कुल 9,529 पुष्ट मामलों में आधे से ज्यादा (3,000 से ज्यादा) लंदन के ही हैं। ब्रिटेन में आज लॉकडाउन का तीसरा दिन है। अस्पतालों के प्रमुखों के प्रतिनिधि संगठन एनएचएस प्रोवाइडर्स के मुख्य कार्यकारी क्रिस हॉप्सन ने कहा कि उन्हें सूचना मिल रही है कि जिस दर से अस्पतालों के बिस्तर भर रहे हैं, वह बहुत चिंताजनक है क्योंकि संक्रमण के कारण अस्पतालों में कर्मियों की संख्या भी कम हो रही है।उन्होंने बीबीसी से कहा, वे बता रहे हैं कि (मरीजों की) लहर पर लहर आ रही है। उन्होंने मेरे सामने इसके लिए जिस शब्द का प्रयोग किया, वह है लगातार आ रही सुनामी। जैसा कि एक ने मुझे बताया, यह संख्या इतनी है जितनी की आप संभवत: कल्पना नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि अस्पताल गंभीर रूप से बीमार मरीजों की बढ़ती संख्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ना सिर्फ संख्या, बल्कि जिस गति से और जितनी गंभीर स्थिति में वे आ रहे हैं, सबकुछ मायने रखता है। कोरोना वायरस संक्रमण से और 43 लोगों की मौत होने के साथ ही मरने वालों की संख्या गुरुवार को 465 पहुंच गई है। हालांकि ब्रिटेन में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 9,529 पहुंच गई है।

ईरान में संक्रमण से और 157 लोगों की मौत, शहरों के बीच आवाजाही पर प्रतिबंध

तेहरान। ईरान ने गुरुवार को बताया कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण से और 157 लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा 2,234 पहुंच गया है। इस बीच, कोरोना वैश्विक महामारी से निपटने के लिए सरकार ने शहरों के बीच आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता किआनुश जहांपुर ने बताया कि पिछले 24 घंटे में और 2,389 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही देश में वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 29,406 हो गई है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा, सौभाग्य से आज तक संक्रमित लोगों मे से 10,457 का इलाज हो चुका है और उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।

कोविड-19

कोरोना से उत्पन्न हालतों पर मोदी और पुतिन ने चर्चा की

भाषा। मॉस्को, नई दिल्ली

जी-20 की आगामी आपात वार्ता से पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को टेलीफोन पर बात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने कोरोना वायरस की महामारी से उत्पन्न हालात पर अपने-अपने विचार साझा किए।

नई दिल्ली से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक दोनों नेता वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर, स्वास्थ्य, चिकित्सा, वैज्ञानिक शोध और मानवीय मामलों सहित महत्वपूर्ण वैश्चिक संकट की सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए और अधिक विचार विमर्श और सहयोग करने पर सहमत हुए। विज्ञप्ति के मुताबिक प्रधानमंत्री ने रूस में कोरोना वायरस के संक्रमितों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति पुतिन के नेतृत्व में रूस की कोशिशें कामयाब होंगी। राष्ट्रपति पुतिन ने भी प्रधानमंत्री मोदी को भारत द्वारा कोरोना वायरस से निपटने के लिए उठाए गए कदमों में सफलता की कामना की। विज्ञप्ति के मुताबिक दोनों नेताओं ने कोरोना वायरस खिलाफ एकजुट लड़ाई में जी-20 समूह के अंदर सहित अंतराष्ट्रीय सहयोग पर जोर दिया।प्रधानमंत्री मोदी ने रूस में मौजूद भारतीय छात्रों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने में रूसी प्रशासन के सहयोग की प्रशंसा की और उम्मीद जताई कि रूस इसे आगे भी जारी रखेगा। राष्ट्रपति पुतिन ने मदद का भरोसा दिया। विज्ञप्ति के मुताबिक मोदी ने पुतिन से कहा कि भारतीय प्रशासन जहां और जब भी जरूरत होगी रूसी नागरिकों की सुरक्षा और वापसी के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

उल्लेखनीय है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-20 के वैश्विक संकट से निपटने में कथित ढुलमुल रवैए की आलोचना के बीच सऊदी अरब जिसके पास अभी जी-20 समूह की अध्यक्षता है, ने पिछले हफ्ते वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सम्मेलन बुलाने का आह्वान किया था। कोरोना वायरस के संक्रमण को नियंत्रित करने में सहयोग बढ़ाने के लिए गुरुवार को सम्मेलन होगा जिसकी अध्यक्षता सऊदी अरब के शाह सलमान करेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सहित जी-20 समूह के नेता इसमें शामिल होंगे।

ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या 12 हुई 2,800 लोग संक्रमित

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है और देश में करीब 2,800 लोग इस वायरस से संक्रमित हैं।पिछले 24 घंटे में विक्टोरिया प्रांत में तीन लोगों की मौत हुई है, इसके साथ ही वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या 12 हो गई है। विक्टोरिया के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी ब्रेट सूटन ने बताया, राज्य में जिन तीन लोगों की मौत हुई है उनकी उम्र 70-75 वर्ष के आसपास थी और वे सभी पहले से स्वास्थ्य संबंधी परेशानी का सामना कर रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक हालात से गंभीरता से निपटा जा रहा है और देश में अब तक 1,78,000 लोगों की जांच हुई है। उन्होंने बताया कि रोजाना अब 10,000 जांच की जा सकेगी। देश में संक्रमित लोगों की संख्या 2,800 के आसपास पहुंच गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया, बृहस्पतिवार दोपहर तक संक्रमित लोगों की संख्या 2,793 हो गई थी। न्यू साउथ वेल्स में संक्रमण के अब तक 1,219 मामले सामने आए हैं। यहां दस साल से कम उम्र के दो बच्चे भी वायरस से संक्रमित हुए हैं।

मियामी तट बंद होने के बावजूद तट पर कुत्ते के साथ गई महिला को वापस करती पुलिस

चीन में विदेशों से आए संक्रमित लोगों के 67 नए मामले दर्ज

एजेंसी। बीजिंग

चीन में लगातार दूसरे दिन स्थानीय स्तर पर हुए कोरोना वायरस संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया लेकिन विदेशों से आए संक्रमित लोगों के 67 नए मामले देश में दर्ज किए गए। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बृहस्पतिवार को बताया कि बुधवार को चीनी मुख्यभूमि में घरेलू स्तर पर हुए संक्रमण का कोई नया मामला दर्ज नहीं किया गया लेकिन विदेशों से आए संक्रमित लोगों के 67 नए मामलों की पुष्टि हुई है। इससे एक दिन पहले ऐसे 47 मामले दर्ज हुए थे। हालांकि हुबेई प्रांत और उसकी राजधानी वुहान में पिछले कुछ समय से कोई नया मामला सामने नहीं आया है, लेकिन मृतक संख्या लगातार बढ़ रही है। हुबेई में बुधवार को छह संक्रमित लोगों की मौत हो गई और इसके साथ ही चीन में मृतक संख्या बढ़कर 3,287 हो गई। देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 81,285 हो गए हैं। हुबेई और वुहान में जनवरी से बुधवार तक 3,169 लोगों की मौत हो गई। इस संक्रमण का पहला मामला दिसंबर के अंत में वुहान में ही सामने आया था। इस बीच, चीन ने कोरोना वायरस के केंद्र वुहान में खतरे का स्तर उच्च से कम करके बुधवार को मध्यम कर दिया और नौ सप्ताह के लॉकडाउन के बाद पहली बार शहर में बस सेवाएं बहाल की गईं।

● हुबेई और वुहान में जनवरी से बुधवार तक 3,169 लोगों की मौत हो गई

हमारा गुनाह क्या है? अफगान हमले में अपनों को गंवा चुके सिखों ने पूछा

भाषा। काबुल

अफगानिस्तान के काबुल में हुए भयावह हमले का जिक्र करते हुए अपार सिंह ने कहा, उन्होंने सभी को मार डाला, कोई जिंदा नहीं बचा। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक प्रमुख गुरुद्वारे पर बुधवार को हथियारों से लैस एक आत्मघाती आतंकवादी ने पर हमला किया जिसमें कम से कम 25 लोगों की जान चली गई। समझा जाता है कि हमलावर पाकिस्तान के हक्कानी ग्रुप से जुड़ा था। अफगानिस्तान में अल्पसंख्यकों सिखों पर यह सबसे घातक हमलों में एक था। टोलो न्यूज के अनुसार अपने परिवार के सभी सदस्यों को गंवा चुके कई अफगान सिख सवाल कर रहे हैं कि आखिर उनका गुनाह क्या था। अखबार के अनुसार कई प्रभावित परिवार इस हमले को मानवता के खिलाफ अपराध करार दे रहे हैं। इस हमले में अपने परिवार के सात सदस्यों को खो चुके एक व्यक्ति ने कहा कि हमलावर ने पुरूष-महिला और बच्चों पर गोलियां चलाई और उसने किसी पर भी रत्ती भर दया नहीं दिखाई। हरविंदर सिंह नामक इस व्यक्ति ने कहा, उन्होंने मेरी मां, मेरी पत्नी और मेरे छोटे बच्चे को मेरी आंखों के सामने गोलियां दागकर मार डाला। इस हमले में अपनी मां को गंवा बैठे एक अन्य व्यक्ति ने कहा, मेरी मां का क्या अपराध था ।

चीन ने जापान के विवि के प्रोफेसर को जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया

बीजिंग। चीन ने जापान में प्रोफेसर के तौर पर कार्यरत अपने एक नागरिक को जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया है। उसने जासूसी और अन्य गतिविधियों में लिप्त होने की बात स्वीकार कर ली है। चीन के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने कहा कि युआन केकिन के खिलाफ स्पष्ट तथ्यों और सबूतों के आधार पर मामला दर्ज किया गया है और उसे अभियोजकों के पास भेज दिया गया है शुआंग ने कहा, उसने अपराध स्वीकार कर लिया है। प्रवक्ता ने कहा कि कानून के मुताबिक इस मामले में आगे बढ़ा जा रहा है और उसके कानूनी अधिकार पूरी तरह सुरक्षित हैं। युआन उत्तरी जापान में होक्काइदो शिक्षा विश्वविद्यालय में पूर्वी एशियाई राजनीतिक इतिहास के प्रोफेसर हैं। वह पिछले महीने अपनी मां के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए चीन आए थे।

फिलीपीन में कोरोना वायरस संक्रमण से नौ डॉक्टरों की मौत

मनीला। फिलीपीन की शीर्ष मेडिकल एसोसिएशन ने बृहस्पतिवार को बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण से देश में नौ डॉक्टरों की मौत हो गई है।गौरतलब है कि देश के अस्पतालों में वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या क्षमता के मुकाबले बहुत ज्यादा है और डॉक्टरों के पास अपनी सुरक्षा के उपकरण नहीं हैं। डॉक्टरों की मौत की खबर फिलीपीन के स्वास्थ्य संकट को उजागर कर रही है, जोकि सरकारी सूचना के मुकाबले कहीं बुरी अवस्था में है। देश में अभी तक वायरस संक्रमण से 38 लोगों की मौत हुई है। मुख्य द्वीप लुजोन में करीब 5.5 करोड़ की आबादी रहती है, और वहां पिछले दो सप्ताह से लॉकडाउन है। लेकिन डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि लॉकडाउन के बावजूद वहां संख्या में वृद्धि हो रही है। फिलीपीन मेडिकल एसोसिएशन ने बताया कि वायरस संक्रमण से नौवें डॉक्टर की मौत हुई है और स्वास्थ्यकर्मियों को समुचित सुरक्षा नहीं मिल रही है।

भारतीय छात्रों को होटल में निशुल्क ठहराने की पेशकश की

भाषा। वाशिंगटन

कोरोना वायरस के मद्देनजर लॉकडाउन (बंद) जैसे कदम उठाए जाने के बाद अमेरिका में फंसे भारतीय छात्रों की मदद के लिए भारतीय-अमेरिकी होटल मालिक आगे आए हैं और उन्होंने छात्रों को नि:शुल्क ठहराने और कुछ मामलों में भोजन की पेशकश की है।

अपने हॉस्टल खाली करने के लिए कहने और भारत द्वारा कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण 22 मार्च से एक हफ्ते के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक लगाने के कारण कई छात्रों के सिर पर छत भी नहीं रही है। भारतीय दूतावास की अपील के बाद बुधवार तक उन्हें करीब 700 होटलों में 6,000 से अधिक कमरों में रहने की पेशकश की गई।भारतीय दूतावास अमेरिका में भारतीय छात्रों के लिए पिछले हफ्ते से ही चौबीसों घंटे हेल्पलाइन चला रहा है। देश में 2,50,000 से अधिक भारतीय छात्र फंसे हुए हैं। ज्यादातर जिन होटलों की पेशकश की गई है वे विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के आसपास हैं लेकिन समुदाय के नेताओं की अपील के बाद देशभर में बड़ी संख्या में होटल मालिक आगे आए हैं। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने ट्वीट किया, यह देखकर खुशी हो रही है कि भारतीय, भारतीय अमेरिकी और अन्य होटल मालिक संकट के इस समय में लोगों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। एक साथ मिलकर हम कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई जीत सकते हैं। शिकागो स्थित समुदाय के नेता नीरव पटेल ने कहा, भारतीय समुदाय छात्रों की मदद के लिए एक साथ आया है और कई होटल मालिकों ने उन्हें नि:शुल्क कमरे देने की पेशकश की है। उनमें से कई इन छात्रों को मुफ्त में भोजन भी दे रहे हैं।

होटल चलाने वाले भारतीय-अमेरिकी दंपत्ति के. के. मेहता और चंद्रा मेहता ने न्यूयॉर्क शहर में टाइम्स स्क्वायर और बार्कलेज सेंटर के समीप स्थित अपने दो प्रमुख होटलों में भारतीय छात्रों को 100 से अधिक कमरों की पेशकश की है। होटलों की तरफ से प्रेम भंडारी ने बताया कि न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने इस संबंध में उनसे दस दिन पहले संपर्क किया था।भंडारी ने कहा, ए छात्र भारत और अमेरिका दोनों का भविष्य हैं। सभी शीर्ष भारतीय अमेरिकी सीईओ, वैज्ञानिक और डॉक्टर छात्र के तौर पर इस देश में आते हैं। यह हमारा नैतिक कर्तव्य है कि अपने संसाधनों से उनकी मदद की जाए। एएएचओए अपर मिडवेस्ट के क्षेत्रीय निदेशक कल्पेश जोशी ने कहा, भारतीय दूतावास और उसके वाणिज्य दूतावास इन छात्रों को कमरे दिलाने के लिए अथक लगातार काम कर रहे हैं। एशियन अमेरिकन स्टोर ऑनर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष फ्लोरिडा के विपुल पटेल ने कहा कि भारतीय छात्रों के लिए भारतीय अमेरिकी होटल मालिकों की ओर से भरपूर समर्थन आ रहा है। उन्होंने कहा, मुझे एक भी होटल मालिक ऐसा नहीं मिला जिसने हमें न कहा हो। कम्प्यूटर सोसायटी ऑफ इंडिया (नॉर्थ अमेरिका) ने कहा कि जो भी वित्तीय मुश्किल का सामना कर रहा है उसे या तो निशुल्क होटल में ठहराया जाएगा या किराया 50 डॉलर से अधिक का नहीं होगा। छात्रों को भारतीय दूतावास और ह्यूस्टन, शिकागो, अटलांटा, सैन फ्रांसिस्को और न्यूयॉर्क में उसके वाणिज्य दूतावासों की सिफारिश पर कमरे आवंटित किए जाएंगे।एशियन अमेरिकन होटल ऑनर्स एसोसिएशन अपर मिडवेस्ट के क्षेत्रीय निदेशक कल्पेश जोशी ने कहा कि शुरुआत में छात्रों से 20-25 डॉलर प्रति दिन का सुविधा शुल्क लेने का सुझाव था लेकिन जब उनमें से कुछ ने निशुल्क कमरे और भोजन देने की पेशकश दी तो हर कोई इस पर राजी हो गया।

● होटलों की तरफ से प्रेम भंडारी ने बताया कि न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने इस संबंध में उनसे दस दिन पहले संपर्क किया था

दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस को लेकर लोगों को जागरूक करते पर्यावरण कार्यकर्ता

सहज और सरल अभिनय की मिसाल थीं निम्मी

भाषा। मुंबई

आन, बरसात और दीदार जैसी हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी 1950 और 60 के दशक की मशहूर अभिनेत्री निम्मी का बुधवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 88 वर्ष की थीं। निम्मी का बृहस्पतिवार को मुंबई में अंतिम संस्कार किया गया।

उनके परिवार के लोगों ने बताया कि अभिनेत्री को सांस लेने में दिक्कत होने के बाद उपनगरीय जुहू अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी कल शाम को मृत्यु हुई। निम्मी को भायखला के रहमताबाद कब्रिस्तान में दफनाया गया। परिवार के लागों ने बताया, निम्मी जी के करीबी रिश्तेदारों ने शाम करीब चार बजे कब्रिस्तान में दफनाया।

उनका असली नाम नवाब बानो था और निम्मी नाम फिल्मकार राज कपूर ने दिया था जिन्होंने अपनी फिल्म अंदाज के सेट पर एक शर्मीली किशोरी के रूप में निम्मी को पहली बार देखा था। पचास और साठ के दशक में निम्मी ने उस जमाने के कई बड़े-बड़े अभिनेताओं के साथ काम किया, जिनमें राज कपूर, दिलीप कुमार, देव आनंद भी शामिल हैं। इनकी तिकड़ी उस वक्त फिल्म इंडस्ट्री में राज करती थी। खबरों के अनुसार वे अपने करियर के शुरुआती दिनों में निम्मी काफी डिमांड में थीं. कहा जाता है कि दिलीप कुमार से लेकर राज कपूर, अशोक कुमार, धर्मेंद्र जैसे कई बड़े सितारे उनके साथ काम करने को लेकर उत्सुक थे। उनकी बेहतरीन फिल्मों में उड़न खटोला (1955), भाई-भाई (1956), कुंदन (1955), मेरे महबूब (1963) और आकाशदीप (1965) सहित और भी कई यादगार फिल्में हैं। निम्?मी ने एस अली राजा से शादी की थी जिनका 2007 में देहांत हो गया था।

बरसात और दीदार जैसी हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी 1950 और 60 के दशक की मशहूर अभिनेत्री निम्मी का बुधवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 88 वर्ष की थीं। निम्मी का बृहस्पतिवार को मुंबई में अंतिम संस्कार किया गया।

दिलीप कुमार, सायरा बानो ने जताया शोक

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार और अभिनेत्री सायरा बानो ने अभिनेत्री निम्मी के निधन पर शोक जताते हुए कहा है कि उनके निधन से उन्हें व्यक्तिगत क्षति की अनुभूति हो रही है।

दिलीप कुमार के ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट किया गया, जो कुछ इस प्रकार है, सायरा बानो खान की तरफ से संदेश = दिलीप साहब और मैं हमारी प्यारी निम्मी जी के निधन से व्यक्तिगत क्षति की गहरी अनुभूति का एहसास कर रहे हैं। निम्मी जी मुझसे बड़ी थीं। दिलीप साहब से हमेशा उनका करीबी रिश्ता रहा है और मैं हमेशा हाथ से लिखे गए उनके उर्दू के खूबसूरत, महत्वपूर्ण खतों की आदी रही हूं।

कमल हासन ने की अपने आवास को अस्पताल में बदलने की पेशकश

चेन्नई। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन ने कोरोनोवायरस रोगियों के इलाज के लिए अपने आवास को यहां अस्पताल के रूप में बदलने की पेशकश की है। हासन ने एक ट्वीट में अपनी पार्टी मक्कल नीधि माईम (एमएनएम) में डॉक्टरों की मदद से कहा कि वह उस आवास को कोरोनोवायरस रोगियों के इलाज के लिए अस्पताल में बदलने के लिए तैयार हैं जहां कभी वह रहा करते थे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा अनुमति मिलने के बाद वह ऐसा करने के लिए तैयार हैं।

वाणी कपूर ने स्वयं को माना भाग्यशाली

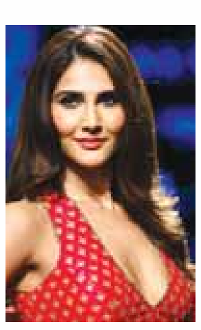

अभिनेत्री वाणी कपूर का कहना है कि 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमें अधिक से अधिक कला विधाओं का ज्ञान होना चाहिये ताकि आपकी परफॉर्मेंस सफल हो सके। मैं अत्यंत भाग्यशाली हूं कि इस इंडस्ट्री ने मेरे नृत्य को काफी सराहा है।

हॉलीवुड निर्देशक ने रूसो ने सलमान को सराहा

हॉलीवुड की फिल्म अवेंजर्स: एंडगेम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले निर्देषक जो रूसो ने सलमान खान की प्रषंसा की है। जो ने एक साक्षात्कार में भारतीय सिनेमा के बारे में बताते हुए सलमान की प्रषंसा की। सलमान की फिल्म दबंग के बारे जो ने कहा, 'वो अच्छा है मुझे ये फिल्म पसंद है। इसमें काफी ऊर्जा है। इसके ऐक्शन दृश्यों को काफी बुद्धिमानी से किया गया है। सलमान का अभिनय बेजोड़ है। आपको पता ही है कि परदे पर वो चुंबक जैसा काम करता है।'

सोफी टर्नर ने की एवेंजेलीन की आलोचना की

हॉलीवुड फिल्म गेम ऑफ थ्रोन्स की अभिनेत्री सोफी टर्नर ने 'द एंट मैन एंड द वैस्प' की अभिनेत्री एवेंजेलीन लिली की कोरोना वायरस के लिए जरूरी सोषल डिस्टेंसिंग का पालन न करने के लिए आलोचना की है। इंस्टाग्राम पर एक लाइव वीडियो में उन्होंने कहा, 'भीतर रहें और मूर्खता न करें। चाहे आपकी स्वतंत्रता में क्षणिक अवरोध आ जाए लेकिन स्वास्थ्य के लिए ये जरूरी है। ऐसा लगता है कि टर्नर ने लिली के एक आपत्तिजनक इंस्टाग्राम पोस्ट के संदर्भ में ही अपना पोस्ट दिया है जिसमें वायरस से लड़ने के लिए एकांतवास जैसे सुरक्षा कदमों के ऊपर लिली ने अपनी स्वतंत्रता को रखा था।

'अभिनय और सिंगिंग दोनों करना चाहती हूं'

पार्श्वगायक, अभिनेत्री और टीवी परिचारक खुशबू ग्रेवाल ने अपनी अब तक की यात्रा और 'मीत ब्रदर्स' की लीड गायक बने रहने सहित अन्य विषयों पर पायनियर संवाददाता **शालिनी सक्सेना** से बात की -

■ आपने गायन का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है। आपके लिए गायन कितना कठिन रहा है?

- मेरे अभिनय करने और वीजे के काम में व्यावसयिक स्तर पर लंबा अंतराल रहा हैं। मुझमें रियाज़ करने जैसा अनुशासन नहीं था। मैं एक तनावरहित जीवन का आदी बन चुकी थी जिसमें मैं जब मन चाहती था, तभी उठा करता थी। संगीत में अनुशासन और समर्पण की आवश्यकता होती है और ये बात मैंने बॉलीवुड में काम करके ही सीखी। मुझमें आज भी काफी सुधार की जरूरत है। मैं आज भी कपट करती रहती हूं। जबसे मैंने प्रशिक्षण प्रारंभ किया और अपनी कमियों को समझने का प्रयास किया है, तभी मुझे ये पता लग सका कि मैं कितना गलत थी। पहले मैं पार्टियों में आकर जैसे ही गाने के लिए कहा जाता था, गाने लगती थी। उसके बाद से ही मुझमें गायकों के प्रति सम्मान का भाव जागृत हुआ। आप जितना अधिक सीखते हैं उतना ही आपमें एक अहसास भी जागृत होता जाता है। बस इन सब बातों में आपको कई साल लग जाते हैं जब जाकर आप अपने कौशल के विशेषज्ञ बन पाते हैं।

■ क्या आप आज भी 'मीत ब्रदर्स' की लीड सिंगर हैं? आप पार्श्वगायन कर रही हैं, लाइव परफॉर्मेंस, गायन और अभिनय भी कर रही हैं। क्या आपको वो सब मिल गया है जो आपने चाहा था?

- जी हां मैं आज भी मीत ब्रदर्स की लीड सिंगर हूं। मुझे काम करने की लत है अत: मैं ये नहीं कह सकता हूं कि मुझे सब कुछ मिल चुका है। मैं कुछ उस तरह का व्यक्ति हूं जो पूरे महीने सातों दिन 24 घंटे काम कर सकता हूं लेकिन आपसे षिकायत नहीं करूंगी। मैं किसी काम को इंकार नहीं करती। हाल ही में मैंने एक पंजाबी शो 'हसदेयां दे, घर वसदे' स्वीकार किया है जो कपिल शर्मा के ही कॉमेडी नाइट्स विद कपिल शर्मा की ही थीम पर है। मैं इसे गुरप्रीत घुग्गी के साथ कर रहा हूं। ये पति और पत्नी आधारित शो है जिसमें घुग्गी मेरी पत्नी है और मैं पति। शो पर विभिन्न अतिथि आते रहते हैं।

■ आपके परफॉर्मर होने के कारण ही क्या इस प्रकार के विविध रोल करना आपके लिए सरल होता है?

- पार्श्वगायक, अभिनेता और टीवी परिचारक (होस्ट) और लाइव परफॉर्मेंस करना किसी भी परफॉर्मर के अपरिहार्य पहलू होते हैं। यदि आप किसी अभिनेता को ही लें तो उसे डांस करना, ताल आदि की भी प्रारंभिक जानकारी होती है अर्थात उन्हें भी संगीत की प्रारंभिक जानकारी तो होती ही है। जब मेरे सामने माइक होता है और मैं किसी उदास गाने को गा रहा हूं तो ये मेरे स्वरों में भी झलकना चाहिये। लेकिन डांस नंबर गाते समय मेरे हाव-भाव अलग हो जाते हैं। हम ये सभी विशेषताएं समय समय पर प्रयोग करते रहते हैं लेकिन उन्हें सामने लाने के लिए कुछ नहीं करते। एक कला से दूसरी कला में जाना उतना कठिन भी नहीं होता।

■ आप डॉक्टरों के परिवार से आती हैं। आपके प्रति उनकी प्रतिक्रिया किस प्रकार की रहती है?

- मैं सदा से ही स्वयं को परिवार का कलंक मानती हूं। मेरे पिता एनस्थेसिस्ट, मेरी मां गायनोकोलोजिस्ट, मेरी बहन डेंटिस्ट और मेरे जीजा जी एक्सीडेंट एवं ट्रॉमा के विशेषज्ञ हैं। मेरी भाभी क्लिनिकल सायकोलॉजिस्ट और मैं क्या हूं? मैं तो बस उनका मनोरंजन करने का ही प्रयास कर सकती हूं। किसी को तो ये करना ही था। वे सभी अत्यंत गंभीर लोग हैं। हमारे यहां कोई भी परफॉर्मिंग आर्ट्स के क्षेत्र से नहीं है लेकिन मेरी मां अच्छा गाती हैं और बहन अच्छी डांसर थी। मैं भी उसकी नकल किया करती थी। छोटी आयु में ही मैंने स्टेज़ की ओर रुख कर दिया था। मुझे जो भी अवसर मिला करते थे मैं उन्हें स्वीकार करके ही मैं आज इतने साल बाद व्यावसायिक कॅरियर की नींव डालने में सफल हुई हूं।

■ आजकल महिला पार्श्वगायकों के बीच काफी प्रतिस्पर्धा रहती है? आप ये सब कैसे मैनेज कर पाती हैं?

- प्रतिस्पर्धा तो पुरुष और महिला दोनों के लिए ही है। हर जगह प्रतियोगिता होती है। आज संगीत हर जगह मिलता है। चाहे ये यूट्यूब या अन्य प्लेटफॉर्म ही क्यों न हों। छोटे नगरों में रहने वाले भी अब इसे अपना सकते हैं जो अच्छी बात है। अब कम से कम युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच तो है।

■ आपको किस प्रकार का संगीत सुनना प्रिय है?

- मैं हर तरह का संगीत सुनती हूं। मेरे पास प्लेलिस्ट है जिसमें पंजाबी गाने, अकाउस्टिक या नए गाने भी इसमें हैं। इस लिस्ट में कई गाने काफी भड़कीले भी हैं। लेकिन ड्राइव करते समय मैं अकाउस्टिक गाने ही सुनती हूं।

■ आगे आपकी क्या योजनाएं हैं?

- मेरी ही एक फिल्म का एक संवाद है-जब कोई योजना बनाता है तो ईष्वर उसपर हंसते हैं। ये काफी अर्थपूर्ण है। जिस साल में मुंबई आई थी उस समय मैंने कई योजनाएं बनाई थीं लेकिन उनमें से एक भी पूरी नहीं हुई। इसके बाद मैंने योजना बनाकर काम करना बंद कर दिया। मैं लंबी अवधि की अवास्तविक योजनाएं बनाने से बेहतर कुछ लघुअवधि के लक्ष्य निर्धारित करना समझती हूं। जितना मैं जानती हूं तो मैं लंदन के किसी गांव में एक छोटे से फार्महाउस में स्ट्रॉबेरी चुनना और जैविक खेती करना चाहती हूं, साथ ही एक कॉफी शॉप खोलने की भी योजना है। मैं इस साल कुछ अच्छा संगीत बनाना चाहती हूं। मैं पंजाबी फिल्मों में काम करके प्रसन्न हूं। यहां मैं फिल्म में अभिनय और गायन दोनों करना चाहती हूं।

कोरोनावायरस से संक्रमित नहीं हैं हिडी क्लम

लॉस एंजेलिस। अमेरिकी-जर्मन मॉडल और हॉलीवुड सेलेब्रिटी हिडी क्लम ने इस बात की पुष्टि की है कि उन्हें कोरोनावायरस नहीं है। परीक्षण कराने के दस दिन बाद उन्होंने इस बात का खुलासा किया। 46 वर्षीय हिडी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं पहले से काफी ठीक हूं। मुझे बस सर्दी-खांसी हुई थी और मैं इससे उबरने की कोशिश कर रही हूं। आज घर में रहते हुए 14 दिन हो गए हैं। सबको अपनी तरफ से प्यार भेज रही हूं। हैशटैगकोविड 19नेगेटिव। रिपोर्ट के मुताबिक, 7 मार्च को बीमार पड़ने के बाद क्लम बेल-एयर में स्थित अपने घर में सेल्फ क्वॉरेंटाइन में थी, जिसके चलते अमेरिकाज गॉट टैलेंट = द चैंपियनंस के तीसरे संस्करण की शूटिंग बंद हो गई। क्लम के तीसरे पति टॉम कौलिट्ज का भी 16 मार्च को किए गए जांच में नतीजा नेगेटिव आया। दोनों ने 22 फरवरी को शादी की अपनी पहली सालगिरह का जश्न मनाया।

पवन कल्याण राहत कोष में देंगे 2 करोड़ रुपये

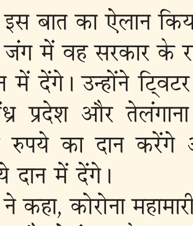

मुंबई। तेलुगू सुपरस्टार पवन कल्याण ने इस बात का ऐलान किया है कि कोविड-19 के खिलाफ देश के इस जंग में वह सरकार के राहत कोष में दो करोड़ 2 रुपये की राशि दान में देंगे। उन्होंने ट्विटर पर इस बात की घोषणा की कि वह आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री राहत कोष में 50-50 लाख रुपये का दान करेंगे और प्रधानमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपये दान में देंगे।

दो अलग-अलग ट्वीट में अभिनेता ने कहा, कोरोना महामारी के खिलाफ जंग लड़ने के लिए मैं आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री राहत कोष में हर एक को 50 लाख रुपये की राशि दान में दूंगा। उन्होंने यह भी कहा, एक ऐसी मुश्किल घड़ी में हमारे सम्माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का समर्थन करने के लिए मैं प्रधानमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपये की राशि दान करूंगा। उनका अनुकरणीय और प्रेरणादायक नेतृत्व वास्तव में हमारे देश को इस कोरोना महामारी से बाहर निकालेगा।

फराह ने बॉलीवुड हस्तियों से कहा -

कसरत करते वीडियो पोस्ट ना करें, हमारे सामने इससे बड़ी चिंताएं हैं

भाषा। मुंबई

फिल्मकार फराह खान ने कोरोना वायरस महामारी के समय में बालीवुड हस्तियों द्वारा कसरत करते हुए अपना वीडियो साझा करने को लेकर निराशा जताई है।

देश भर में लागू 21 दिन के लॉकडाउन के दौरान सभी अपने घरों में बंद हैं। ऐसे समय में कटरीना कैफ, आलिया भट्ट, अनिल कपूर, रकुल प्रीत सिंह और जैक्लीन फर्नांडिस सहित कई फिल्म जगत की हस्तियों ने सोशल मीडिया पर कसरत करते हुए वीडियो को साझा किया है।

ट्विटर पर साझा एक वीडियो में फराह ने कहा कि वह ''सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के हितै में वीडियो बना रही हैं। फराह ने कहा है, सभी सेलिब्रटी और स्टार से मेरा नम्र निवेदन है कि आप कसरत करते हुए अपना वीडियो बनाना बंद करें। मैं समझ सकती हूं कि आप सब विशेषाधिकार प्राप्त लोग हैं और इस वैश्विक महामारी में आपकी अपनी काया की देखभाल करने के अलावा कोई चिंता नहीं है। लेकिन हममें से कुछ की इस संकट के दौरान बड़ी चिंता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सेलिब्रिटी ने ऐसा करना बंद नहीं किया तो वह उन्हें अनफॉलो कर देंगी। उन्होंने कहा, कृपया हम पर दया करें और अपने वर्कआउट वीडियो अपलोड करना बंद करें। यदि आप यह नहीं कर सकते हैं तो कृपया मेरे अनफॉलो करने पर बुरा न मानें। सुरक्षित रहें।

भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या बृहस्पतिवार को 649 पहुंच गई।

कोरोना वायरस से जंग

बॉलीवुड हस्तियों ने दिहाड़ी मजदूरों की मदद करने का संकल्प लिया

मुंबई(भाषा)। करण जौहर, तापसी पन्नू और आयुष्मान खुराना सहित कई बालीवुड हस्तियों ने देशव्यापी लॉकडाउन से प्रभावित हुए दिहाड़ी मजदूरों की मदद करने की पहल की है। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 21 दिन के देशव्यापी लॉकडाउन का ऐलान किया था। इस वायरस के संक्रमण से विश्व भर में अब तक 20,000 से अधिक जानें जा चुकी हैं। आई स्टैंड विद ह्यूमेनिटी, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर ह्यूमन वैल्यूज, द आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन और भारतीय फिल्म और टीवी उद्योग जैसे संगठनों द्वारा शुरू की गई इस पहल के तहत दिहाड़ी मजदूरों के परिवारों को 10 दिनों के लिए भोजन सामग्री प्रदान की जाएगी।

इस संबंध में करण जौहर ने ट्वीट किया, मैं इस पहल का समर्थन करने और इसमें योगदान देने की प्रतिज्ञा करता हूं, यह एक ऐसी स्थिति है जहां हमें आगे आकर मदद करनी होगी। तापसी ने कहा कि दिहाड़ी मजदूरों की मदद के लिए सभी को आगे आना चाहिए। उन्होंने लिखा, यह दिहाड़ी मजदूरों के लिए है। हमारे लिए और हमारे साथ काम करने वालों के लिए हमें अपना योगदान देना होगा। अगर कोरोना से नहीं तो वे भोजन की कमी से हार जाएंगे। आइए हम सभी इस हालात से निपटने में उनकी मदद करें।

आयुष्मान ने इस पहल को नेक बताया। उन्होंने ट्वीट किया, मैं इसका समर्थन करने और योगदान देने का संकल्प लेता हूं। भारत और भारतीय खतरे में हैं और हम सभी में इसे बदलने की शक्ति है। संकट के इस समय में जितना हो सके हम एक-दूसरे का समर्थन और देखभाल करें। मैं मानवता के साथ हूं। कियारा आडवाणी और रकुल प्रीत सिंह ने भी इस पहल में योगदान देने का संकल्प लिया।

एंजेलिना जोली, काइली जेनर ने 10 लाख डॉलर की मदद दी

लॉस एंजिलिस। कोरोना वायरस के प्रकोप के मद्देनजर हालीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली और व्यवसाई काइली जेनर ने 10-10 लाख अमेरिकी डॉलर की राहत राशि दान की है। एंजेलिना ने नो किड हंग्री नाम के एनजीओ को 10 लाख अमेरिकी डॉलर की मदद की है वहीं जेनर ने लॉस एंजिलिस के अस्पतालों में चिकित्सीय सामग्री खरीदने के लिए राशि दी है।

ई न्यूज की रिपोर्ट में एंजेलिना के हवाले से लिखा गया है, इस सप्ताह तक एक अरब से अधिक बच्चे कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन के कारण स्कूलों से बाहर हैं। अमेरिका के लगभग 2.2 करोड़ बच्चे भोजन मदद पर निर्भर हैं। इनमें वे बच्चे भी शामिल हैं, जो स्कूल में मिलने वाली देखभाल और पोषण पर निर्भर होते हैं। नो किड हंग्री लगातार प्रयास कर रहा है कि अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचा जाए। प्रसाधन कंपनी काइली कॉस्मेटिक्स की संस्थापक-मालिक काइली जेनर के सहयोग के बारे में अरबपति डॉक्टर थाइस आलियाबादी ने इंस्टाग्राम पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जेनर ने हमें l,000,000 अमेरिकी डॉलर की राशि दी जिससे हमें हजारों मास्क और अन्य सुरक्षात्मक सामग्री खरीदने में मदद मिली।

कोविड-19: कैथी ग्रिफिन को पृथक वार्ड में भर्ती कराया गया

लॉस एंजिलिस। दिग्गज अभिनेत्री और हास्य कलाकार कैथी ग्रिफिन ने बताया है कि उनमें कोरोना वायरस के लक्षण दिखाई देने के बाद उन्हें अस्पताल के पृथक वार्ड में भर्ती कराया गया है। ग्रिफिन (59) ने अस्पताल के वार्ड से अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। उन्होंने देश में कोरोना वायरस की जांच कराए जाने के बारे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर झूठ बोलने के आरोप लगाए। फोटो में ग्रिफिन ऑक्सीजन मास्क लगाए हुए दिख रही हैं।अभिनेत्री ने कहा कि हालांकि उनमें बीमारी के गंभीर लक्षण थे लेकिन उन्हें जांच के योग्य नहीं समझा गया। ट्रंप ने बुधवार को ट्वीट कर बताया था कि अमेरिका में किसी भी अन्य देश की तुलना में ज्यादा जांच हुई है।